दैनिक

प्रतिदिन राजधानी

सुप्रभात रायपुर

आम आदमी का खास अखबार

संस्थापक-स्व. श्री रामचंद नचरानी | प्रधान संपादक - शांति देवी नचरानी | वर्ष : 26 | अंक : 161 रायपुर, मंगलवार, 07 जुलाई 2026 | पृष्ठ : 12 | मूल्य ₹ 2.00 | RNI NO. CHH HIN/2001/05596

3 रोबोटिस और कृत्रिम ...

E-mail pratidincg@gmail.com E-paper https://epaper.pratidinrajdhani.in WhatsApp +91 62629 04444

किसी भी महिला की ... 8

जिन किसी व्यक्ति को समाचार या विज्ञापन देना है संपर्क करे : मो. नं. 9806044444, 6262904444 इस नंबर के अलावा अन्य नंबर पर दी गई सूचना से समाचार पत्र का लेना-देना नही रहेगा...

श्रीराम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामला : चम्पत राय और अनिल मिश्रा का इस्तीफा मंजूर, कृष्ण मोहन कार्यकारी महासचिव नियुक्त : गोविंद देव गिरि

एजेंसी, अयोध्या

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की सोमवार को यहां हुई बैठक में ट्रस्ट के महासचिव चम्पत राय और सदस्य डॉ अनिल मिश्र का त्यागपत्र स्वीकार कर लिया गया। इसके साथ ही ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन त्रिपाठी को कार्यकारी महासचिव नियुक्त किया गया है। बैठक में कार्यकारी महासचिव कृष्ण मोहन ने अपनी प्राथमिकताएं गिनाते हुए कहा कि पहला काम चढ़ावा चोरी करने वाले अपराधियों को दंड दिलाना और मंदिर प्रबंधन में अब तक रहीं कमियां दूर करना है। ट्रस्ट के सदस्य समाज में राम मंदिर की पुन: प्रतिष्ठा और विश्वास बनाएंगे।

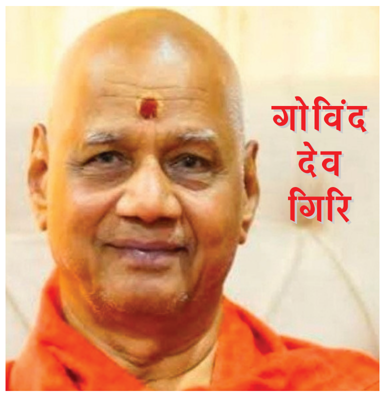

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंददेव गिरि महाराज ने बैठक में लिये गए फैसलों की मीडिया को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट की बैठक में सदस्यों का कोरम पूरा हुआ और इस बैठक में ट्रस्ट के सदस्य के. पारासरन आभासी रूप से जुड़े। बैठक में मंदिर के दान में चोरी की घटना को अत्यंत दुर्भाग्य और आहत करने वाली बताया गया। बैठक में ट्रस्ट के महासचिव चम्पत राय और ट्रस्टी डॉ अनिल मिश्र द्वारा नैतिक रूप से अपने अपने पदों से दिए गए त्यागपत्र पर ट्रस्ट के नियमों के अनुरूप चर्चा की गयी। बैठक के दौरान सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं ट्रस्टी के. पारासरन ने सदस्यों को बताया कि ट्रस्ट का नियम है कि अगर कोई सदस्य त्यागपत्र देता है तो त्यागपत्र स्वीकार हो जाएगा। ऐसे में नैतिक आधार पर महामंत्री चम्पत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्र का त्यागपत्र स्वीकार कर लिया गया है। साथ ही ट्रस्टी कृष्णमोहन को कार्यकारी महासचिव नियुक्त किया गया है। इनकी मदद के लिए एक समिति भी गठित की गयी है।

गोविंद देव गिरि ने बताया कि 22 जुलाई को ट्रस्ट की पुन: बैठक होगी। बैठक में ट्रस्ट के नए सदस्यों की नियुक्ति पर विचार किया जाएगा। तब तक एसआईटी की फाइनल रिपोर्ट आ जाएगी। दान चोरी करने वाले अन्य अपराधियों के खिलाफ भी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि राम मंदिर के लिए दान की गयी 2800 वस्तुतों की सूची बनी है और अगर किसी भी दानदाता के मन में संशय है तो वे ट्रस्ट के अयोध्या कार्यालय आकर देख सकते हैं। सभी वस्तुओं को पूरी तरह से सुरक्षित रखा गया है।

बड़े ही भावुक होते हुए गोविंद देव गिरि महाराज ने कहा कि मंदिर चोरी के प्रकरण को लेकर अनर्गल बातें मीडिया में आने और कुछ राजनीतिक दलों की ओर से इस मुद्दे पर जो चिंता दिखायी जा रही है वे राष्ट्र के लिए घातक हैं, क्योंकि यही वे राजनीतिक दल और नेता हैं जो भगवान राम को काल्पनिक बता कर न्यायालय तक गए।

राहुल गांधी ने बस-ट्रक बॉडी बिल्डर्स से की मुलाकात, समस्याएं सुनी

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने राजस्थान के स्थानीय बस और ट्रक बॉडी बिल्डर्स से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने समस्याएं सुनीं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की एमएसएमई विरोधी नीतियां छोटे उद्योगों का गला घोंट रही हैं और इसी कारण यह उद्योग संकट में हैं। राहुल गांधी ने इस मुलाकात की जानकारी एक्स पर सोमवार को दी। उन्होंने कहा कि इन कारीगरों की विश्वस्तरीय कारीगरी फेरारी और रोल्स रॉयस जैसी कंपनियों के स्तर की है, लेकिन उन्हें सम्मान और सहयोग देने के बजाय नियमों के बोझ तले दबाया जा रहा है। छोटे उद्योगों के बंद होने से केवल फैक्ट्रियां ही नहीं बंद होतीं, बल्कि भारत का हुनर हारता है और मेहनतकश कारीगर बेरोजगार होता है। राहुल गांधी ने कहा कि उनकी पार्टी ऐसे कारीगरों का हक उनसे नहीं छिनने देगी।

मुख्यमंत्री ने चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर में 103 करोड़ से अधिक के स्वास्थ्य अधोसंरचना विकास कार्यों का भूमिपूजन किया

स्वस्थ छत्तीसगढ़ करेगा विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण : मुख्यमंत्री साय

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज अटल बिहारी वाजपेयी सभागृह, चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर में 103 करोड़ रुपये से अधिक लागत के स्वास्थ्य अधोसंरचना विकास कार्यों का भूमिपूजन किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वस्थ छत्तीसगढ़ ही विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण करेगा। प्रदेश में लगातार स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। यह परियोजनाएं प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को नई ऊंचाई प्रदान करेंगी तथा मरीजों, विद्यार्थियों और चिकित्सकों सभी को इसका लाभ मिलेगा।

इस अवसर पर छात्र–छात्राओं के लिए आधुनिक छात्रावास, कैंसर भवन के विस्तार तथा चिकित्सकों एवं कर्मचारियों के आवासीय परिसर सहित विभिन्न निर्माण कार्यों की आधारशिला रखी गई।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि पिछली बार मेडिकल कॉलेज आने पर विद्यार्थियों ने छात्रावास निर्माण की मांग रखी थी, जिसे सरकार ने गंभीरता से लेते हुए आज उसके निर्माण की शुरुआत कर दी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले ढाई वर्षों में जनता से किए गए अधिकांश वादों को पूरा किया है और 'मोदी की गारंटी' को धरातल पर उतारा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और विकसित भारत के संकल्प की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए स्वस्थ छत्तीसगढ़ आवश्यक है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के नेतृत्व में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग लगातार उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने विभाग के अधिकारियों एवं पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश में चिकित्सा सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने राष्ट्रहित में मंत्री पद छोड़ा

तुष्टीकरण के खिलाफ किया संघर्ष : नितिन गडकरी

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऐसे राष्ट्रवादी नेता थे जिन्होंने देशहित को सर्वोपरि रखते हुए केंद्रीय मंत्री पद तक का त्याग कर दिया। उन्होंने कश्मीर में अलग निशान, अलग विधान और अलग प्रधान की व्यवस्था का विरोध किया तथा देश की एकता और अखंडता के लिए संघर्ष करते हुए अपना जीवन बलिदान कर दिया।

गडकरी ने सोमवार को दिल्ली भाजपा की ओर से डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर सिविक सेंटर में आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा, सांसद, मंत्री और पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

तेहरान में खामेनेई की शोक यात्रा में जनसैलाब

इराक के नजफऔर कर्बला में भी दी जाएगी श्रद्धांजलि

एजेंसी, तेहरान (ईरान)

ईरान की राजधानी तेहरान में आज देश के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई को अंतिम विदाई दी जा रही है। छह दिवसीय अंतिम संस्कार कार्यक्रम की शुक्रवार से शुरू हुईं रस्मों के अंतर्गत आज उनकी शोक यात्रा (जुलूस) में शामिल होने के लिए जनसैलाब उमड़ पड़ा है। शोक यात्रा का मार्ग 10 किलोमीटर (6.2) किलोमीटर लंबा है। यह जुलूस पूर्वी तेहरान के इमाम हुसैन स्क्वायर से शुरू हुआ है। इसका समापन पश्चिमी हिस्से में स्थित आजादी स्क्वायर पर होगा। दिवंगत नेता को इराक के नजफ और कर्बला में भी श्रद्धांजलि दी जाएगी।

मुंबई में भारी बारिश के बीच 17 उड़ानें रद्द

217 उड़ानों में देरी, अकासा-इंडिगो की एडवाइजरी जारी

एजेंसी, नई दिल्ली

मुंबई में लगातार हो रही बारिश का असर छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (सीएसएमआईए) पर भी पड़ा है। 6 जुलाई को रात 12 बजे से सुबह 11:30 बजे तक 17 उड़ानें रद्द कर दी गईं हैं, जबकि 217 उड़ानें देरी से संचालित हुईं। इस बीच लगातार हो रही भारी बारिश के असर से निपटने के लिए अकासा और इंडिगो एयरलाइंस ने एडवाइजरी जारी की हैं।

मुंबई में हुई बारिश की वजह से छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट

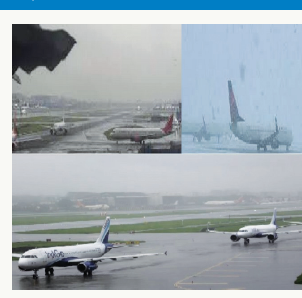

अव्यवस्थित ट्रैवल पॉइंट्स में से एक बन गया है। हालात में सुधार के कोई संकेत न मिलने पर एयरलाइंस ने तुरंत यात्रियों को चेतावनी दी। आकासा एयर ने कहा कि मुंबई, पुणे और गोवा में भारी बारिश के कारण हमारे नेटवर्क की कुछ उड़ानें देर से चल सकती हैं। एयरलाइन ने यात्रियों से एयरपोर्ट जाने से पहले अपनी फ्लाइट का स्टेटस चेक करने की अपील की। अकासा एयर ने यात्रा की योजनाओं में असुविधा को देखते हुए यात्रियों से धैर्य और समझदारी की उम्मीद जताई है।

एयरलाइन ने कहा कि हालांकि, यह स्थिति पूरी तरह से हमारे नियंत्रण से बाहर है, फिर भी आप निश्चिंत रहें कि हमारी टीमें आपकी मदद के लिए हमेशा तैयार हैं। कृपया एयरपोर्ट के लिए निकलने से पहले अपनी उड़ान का स्टेटस http://bit.ly/qpfltsts पर चेक कर लें।

लद्दाख में बीआरओ फंड गड़बड़ी मामला

सीबीआई ने 11 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 26 ठिकानों पर की छापेमारी

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के धन के कथित गबन से जुड़े चार मामलों में सोमवार को 11 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में 26 स्थानों पर छापेमारी अभियान चलाया। यह कार्रवाई जम्मू–कश्मीर, लद्दाख, दिल्ली, हरियाणा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, असम, अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड में की गई।

सीबीआई के अनुसार मामले लद्दाख के प्रोजेक्ट विजयक और

प्रोजेक्ट योजक में कैजुअल मजदूरों की तैनाती और फर्जी मजदूरों के नाम पर भुगतान जारी किए जाने से संबंधित हैं। रक्षा मंत्रालय की ओर से दर्ज कराई गई शिकायतों के आधार पर इन मामलों की जांच शुरू की गई। शिकायतें बीआरओ के तकनीकी अधिकारियों के बोर्ड द्वारा की गई आंतरिक जांच के बाद दर्ज कराई गई थीं।

जांच एजेंसी ने बताया कि मामलों में सरकारी धन के गबन, धोखाधड़ी, जालसाजी, आपराधिक विश्वासघात और आपराधिक साजिश के आरोप शामिल हैं। इसके अलावा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के तहत आपराधिक कदाचार और रिश्वतखोरी से जुड़े आरोप भी लगाए गए हैं।

सीबीआई ने चारों प्राथमिकी में लेफ्टिनेंट कर्नल, मेजर और इंजीनियर स्तर के कुल 10 अधिकारियों के साथ कुछ निजी व्यक्तियों को भी आरोपित बनाया है। तलाशी के दौरान कई आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य बरामद किए गए हैं।

पीएम मोदी का इंडोनेशिया में भव्य स्वागत राष्ट्रपति सुबियांतो स्वयं पहुंचे हवाई अड्डे

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी यात्रा के पहले चरण में सोमवार को इंडोनेशिया पहुंचे, जहां इंडोनेशिया राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने प्रोटोकॉल तोड़ते हुए स्वयं हवाई अड्डे पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

प्रधानमंत्री मोदी के इंडोनेशिया में भव्य स्वागत में वहां की वायु सेना का सुरक्षा दस्ता भी शामिल था। सुरक्षा दस्ते ने प्रधानमंत्री मोदी के विमान को एस्कॉर्ट किया। राष्ट्रपति के अलावा इंडोनेशिया विदेश मंत्री सुगियोनो, सचिवालय मंत्री प्रासेत्यो हादी और कैबिनेट सचिव टेडी इंद्र विजया सहित चार मंत्री भी उनके स्वागत के लिए वहां मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री मोदी की 6 से 11 जुलाई तक तीन देशों इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की यात्रा पर है। इंडोनेशिया में वह राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे और साझेदारी में हुई प्रगति की समीक्षा करेंगे। इसके अलावा वह भारतीय समुदाय से

भी मुलाकात करेंगे और योग्याकार्ता में प्रसिद्ध प्रम्बानन मंदिर परिसर का दौरा करेंगे।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर उनके पहुंचने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी राजकीय यात्रा पर जकार्ता पहुंचे हैं। आगमन पर हवाई अड्डे पर राष्ट्रपति ने उनका विशेष स्वागत किया। इसके अलावा चार मंत्री भी प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए उपस्थित रहे। 2018 में व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर पर संबंधों को उन्नत करने के बाद से इंडोनेशिया की यह प्रधानमंत्री की पहली द्विपक्षीय यात्रा है।

दिल्ली में बड़े आतंकी हमले की साजिश नाकाम

शाहजाद भट्टी नेटवर्क के 6 गुर्गे गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तानी आतंकी शाहजाद भट्टी के नेटवर्क पर बड़ी कार्रवाई करते हुए दो मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इनमें एक मॉड्यूल दिल्ली में किसी महत्वपूर्ण सरकारी प्रतिष्ठान या पुलिस स्थापना पर पेट्रोल बम से हमला करने की साजिश रच रहा था, जबकि दूसरा मॉड्यूल पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए भेजे गए हथियारों की तस्करी कर रहा था। पुलिस ने दिल्ली, उत्त प्रदेश और पंजाब से जुड़े छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से तीन पेट्रोल बम, तीन अत्याधुनिक पिस्टल, पांच जिंदा कारतूस, दो कारें, एक चोरी की बाइक, मोबाइल फोन और पाकिस्तानी हैंडलरों से हुई बातचीत के डिजिटल साक्ष्य बरामद हुए हैं।

स्पेशल सेल के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रमोद कुशवाहा ने सोमवार को पुलिस मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि यह कार्रवाई स्पेशल सेल की नॉर्दर्न रेंज (एनडीआर) की टीम ने की। पूरी कार्रवाई डीसीपी प्रवीण त्रिपाठी की निगरानी में एसीपी विवेक कुमार त्यागी तथा इंस्पेक्टर सुनील रजैन और इंस्पेक्टर धीरज

की टीम ने अंजाम दी। दोनों मामलों में भारतीय न्याय संहिता और आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत स्पेशल सेल थाने में एफआईआर दर्ज की गई है।

जांच में सामने आया कि पहला मॉड्यूल पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े हैंडलर राना हुनैन के इशारे पर काम कर रहा था। राना हुनैन, शाहजाद भट्टी का करीबी सहयोगी बताया गया है। पुलिस के मुताबिक मॉड्यूल का मकसद दिल्ली में किसी महत्वपूर्ण सरकारी प्रतिष्ठान या पुलिस स्थापना की रेकी कर पेट्रोल बम से हमला करना था। स्पेशल सेल ने विजय घाट इलाके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से तीन पेट्रोल बम, 2,000 रुपये नकद, एक चोरी की मोटरसाइकिल और ऐसे मोबाइल फोन बरामद हुए हैं जिनमें पाकिस्तानी हैंडलरों के साथ चैट, फोटो और वीडियो मिले हैं। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान मुजफ्फरनगर निवासी 24 वर्षीय दानिश उर्फ चांद मियां और 20 वर्षीय सलमान के रूप में हुई है।

कृषक उन्नति योजना से किसान की बदली तस्वीर, परिवार को मिला आर्थिक संबल

सूरजपुर, प्रतिदिन राजधानी

कृषक उन्नति योजना से लाभान्वित एक किसान की सफलता की कहानी सामने आई है। योजना के तहत मिली प्रोत्साहन राशि ने न केवल खेती को आधुनिक बनाने में मदद की, बल्कि परिवार की आर्थिक स्थिति भी मजबूत हुई। किसान ने इस राशि का उपयोग खेती के साथ बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य पर भी किया।

सूरजपुर जिले के सोहागपुर गांव निवासी किसान रमेश सिंह, कृषक उन्नति योजना के लाभार्थी हैं। गोंड जनजाति से संबंध रखने वाले रमेश सिंह के पास लगभग 10 हेक्टेयर कृषि भूमि है। उन्होंने खरीफ विपणन वर्ष 2025–26 में 255 क्विंटल धान का विक्रय किया, जिसके बदले उन्हें योजना के तहत 1 लाख 86 हजार 405 रुपये की बोनस राशि प्राप्त हुई। रमेश सिंह ने बताया कि बोनस की राशि से उन्होंने उन्नत किस्म के बीज, उर्वरक और कीटनाशकों की खरीद की। इससे खेती की गुणवत्ता और उत्पादन क्षमता में सुधार हुआ है। इसके अलावा उन्होंने अपने बच्चों की शिक्षा और परिवार के स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करने में भी इस राशि का उपयोग किया। उनका कहना है कि कृषक उन्नति योजना से मिली आर्थिक सहायता ने खेती को नई दिशा दी है। अब वे आधुनिक कृषि तकनीकों का उपयोग कर बेहतर उत्पादन ले रहे हैं और परिवार का जीवन स्तर भी पहले की तुलना में बेहतर हुआ है। उन्होंने किसानों के लिए इस योजना को उपयोगी बताते हुए राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.– 8)
मोहबा बाजार, रायपुर
Email ID-rmczone8@gmail.com

पत्र क्र./28212/न.पा.नि./
जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 04/07/2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 28212
वार्ड का नाम -20- रामकृष्ण परमहंस वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 20 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR802E00652 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती SANDEEP AGRAWAL, SARASWATI पिता/पति श्री/श्रीमती SHIV BHAGWAN AGRAWAL, W/O SANDEEP AGRAWAL के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती AAKASH AGRAWAL पिता/पति श्री/श्रीमती JAI BHAGWAN AGRAWAL ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ BANK SALE CERTIFICATE/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. 8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

CGHIDB कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र –03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)
फोन नं. – 0771–2991574
Email ID: eocghbzone03@gmail.com

आम–सूचना

सर्व–साधारण को सूचित किया जाता है कि सामान्य आवास योजनांतर्गत बोरियाकला, कॉलोनी, रायपुर में निर्मित भवन क्रमांक बनयान–1/180 त्रुरंत गुड्स प्राईवेट लिमिटेड, के नाम से स्ववित्तिय आधार पर आबंटित है। त्रुरंत गुड्स प्राईवेट लिमिटेड के डायरेक्टर द्वारा उक्त भवन की लीजडीड दिनांक 06.05.2017 को पंजीकृत कराने उपरान्त भवन की पूर्ण राशि जमाकर इस कार्यालय का पत्र क्रमांक 1406 दिनांक 03.04.2025 के माध्यम से आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया है, वर्तमान में त्रुरंत गुड्स प्राईवेट लिमिटेड के डायरेक्टर श्री संजय कुमार चौहान पिता स्व. श्री करण सिंह चौहान, निवासी–फ्लैट नम्बर बी–405, शांति सरोवर के पास, अवंति टावर विधानसभा रोड सड्डू रायपुर तहसील व जिला–रायपुर (छ.ग.) द्वारा उक्त भवन को क्रेता श्री सुशील कुमार चन्द्रौल पिता श्री सुगम लाल चन्द्रौल, निवासी– मकान नम्बर बनयान–178, हाऊसिंग बोर्ड कालोनी बोरियाकला रायपुर (छ.ग.) के नाम से विक्रय करने के लिये इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत कर विक्रय अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) की मांग की गई है।

अत: उक्त भवन के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं
अधोसंरचना विकास मण्डल,
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र–03, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र –03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)
फोन नं. – 0771–2991574
Email ID:eocghbzone03@gmail.com

आम–सूचना

सर्व–साधारण को सूचित किया जाता है कि दीनदयाल आवास योजना, सेजबहार/दतरेंगा, रायपुर में स्थित भवन क्र. एल.आई.जी.–486, श्री शिवम रॉय पिता श्री कुमुद रॉय के नाम पर इस कार्यालय का नामांतरण आदेश क्रमांक 45 दिनांक 19.03.2026 द्वारा नामांतरित है। नामांतरि श्री शिवम रॉय पिता श्री कुमुद रॉय, निवासी:– 153, आर.डी.ए. कॉलोनी, वार्ड नं.–55, टिकरापारा, रायपुर (छ.ग.) द्वारा उक्त भवन को क्रेता श्री कमलेश देवांगन पिता श्री वेदनाथ देवांगन, निवासी:– एलआईजी–1027, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.) के पक्ष में विक्रय करने हेतु आवेदन पत्र, विक्रय इकरारनामा एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है।

अत: उक्त भवन के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तीय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं
अधोसंरचना विकास मण्डल,
प्रक्षेत्र–03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)

शपथ पत्र

श्रीमति आरती आर. शर्मा उम्र लगभग 41 वर्ष
पति स्व. श्री राजेश शर्मा
हाल मुकाम 151–152 हमिंग कोठरी
कचना रायपुर छ.ग.
आधार नं. – 637154020086
मो. 90039611616 ....शपथकर्ती

मै श्रीमति आरती आर. शर्मा उपरोक्त शपथकर्ती निम्नलिखित कथन शपथ पूर्वक करती हूं :–

1. यह कि मेरी सास मनहर वाई पाठक (शर्मा) पति स्व. हरिलाल पाठक (शर्मा) थी ।

2. यह कि मेरी उपरोक्त वर्णित सास का स्वर्गवास 24.05.2016 को हुआ।

3. यह कि मेरी उपरोक्त वर्णित सास का नाम मृत्यु प्रमाण पत्र में मनभर पाठक (शर्मा) गलती से दर्ज हो गया है। उसी तरह उनका लिंग स्त्री के बजाय पुरुष दर्ज हो गया है जिसके संदर्भ में मृत्यु प्रमाण पत्र 02.06.2016 को जारी हुआ एवं पिता के नाम के स्थान पर पति का नाम दर्ज हो गया है जिसे पति के नाम के स्थान पर लिखा जाये।

4. यह कि मुझे उपरोक्त तीनो त्रुटियों की जानकारी एक सप्ताह पूर्व ही हुई है।

5. यह कि. उपरोक्त तीनो ही त्रुटियों को दूर करते हुए मेरे सास श्रीमति मनहर वाई पाठक (शर्मा) पत्नि स्व. श्री हरिलाल पाठक (शर्मा) लिंग स्त्री का संशोधन करते हुए जारी किया जाना आवश्यक है ताकि मै अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर सकूं ।

6. यह कि उपरोक्त संशोधन को समाविष्ट करने के लिए यह शपथपत्र प्रस्तुत है। साथ ही मनहर वाई पाठक (शर्मा) का आधार, पेन कार्ड एवं वोटर आईडी भी प्रस्तुत है ।

सत्यापन :–

मै उपरोक्त शपथकर्ती आज दिनांक 18.03.2026 को मुकाम रायपुर में अपने हस्ताक्षर कर सत्यापित करती हूं कि उक्त शपथपत्र की कंडिका 1 से 6 तक के तथ्य मेरी निजी जानकारी से सत्य व सही है।

शपथकर्ती
आरती आर. शर्मा

न्यायालय - एकादश अपर मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, रायपुर छ.ग.

प्रकरण क्र.–486/2024 प्रोसेस क्रमांक–770
पेशी दिनांक–24.07.2026

श्रीमती रामप्यारी वर्मा .... आवेदिका
विरूद्ध
अब्दुल रहीम व अन्य ..... अनावेदकगण

बनाम,
1. अब्दुल रहीम उर्फ चम्पू, पिता– अब्दुल करीम, निवासी– चांदनी चौक के पास, शहीद हमीद नगर, रायपुर थाना – सिटी कोतवाली, पो.आ. तह. व जिला– रायपुर छ.ग.
2. मोह. अब्दुल करीम पिता– खुशवस अहमद, निवासी– पटवारी ऑफिस के पास, पटेल चौक, खानबाड़ा, लालपुर जिला– रायपुर छ.ग.
वर्तमान पता– चांदनी चौक के पास, शहीद हमीद नगर, रायपुर थाना– सिटी कोतवाली, पो.आ. तह. व जिला– रायपुर छ.ग.

आवेदिका श्रीमती रामप्यारी वर्मा ने आपके विरुद्ध दावा आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 166 मोटरयान अधिनियम के तहत कुल रूपये 41,00,000/– (अक्षरी– इक्तालीस लाख रूपये) की क्षतिपूर्ति हेतु संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय मे पेशी तारीख 24.07.2026 को 11:00 बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात या उपस्थित होने के लिये समंस जारी किया जाता है।

अत: आपको इस समंस प्रकाशन के माध्यम से सूचित किया जाता है कि जिस किसी पक्षकार को कोई आपत्ति है, तो इस न्यायालय में स्वयं या ऐसे वकील द्वारा नियत पेशी दिनांक 24.07.2026 को उपस्थित हो और इस वाद से संबंधित सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सकें या जिसके साथ ऐसा व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। अधिकरण में आपकी उपसंजाति के लिये जो दिन नियत किया जाता है वह इस वाद के अंतिम निपटारे के लिये नियत दिन है इसलिये आपको इस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिए जिनके लिये आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर वर्णित की गयी तारीख को इस न्यायालय में उपस्थित नही होगें तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा।

नोट– यदि किसी कारणवश पेशी तिथि को अवकाश हो जाता है अथवा कार्य स्थगित हो जाता है या पीठासीन अधिकारी अवकाश पर हो तो, प्रकरण की सुनवाई ठीक अगले कार्य दिवस पर किया जावेगा।

आज दिनांक 01 माह 07 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर जारी किया गया।

(अजय कुमार खाखा)
एकादश अपर मो. दु.दा. अधिकरण,
मुहर रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय - एकादश अपर मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, रायपुर छ.ग.

प्रकरण क्र.–486/2024 प्रोसेस क्रमांक–771
पेशी दिनांक–24.07.2026

रत्ना बाई वर्मा व अन्य...... आवेदिकागण
विरूद्ध
अब्दुल रहीम व अन्य ..... अनावेदकगण

बनाम,
1. अब्दुल रहीम उर्फ चम्पू, पिता– अब्दुल करीम, निवासी– चांदनी चौक के पास, शहीद हमीद नगर, रायपुर थाना – सिटी कोतवाली, पो.आ. तह. व जिला– रायपुर छ.ग.
2. मोह. अब्दुल करीम पिता– खुशवस अहमद, निवासी– पटवारी ऑफिस के पास, पटेल चौक, खानबाड़ा, लालपुर जिला– रायपुर छ.ग.
वर्तमान पता– चांदनी चौक के पास, शहीद हमीद नगर, रायपुर थाना– सिटी कोतवाली, पो.आ. तह. व जिला– रायपुर छ.ग.

आवेदिका रत्ना बाई वर्मा ने आपके विरुद्ध दावा आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 166 मोटरयान अधिनियम के तहत कुल रूपये 51,00,000/– (अक्षरी– इक्यावन लाख रूपये) की क्षतिपूर्ति हेतु संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय मे पेशी तारीख 24.07.2026 को 11:00 बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात या उपस्थित होने के लिये समंस जारी किया जाता है।

अत: आपको इस समंस प्रकाशन के माध्यम से सूचित किया जाता है कि जिस किसी पक्षकार को कोई आपत्ति है, तो इस न्यायालय में स्वयं या ऐसे वकील द्वारा नियत पेशी दिनांक 24.07.2026 को उपस्थित हो और इस वाद से संबंधित सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सकें या जिसके साथ ऐसा व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। अधिकरण में आपकी उपसंजाति के लिये जो दिन नियत किया जाता है वह इस वाद के अंतिम निपटारे के लिये नियत दिन है इसलिये आपको इस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिए जिनके लिये आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर वर्णित की गयी तारीख को इस न्यायालय में उपस्थित नही होगें तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा।

नोट– यदि किसी कारणवश पेशी तिथि को अवकाश हो जाता है अथवा कार्य स्थगित हो जाता है या पीठासीन अधिकारी अवकाश पर हो तो, प्रकरण की सुनवाई ठीक अगले कार्य दिवस पर किया जावेगा।

आज दिनांक 01 माह 07 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर जारी किया गया।

(अजय कुमार खाखा)
एकादश अपर मो. दु.दा. अधिकरण,
मुहर रायपुर (छ.ग.)

जनदर्शन में कलेक्टर ने सुनी लोगों की समस्याएं

बलरामपुर, प्रतिदिन राजधानी

संयुक्त जिला कार्यालय भवन के सभाकक्ष में आज सोमवार को समय–सीमा की बैठक के बाद जनदर्शन का आयोजन किया गया। जनदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने अपनी मांगों और समस्याओं से जुड़े आवेदन प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत किए। जनदर्शन के दौरान कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने एक–एक आवेदन का गंभीरता से अवलोकन किया और संबंधित विभागों के

अधिकारियों को नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करते हुए सभी मामलों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनदर्शन में भूमि संबंधी विवाद, राजस्व प्रकरण, पेयजल, सड़क, बिजली, पेंशन, आवास, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं तथा अन्य जनहित से जुड़े विषयों पर आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि आमजन की समस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और निर्धारित समय–सीमा के भीतर आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण किया जाए। जनदर्शन के माध्यम से नागरिकों को अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन के समक्ष रखने का अवसर मिला। इस दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे।

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक 10 जुलाई को

सूरजपुर। सोमवार को जिला प्रशासन ने जानकारी दी कि जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक 10 जुलाई 2026 को आयोजित की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज करेंगे। बैठक जिला पंचायत सूरजपुर के सभाकक्ष में 10 जुलाई को सुबह 11 बजे से शुरू होगी। इसमें केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। बैठक में समिति के सदस्य, जनप्रतिनिधि तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

महासमुंद जिले में अब तक 275.1 मिलीमीटर औसत वर्षा

महासमुंद। महासमुंद जिले में चालू मानसून के दौरान 01 जून 2026 से अब तक 275.1 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। भू–अभिलेख से मिली जानकारी के अनुसार जिले में अब तक सर्वाधिक औसत वर्षा सरायपाली तहसील में 386.3 मिलीमीटर, पिथौरा में 301.3 मिलीमीटर, महासमुंद में 281.1 मिलीमीटर, बसना में 234.6 मिलीमीटर, कोमाखान में 225.1 मिलीमीटर और सबसे कम वर्षा 222.9 मिलीमीटर बागबाहरा तहसील में दर्ज की गई। आज 06 जुलाई को 85.6 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। जिले के तहसीलवार वर्षा में पिथौरा तहसील में 128.5 मिलीमीटर, सरायपाली में 97.7 मिलीमीटर, बसना में 90.4 मिलीमीटर, महासमुंद में 68.5 मिलीमीटर, कोमाखान में 66.5 मिलीमीटर एवं बागबाहरा तहसील में 62.5 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई।

4 दिनों से सड़क पर गिरे बिजली के चालू खंभे

अम्बिकापुर, प्रतिदिन राजधानी

सरगुजा जिले के लखनपुर ब्लॉक के केंवरी ग्राम पंचायत में बिजली विभाग की कथित लापरवाही से ग्रामीणों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों के अनुसार, पिछले चार दिनों से दो बिजली के खंभे सड़क पर गिरे हुए हैं और उनमें अब भी बिजली का प्रवाह जारी है। ऐसे में लोग जान जोखिम में डालकर उसी रास्ते से आवागमन करने को मजबूर हैं। बताया गया कि कुछ दिन पहले गांव में बनी नई सीसी सड़क के किनारे बारिश के कारण मिट्टी खिसक गई, जिससे दोनों बिजली के खंभे सड़क पर गिर गए। खंभे गिरने के बावजूद बिजली आपूर्ति बंद नहीं की गई और इन्हीं के माध्यम से गांव में विद्युत आपूर्ति जारी है। ग्रामीणों का कहना है कि इससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है, क्योंकि गिरे हुए खंभे आबादी के बीच और घरों के सामने पड़े हैं, जहां बच्चे भी खेलते हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि घटना के तुरंत बाद उन्होंने बिजली विभाग के अधिकारियों को इसकी सूचना दी थी, लेकिन चार दिन बीत जाने के बाद भी न तो खंभों को हटाया गया और न ही बिजली आपूर्ति बंद की गई।

केंवरी के सरपंच मनेजर राम के अनुसार, विभागीय अधिकारियों ने बताया कि लाइनमैन और अन्य मैदानी कर्मचारी हड़ताल पर हैं, जिसके कारण मरम्मत कार्य नहीं हो पा रहा है। हालांकि ग्रामीण इस तर्क से संतुष्ट नहीं हैं। उनका कहना है कि कर्मचारियों की हड़ताल के बावजूद लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना विभाग और प्रशासन की जिम्मेदारी है। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल गिरे हुए खंभों को हटाने, बिजली व्यवस्था को सुरक्षित बनाने और संभावित दुर्घटना को रोकने की मांग की है। फिलहाल गांव में भय का माहौल बना हुआ है और लोग किसी अनहोनी की आशंका के बीच जीवनयापन कर रहे हैं।

लगातार बारिश से धमतरी में जनजीवन अस्त–व्यस्त

धमतरी, प्रतिदिन राजधानी

जिले में पिछले 24 घंटे से हुई मूसलाधार बारिश के बाद सोमवार को भी सुबह से दोपहर तक रिमझिम बारिश का सिलसिला जारी रहा। लगातार हो रही बारिश के कारण शहर का जनजीवन प्रभावित रहा। कई क्षेत्रों में जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से सड़कों, गलियों और कालोनियों में पानी भर गया, जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। बारिश के बीच कई स्थानों पर लोग स्वयं जल निकासी की व्यवस्था सुधारने में जुटे रहे ताकि आवागमन सुचारु हो सके।

कई कालोनियों में जलभराव से बढ़ी परेशानी

शहर के अनेक वार्डों में जलभराव की समस्या ने नगर निगम की तैयारियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। धमतरी शहर के लगभग 40 वार्डों में कई ऐसे इलाके हैं जहां वर्षों से जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं हो पाई है। तेज और लगातार बारिश होने पर गलियों में पानी भर जाना आम समस्या बन गई है। इस वर्ष मानसून की पहली तेज बारिश ने ही शहर की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी। कई इलाकों में रविवार को भरा पानी सोमवार तक नहीं उतर पाया, जिससे लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया। सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में रामपुर वार्ड, बनियापारा वार्ड, विवेकानंद गली नंबर–तीन, सोरिद कालोनी, सोरिद वार्ड का भर्रीपारा क्षेत्र, गोकुलपुर वार्ड, महात्मा गांधी वार्ड तथा बालाजी कॉलोनी सहित अन्य मोहल्ले शामिल हैं। इन क्षेत्रों में सड़कें तालाब जैसी नजर आईं और पैदल चलने के साथ–साथ दोपहिया वाहन चालकों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। विवेकानंद गली नंबर–तीन के निवासी सुबोध कुमार साहू, प्रेम कुमार और जयंत देवांगन ने कहा कि नगर निगम को जल निकासी की स्थायी व्यवस्था करनी चाहिए ताकि हर बारिश में लोगों को इस तरह की परेशानियों का सामना न करना पड़े। उनका कहना है कि थोड़ी सी बारिश में भी गलियों में पानी भर जाने से आवागमन पूरी तरह बाधित हो जाता है। वहीं सोरिद कालोनी के सोहन देवांगन और ईश्वर देवांगन ने बताया कि नालियों की नियमित और प्रभावी सफाई नहीं होने के कारण पानी की निकासी रुक जाती है। नागरिकों ने नगर निगम से मानसून के दौरान जल निकासी व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए स्थायी समाधान करने की मांग की है, ताकि भविष्य में लोगों को इस समस्या से राहत मिल सके। पर्यावरणविद डा प्रदीप शर्मा ने कहा कि सफाई व्यवस्था मजबूत करने के साथ–साथ लोगों में भी जागरूकता लाने की आवश्यकता है। कई लोग नालियों में सीधे कचरा डाल देते हैं, जिससे नालियां जाम हो जाती हैं और बारिश का पानी सड़कों पर भर जाता है। नागरिक धर्म निभाते हुए नालियों में कचरा नहीं डालना चाहिए।

जनदर्शन में दिव्यांग परशुराम तिवारी को मिली नि:शुल्क मोटराइज्ड ट्राई साइकिल

सूरजपुर, प्रतिदिन राजधानी

सोमवार को आयोजित जनदर्शन में जिला प्रशासन ने एक बार फिर त्वरित कार्रवाई का उदाहरण प्रस्तुत किया। जनदर्शन में कुल 85 आवेदन प्राप्त हुए, जिनके शीघ्र निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए। इसी दौरान विकासखंड प्रतापपुर के ग्राम बगड़ा कोटेया निवासी दिव्यांग परशुराम तिवारी को कलेक्टर के निर्देश पर तत्काल नि:शुल्क मोटराइज्ड ट्राई साइकिल उपलब्ध कराई गई, जिससे उनके चेहरे पर मुस्कान लौट आई। समाज कल्याण विभाग के अनुसार परशुराम तिवारी 80 प्रतिशत दिव्यांग हैं और चलने–फिरने में उन्हें काफी कठिनाई होती थी। वे अपनी समस्या लेकर जनदर्शन पहुंचे और मोटराइज्ड ट्राई साइकिल उपलब्ध कराने का आवेदन प्रस्तुत किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर ने समाज कल्याण विभाग को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

कलेक्टर के निर्देश के बाद समाज कल्याण विभाग ने बिना विलंब किए परशुराम तिवारी को नि:शुल्क मोटराइज्ड ट्राई साइकिल उपलब्ध करा

दी। सहायता मिलने के बाद उन्होंने जिला प्रशासन और समाज कल्याण विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अब उन्हें आवागमन और दैनिक कार्यों में काफी सुविधा मिलेगी तथा वे पहले की अपेक्षा अधिक आत्मनिर्भर जीवन जी सकेंगे। समाज कल्याण विभाग के उप संचालक आलोक भवाल ने बताया कि शासन का उद्देश्य प्रत्येक पात्र हितग्राही तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि पात्र दिव्यांगजन विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं और सहायक उपकरणों का लाभ लेकर अपने जीवन को अधिक आत्मनिर्भर और सम्मानजनक बना सकते हैं।

अतिक्रमण व यातायात नियम तोड़ने वालों पर होगी कार्रवाई

बलरामपुर, प्रतिदिन राजधानी

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आज सोमवार को आयोजित जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी और पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर ने सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात व्यवस्था और सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों की समीक्षा की। बैठक में दुर्घटनाओं में कमी लाने और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए संबंधित विभागों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच–343 पर बने गड्ढों की मरम्मत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अनुविभागीय अधिकारियों से नियमित मॉनिटरिंग कर कार्य शीघ्र पूरा कराने को कहा। साथ ही मालवाहक वाहनों में यात्रियों के अवैध परिवहन के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई

करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यातायात पुलिस और परिवहन विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्रवाई करें तथा आवश्यक होने पर वाहन चालकों के लाइसेंस निरस्त करने की प्रक्रिया भी अपनाई जाए।

बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित स्कूल वाहनों की फिटनेस, सुरक्षा मानकों और आवश्यक दस्तावेजों की नियमित जांच कराने के निर्देश भी दिए गए। इसके अलावा स्कूलों और महाविद्यालयों में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाकर विद्यार्थियों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने तथा मोटरयान अधिनियम का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा गया। कलेक्टर ने जिले के चिन्हित ब्लैक स्पॉट और दुर्घटना संभावित स्थलों पर सुधार कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा कराने के निर्देश भी दिए। पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर ने सड़क किनारे अतिक्रमण के खिलाफ विशेष अभियान चलाने पर जोर देते हुए कहा कि अवैध कब्जों के कारण यातायात प्रभावित होता है और दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। उन्होंने संबंधित विभागों को समन्वय बनाकर अतिक्रमण हटाने की प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों पर सड़क किनारे अनियंत्रित रूप से वाहन खड़े करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने, दुर्घटना संभावित स्थलों पर स्पीड ब्रेकर, चेतावनी संकेतक, रिफ्लेक्टर और अन्य सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने के साथ–साथ सड़कों के किनारे पेड़ों की नियमित छंटाई कराने के निर्देश भी दिए, ताकि सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

बैठक में वनमंडलाधिकारी आलोक बाजपेई, जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी नयनतारा सिंह तोमर, अपर कलेक्टर आर.एस. लाल, आर.एन. पांडेय, प्रमोद गुप्ता, अभिषेक गुप्ता सहित सभी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) और संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

न्यायालय तहसीलदार रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)
// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र. / /अ–6 / वर्ष 2025–26
रायपुर, दिनांक 03/07/2026
ग्राम– पंडरीतराई, प.ह.नं.– 109/47,

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदकगण 01. मोहम्मद कंजाम वल्द शेख मनीर, 02. शाह मोहम्मद वल्द शेख मुस्तकीम मुसलमान निवासी पंडरीतराई रायपुर (छ.ग.) द्वारा इस न्यायालय में धारा–110 छ.ग. भू–राजस्व संहिता 1950 के अंतर्गत् नामांतरण बाबत् आवेदन पत्र पेश कर लेख किया है कि ग्राम पंडरीतराई, प.ह.नं. 109/47, तहसील व जिला रायपुर में स्थित परिवर्तित भूमि शीट नंबर 44, भूखण्ड क्रमांक 14, रकबा 1053 वर्गफुट भूमि को विक्रेता हसीना बेगम पति मो. साबिर निवासी गोलबाजार रायपुर (छ.ग.) से पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 29.05.1981 के माध्यम से क्रय किया है। आवेदकगण द्वारा पंजीकृत विक्रय विलेख के आधार पर अपना नाम दर्ज किये जाने हेतु निवेदन किया है।

अतएव जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से अपनी लिखित आपत्ति दिनांक 20/07/2026 को इस न्यायालय में पेश करे। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 03/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

तहसीलदार,
मुहर रायपुर (छ.ग.)

रोबोटिक्स और कृत्रिम बुद्धिमता का उपयोग मानव कल्याण के लिए हो-राज्यपाल डेका

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

राज्यपाल रमेन डेका ने आज भारत सेवाश्रम संघ द्वारा संचालित प्रणवानंद अकादमी में रोबोटिक्स लैबोरेट्री का लोकार्पण किया। इस लैबोरेट्री की स्थापना के लिए राज्यपाल द्वारा अपने स्वेछानुदान मद से राशि प्रदान की गई है ।

इस अवसर पर राज्यपाल ने अपने संबोधन ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमता, रोबोटिक्स जैसे तकनीक हमारे जीवन को आसान बनाते है। लेकिन आधुनिक तकनीक तभी सार्थक है, जब उसका उपयोग मानव जीवन के कल्याण और समाज के विकास के लिए किया जाए।

उन्होंने कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान की वास्तविक पहचान केवल उत्कृष्ट परीक्षा परिणामों से नहीं होती, बल्कि ऐसे विद्यार्थियों से होती है जो ज्ञान के साथ मानवीय मूल्यों, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व का परिचय दें। प्रणवानंद अकादमी शिक्षा के साथ–साथ संस्कार, अनुशासन और चरित्र निर्माण को भी समान महत्व देती है यह प्रसन्नता का विषय है।

राज्यपाल ने कहा कि आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता रोबोटिक्स और अन्य आधुनिक तकनीकें विश्व को नई दिशा दे रही हैं। ऐसे समय में विद्यार्थियों को तकनीकी ज्ञान के साथ नैतिक मूल्यों को भी आत्मसात करना चाहिए। कोई भी नया आविष्कार या नवाचार मानवता के हित में होना चाहिए। मानव पर खुद का नियंत्रण होना चाहिए न कि कोई तकनीक उसे नियंत्रित करे।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों को जीवन मूल्यों का संदेश देते हुए कहा कि जीवन में संतोष का विशेष महत्व है। हमें जो प्राप्त है, उसमें प्रसन्न रहना सीखना चाहिए तथा कठिन परिश्रम, सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ना चाहिए। जीवन में उतार–चढ़ाव एवं चुनौतियाँ आती हैं, लेकिन गिरने के बाद फिर से उठना और आगे बढ़ना ही सफलता का मार्ग है।

उन्होंने कहा कि समाज ने हमें क्या दिया, यह सोचने के बजाय हमें यह विचार करना चाहिए कि हम समाज को क्या दे सकते हैं। समाज के प्रति सेवा, सहयोग, संवेदनशीलता और पड़ोसियों के प्रति आत्मीयता की भावना हमारे जीवन में आनंद लाता है।

कार्यक्रम में अकादमी के अध्यक्ष स्वामी शिवरूपानंद ने स्वागत उद्बोधन दिया तथा प्राचार्य मती नीति यदुवंशी ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संस्थान के पदाधिकारी, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी में हज-2027 के ऑनलाइन आवेदन हेतु नि:शुल्क ई-सुविधा केंद्र शुरू

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

हज 2027 के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। हज यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी ने मुखर्जी बड़ा, बैरन बाजार स्थित अपने कार्यालय में नि:शुल्क ई–हज सुविधा केंद्र प्रारंभ किया है। छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के चेयरमैन मिर्ज़ा एजाज़ बेग ने आज बताया कि इस केंद्र के माध्यम से हज 2027 के इच्छुक आवेदकों के ऑनलाइन आवेदन नि:शुल्क भरे जा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के चेयरमैन बेग ने बताया कि अनेक आवेदकों को ऑनलाइन आवेदन भरने में कठिनाई होती है। ऐसे में समय सीमा के भीतर आवेदन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से यह विशेष सुविधा उपलब्ध कराई गई है। हज कमेटी ऑफ इंडिया द्वारा हज 2027 के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 20 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के पास 31 दिसंबर 2027 तक वैध पासपोर्ट होना अनिवार्य है।

बेग ने हज यात्रा के इच्छुक सभी आवेदकों से निर्धारित अंतिम तिथि से पूर्व अपना ऑनलाइन आवेदन पूर्ण करने की अपील की है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी कार्यालय में इसके लिए एक विशेष काउंटर स्थापित किया गया है, जहां आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर आवेदक अपना ऑनलाइन आवेदन भरवा सकते हैं। अधिक जानकारी अथवा ऑनलाइन आवेदन संबंधी सहायता के लिए कार्यालय, छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी, मुखर्जी बड़ा, बैरन बाजार, रायपुर अथवा दूरभाष क्रमांक 0771–4266646 पर संपर्क किया जा सकता है।

जिले की विशिष्ट पहचान विष्णुभोग चावल से मंत्री गुरु खुशवंत साहेब का सम्मान

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब के गौरेला–पेंड्रा–मरवाही जिला आगमन पर कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन ने गौरेला–पेंड्रा–मरवाही जिले की विशिष्ट पहचान एवं स्थानीय आजीविका के प्रतीक विष्णुभोग चावल का पैकेट भेंट कर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर कलेक्टर ने बताया कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के अंतर्गत जिले के स्व–सहायता समूहों की महिलाएं विष्णुभोग चावल का उत्पादन, प्रसंस्करण एवं विपणन कर रही हैं। अपनी विशिष्ट सुगंध, उत्कृष्ट गुणवत्ता एवं पारंपरिक पहचान के कारण विष्णुभोग चावल जिले की विशेष पहचान बन चुका है तथा इससे ग्रामीण महिलाओं की आजीविका को भी सशक्त आधार मिला है।

विष्णुभोग चावल की विशेषताओं की जानकारी प्राप्त कर मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने इसकी सराहना करते हुए कहा कि गौरेला–पेंड्रा–मरवाही जिले का विष्णुभोग चावल जिले की समृद्ध कृषि परंपरा और महिला स्व–सहायता समूहों की मेहनत का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि ऐसे स्थानीय उत्पादों को व्यापक पहचान दिलाने एवं बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के प्रयासों को निरंतर प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, जिससे किसानों और महिला स्व–सहायता समूहों की आय में वृद्धि हो तथा जिले की विशिष्ट पहचान प्रदेश ही नहीं, देशभर में स्थापित हो सके। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन ने एक समाचार पत्र के प्रधान संपादक को भी विष्णुभोग चावल का पैकेट भेंट कर सम्मानित किया तथा जिले की इस विशिष्ट कृषि उपज एवं आजीविका गतिविधियों की जानकारी साझा की।

ट्रेड लाइसेंस शुल्क पर कैट की पहल को मिली गति, समाधान की दिशा में बढ़े ठोस कदम

उपमुख्यमंत्री साव के सहयोग से विभागीय सचिव के साथ हुई विस्तृत चर्चा - अमर पारवानी

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन जितेन्द्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन, वाइस चेयरमेन सुरिन्दर सिंह, जीवत बजाज, महामंत्री अवनीत सिंह, कोषाध्यक्ष विजय पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, वासु माखीजा, राम मंधान, भरत जैन, राकेश ओचवानी एवं शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि प्रदेश के लाखों व्यापारियों के हितों की रक्षा एवं व्यापार करने की सुगमता (Ease of Doing Business) सुनिश्चित करने की दिशा में कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) छत्तीसगढ़ की पहल लगातार सकारात्मक परिणाम की ओर बढ़ रही है।

कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन अमर पारवानी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने आज मंत्रालय में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की सचिव मती आर. संगीता (आईएएस) से विस्तृत बैठक कर छत्तीसगढ़ नगरपालिका व्यापार अनुज्ञापन (ट्रेड लाइसेंस) नियम, 2025 के अंतर्गत प्रस्तावित व्यापार अनुज्ञापन शुल्क वृद्धि से संबंधित विभिन्न व्यावहारिक एवं व्यापारी हितों के मुद्दों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की।

कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन अमर पारवानी ने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की सचिव को बताया कि प्रदेश के 12 लाख से अधिक व्यापारी राज्य की अर्थव्यवस्था, रोजगार सृजन एवं राजस्व वृद्धि का महत्वपूर्ण आधार है। ऐसे में ट्रेड लाइसेंस शुल्क में अत्यधिक वृद्धि का सबसे अधिक प्रभाव छोटे एवं मध्यम व्यापारियों, पारंपारिक व्यवसायों तथा स्थानीय बाजारों पर पड़ेगा। इसलिए शुल्क निर्धारण व्यावहारिक, न्यायसंगत एवं व्यापार अनुकूल होना आवश्यक है। प्रतिनिधिमंडल ने विभिन्न व्यापारिक वर्गों से प्राप्त सुझावों एवं व्यावहारिक कठिनाइयों को विस्तार से रखते हुए शुल्क संरचना की पुनर्समीक्षा का आग्रह किया। सचिव मती आर. संगीता ने प्रतिनिधिमंडल की सभी बातों को गंभीरता एवं सकारात्मक दृष्टिकोण से सुना तथा विषय के प्रत्येक पहलू का विस्तृत अध्ययन कर व्यापारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक कार्रवाई एवं युक्तिसंगत समाधान की दिशा में सकारात्मक विचार करने का आश्वासन दिया।

कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन अमर पारवानी ने कहा कि यह बैठक माननीय उपमुख्यमंत्री अरुण साव द्वारा दिए गए संवेदनशील एवं सकारात्मक सहयोग के परिणामस्वरूप विषय विभागीय स्तर तक पहुंचा है, जहां व्यापारियों की बातों को गंभीरता से सुना गया है। उन्हें विश्वास है कि शासन व्यापारी हितों एवं प्रदेश के आर्थिक विकास के मध्य संतुलन बनाते हुए एक व्यावहारिक एवं सर्वहितकारी निर्णय लेगा। कैट के प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन ने कहा कि (कैट सदैव संवाद के माध्यम से व्यापारियों की समस्याओं के शासन के साथ सकारात्मक एवं रचनात्मक चर्चा से प्रदेश के लाखों व्यापारियों को निश्चित रूप से राहत मिलने की उम्मीद मजबूत हुई है।

हरी खाद से संवर रही खेतों की सेहत, प्राकृतिक खेती की मिसाल बने किसान नरेंद्र सिंह

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार कृषि विभाग द्वारा मृदा स्वास्थ्य संरक्षण एवं टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने के लिए किसानों को हरी खाद के उपयोग हेतु लगातार प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी पहल का सकारात्मक परिणाम सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम केशगंवा में देखने को मिला है, जहां प्रगतिशील किसान नरेंद्र सिंह ने लगभग चार एकड़ भूमि में ढैंचा की फसल उगाकर उसे खेत में पलट दिया है। अब वे इसी खेत में धान की खेती करेंगे। किसान नरेंद्र सिंह ने बताया कि कृषि विभाग के मार्गदर्शन में उन्होंने रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने और मिट्टी की उर्वराशक्ति बढ़ाने के उद्देश्य से ढैंचा की खेती अपनाई। उन्होंने बताया कि फूल आने से पहले ढैंचा को खेत में पलट देने पर यह कुछ ही दिनों में सड़कर प्राकृतिक जैविक खाद में परिवर्तित हो जाती है। इससे मिट्टी में कार्बनिक पदार्थों की मात्रा बढ़ती है और फसलों के लिए आवश्यक पोषक तत्व स्वाभाविक रूप से उपलब्ध हो जाते हैं।

कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार ढैंचा जैसी दलहनी हरी खाद वाली फसलें वायुमंडलीय नाइट्रोजन का स्थिरीकरण कर मिट्टी को प्राकृतिक रूप से समृद्ध बनाती हैं। इसके साथ ही फास्फोरस, जिंक एवं आयरन जैसे सूक्ष्म पोषक तत्वों की उपलब्धता भी बढ़ती है, जिससे आगामी फसल का विकास बेहतर होता है।

हरी खाद के उपयोग से मिट्टी की संरचना में उल्लेखनीय सुधार होता है। ढैंचा के अपघटन से बनने वाला ह्यूमस मिट्टी को भुरभुरा बनाता है, जिससे उसमें हवा और पानी का बेहतर संचार होता है। इससे जड़ों का विकास मजबूत होता है और फसल अधिक स्वस्थ एवं उत्पादक बनती है। साथ ही मिट्टी की जल धारण क्षमता भी बढ़ती है, जिससे नमी लंबे समय तक बनी रहती है ।

रायपुर नगर पालिक निगम

महापौर मीनल ने की अपील, लापरवाह अधिकारियों को दी सख्त कार्रवाई की चेतावनी

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

राजधानी रायपुर में पिछले कुछ घंटों से हो रही अभूतपूर्व और मूसलाधार बारिश के कारण कई इलाकों में जलभराव की स्थिति निर्मित हो गई है। आपदा की इस घड़ी में जनता को राहत पहुंचाने के लिए महापौर श्रीमती मीनल चौबे आज सुबह से ही खुद मैदान में उतरीं और शहर के विभिन्न प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया।

दौरे के दौरान जहाँ उन्होंने जनता से संयम बनाए रखने की भावुक अपील की, वहीं दूसरी ओर लापरवाही बरतने वाले निगम अधिकारियों और जोन कमिश्नरों को दफ्तर छोड़कर फील्ड पर रहने की सख्त हिदायत दी।

महापौर की रायपुर वासियों से विनम्र व भावुक अपील प्रभावित क्षेत्रों में नागरिकों से संवाद करते हुए महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने कहा: 'शहर के कुछ हिस्सों में बेतरतीब निर्माण और नालियों के अभाव के कारण जलभराव की यह स्थिति निर्मित हुई है। जनता को हो रही इस तकलीफ से मेरा मन अत्यंत व्यथित है। महापौर होने के नाते, आपके परिवार की इस पीड़ा में मैं पूरी तरह आपके साथ खड़ी हूँ। आपका संकट मेरा संकट है। यह समय राजनीति का नहीं, बल्कि एक–दूसरे का हाथ थामने का है।' महापौर ने नागरिकों से निम्नलिखित सहयोग की अपील की है:

धैर्य और सुरक्षा: प्रकृति के इस प्रकोप के बीच व्यवस्था की कमियों को दूर किया जा रहा है। पंपों के जरिए पानी निकाला जा रहा है, कृपया संयम बनाए रखें।

करंट से बचाव: जिन गलियों या घरों में पानी भरा है, वहां बिजली के खंभों, ट्रांसफार्मर और खुले तारों से दूरी बनाकर रखें। अस्थाई बिजली कटौती में प्रशासन का सहयोग करें।

सफाई मित्रों का हौसला बढ़ाएं: हमारे सफाई कर्मचारी भाई अपनी जान जोखिम में डालकर उफनती नालियों और कचरे को साफ कर रहे हैं, फील्ड पर उनका हौसला बढ़ाएं। स्वास्थ्य के प्रति सतर्कता: संक्रामक बीमारियों से बचने के लिए सभी माताओं–बहनों से अपील है कि घरों में पानी को उबालकर या छानकर ही पिएं और क्लोरीन की गोलियों का उपयोग करें।

विशेष सम्मिलन बैठक में पहुंचे 10 नव-नामांकित पार्षदों (एल्डरमैन) का बुके देकर किया गया स्वागत

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

नगर पालिक निगम रायपुर के सभापति सूर्यकांत राठौड़ के आदेशानुसार नगर निगम सचिवालय द्वारा विशेष सम्मिलन की बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक नगर निगम मुख्यालय भवन 'महात्मा गांधी सदन' के चतुर्थ तल पर स्थित सामान्य सभा सभागार में आहूत की गई थी। इस विशेष बैठक में सम्मिलित होने पहुंचे छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा नगर निगम रायपुर में नव–नामांकित 10 पार्षदों (एल्डरमैन) का नगर निगम सदन में बुके भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया और उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर विधायक सुनील सोनी, सभापति सूर्यकांत राठौड़ व गणमान्यजनों ने किया नमन

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर आज राजधानी रायपुर में उन्हें सादर नमन किया गया। नगर निगम रायपुर के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में और नगर निगम जोन क्रमांक 2 के सहयोग से एक संक्षिप्त पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम जी.ई. मार्ग स्थित शारदा चौक के किनारे स्थापित उनकी प्रतिमा स्थल पर आयोजित हुआ।

प्रतिमा पर अर्पित की भावभीनी श्रद्धांजलि

पुष्पांजलि कार्यक्रम में विशेष रूप से रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी, नगर निगम सभापति सूर्यकांत राठौड़ और नगर निगम संस्कृति विभाग के अध्यक्ष अमर गिदवानी शामिल हुए। सभी जनप्रतिनिधियों ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी और देश हित में किए गए उनके कार्यों को याद किया।

कार्यक्रम में यह रहे उपस्थित

राष्ट्र निर्माण में अमूल्य योगदान देने वाले महान सपूत को नमन करने के लिए आयोजित इस गरिमामय कार्यक्रम में कई प्रमुख लोग शामिल हुए:

सुनील सोनी (विधायक, रायपुर दक्षिण) सूर्यकांत राठौड़ (सभापति, नगर निगम रायपुर) अमर गिदवानी (अध्यक्ष, संस्कृति विभाग, नगर निगम रायपुर) जयंती भाई पटेल (पूर्व पार्षद, नगर निगम रायपुर) इसके साथ ही शहर के गणमान्य नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, नवयुवकों, आमजनों तथा नगर निगम रायपुर के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर उन्हें सादर नमन किया।

मुखर्जी की जयंती पर मंत्री कश्यप, विधायक मूणत व पुरंदर मिश्रा सहित गणमान्यजनों ने दी श्रद्धांजलि

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर आज राजधानी रायपुर में उन्हें गरिमापूर्ण तरीके से याद किया गया। नगर पालिक निगम रायपुर के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में और नगर निगम जोन क्रमांक 2 के सहयोग से एक संक्षिप्त पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम जी.ई. मार्ग स्थित शारदा चौक के किनारे स्थापित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा स्थल पर आयोजित हुआ।

प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दी भावभीनी श्रद्धांजलि पुष्पांजलि कार्यक्रम में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री, विधायकों और वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों ने पहुंचकर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए और देश हित में किए गए उनके ऐतिहासिक कार्यों को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

कार्यक्रम में ये प्रमुख हस्तियां रहीं उपस्थित

महान प्रखर राष्ट्रवादी विचारक को नमन करने के लिए आयोजित इस गरिमामय कार्यक्रम में मुख्य रूप से शामिल हुए: केदार कश्यप (वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन) राजेश मूणत (विधायक, रायपुर पश्चिम) पुरंदर मिश्रा (विधायक, रायपुर उत्तर) संजय श्रीवास्तव (अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम) रमेश सिंह ठाकुर (अध्यक्ष, रायपुर शहर जिला भाजपा)।

नगरीय प्रशासन विभाग ने बल्क वेस्ट जनरेटर्स के पंजीयन के लिए निकायों को जारी किया परिपत्र

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने सभी निकायों में बल्क वेस्ट जनरेटर्स का पंजीयन केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पोर्टल पर कराने के निर्देश दिए हैं। विभाग ने संचालनालय से इस संबंध में सभी नगर निगमों के आयुक्तों तथा नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को परिपत्र जारी किया है।

नगरीय प्रशासन विभाग ने परिपत्र जारी कर निकायों को जानकारी दी है कि केन्द्रीय प्रदूषण बोर्ड द्वारा वेस्ट जनरेटर के पंजीयन के लिए केन्द्रीकृत पोर्टल तैयार किया गया है। बल्क वेस्ट जनरेटर के पंजीयन के लिए केन्द्रीकृत पोर्टल httpsÑ//swm.cpcb.gov.in v जून 2026 से प्रभावशील है। भारत सरकार द्वारा जारी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के अनुसार चिन्हांकित सभी बल्क वेस्ट जनरेटर्स का पंजीयन केन्द्रीकृत पोर्टल पर किया जाना है। विभाग ने सभी निकायों को परिपत्र जारी कर केन्द्रीकृत पोर्टल पर चिन्हांकित सभी बल्क वेस्ट जनरेटर्स का पंजीयन कराना सुनिश्चित करने को कहा है।

आरसीसी नाली के लिए 92 लाख रुपए मंजूर

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने रायपुर नगर निगम के वार्ड क्रमांक–1, वीर सावरकर नगर में यदुवंशी चौक से जरवाय पहुंच मार्ग तक आरसीसी नाली के निर्माण के लिए 92 लाख 2 हजार रुपए स्वीकृत किए हैं।

लेख समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशिकत
हेतु संपर्क करे : 9806044444

प्रतिदिन राजधानी
रायपुर, मंगलवार, 07 जुलाई 2026
https://epaper.pratidinrajdhani.in

सम्पादकीय

जीवन-रक्षक न्यायिक पहल

कैसी विडंबना है कि जिस जिम्मेदार व्यवहार को शासन-प्रशासन को अपइने विवेक का इस्तेमाल करते हुए करना चाहिए, उसकी पहल अदालत को करनी पड़ रही है। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने एक जरूरी नागरिक समस्या की ओर शासन-प्रशासन का ध्यान दिलाया है, जिसे अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है- सड़कों के किनारे छोड़े गए दुर्घटनाग्रस्त वाहन। जिनसे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। दरअसल, शिमला एयरपोर्ट तक जाने वाली सड़क और जिला अदालत के आस-पास पड़ी अनेक दुर्घटनाग्रस्त गाड़ियों को देखकर ही अदालत ने यह बात कही। कोर्ट का कहना है कि ये दुर्घटनाग्रस्त गाड़ियां सड़क सुरक्षा के लिये खतरा और पर्यावरण के लिये नुकसानदेह हैं। निस्संदेह,यह प्रशासनिक लापरवाही का जीता-जागता उदाहरण है। पहाड़ी राज्यों में, जहां सड़कें संकरी और घुमावदार होती हैं और लगातार भूस्खलन का खतरा बना रहता है, वहां सड़क की हर इंच जगह कीमती होती है। तार्किक ही है कि छोड़ी गई गाड़ियां सड़क की चौड़ाई को कम कर देती हैं। वहीं दूसरी ओर तीव्र मोड़ों पर देखने में बाधा डालती हैं। ये आपातकालीन सेवाओं की आवाजाही में भी बाधक बनती हैं। निस्संदेह, इससे दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। विशेष रूप से बरसात के मौसम में जब फिसलन भरी सड़कों और कम दृश्यता के कारण वाहन चालक पहले ही ड्राइविंग में मुश्किलों का सामना कर रहे होते हैं। ऐसे में सड़कों को कबाड़खाने में तब्दील करने की इजाजत किसी भी कीमत पर नहीं दी जा सकती।

दूसरी तरफ इन दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के पर्यावरण पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव की भी अनदेखी नहीं की जा सकती। इनका पर्यावरण पर पड़ने वाला प्रभाव भी एक गंभीर समस्या है। क्षतिग्रस्त वाहनों से अक्सर ईंधन, इंजन ऑयल,कूलेंट, ब्रेक फ्लूइड तथा बैटरी एसिड रिसता रहता है। जिससे मिट्टी तथा जल-स्त्रोत प्रदूषित हो सकते हैं। हिमालय पर्वत शृंखलाओं जैसे पर्यावरणीय दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में इस तरह के प्रदूषण के दूरगामी घातक प्रभाव हो सकते हैं। निश्चित रूप से पुलिस, परिवहन विभाग, नगर निकायों, बीमा कंपनियों और न्यायपालिका के बीच तालमेल न होने के कारण ही समस्या जटिल बनी हुई है। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के संबंध में जांच लंबित होने, बीमा संबंधी विवादों और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के लिये निर्धारित जगह न होने से यह समस्या जटिल बनी हुई है। इन सभी कारणों से ये दुर्घटनाग्रस्त वाहन सड़कों के किनारे यूं ही पड़े रहते हैं। यही वजह है कि हाईकोर्ट ने समस्या के निदान के लिये एक कारगर एक्शन प्लान की मांग की है। जिसमें जब्त वाहनों के लिये खास यार्ड बनाने, डिजिटल तरीके से पड़ताल, जब्त वाहनों को छोड़ने के लिये समयबद्ध प्रक्रिया और स्क्रैपिंग सेंटरों के जरिये वैज्ञानिक तरीके से रीसाइक्लिंग की सख्त जरूरत है।

क्या नितिन गडकरी की ई20 नीति की वजह से खराब हो रही हैं गाड़ियां?

ई20 यानी पेट्रोल में 20 प्रतिशत तक एथनॉल मिश्रण को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। ताजा मामले में बिहार के चर्चित यूट्यूबर मनीष कश्यप ने अपनी टोयोटा इनोवा हाईक्रॉस में आई खराबी का आरोप सीधे ई20 पेट्रोल और सरकार की नीति पर लगाया है। मनीष का दावा है कि उनकी दो महीने पुरानी और लगभग 12 हजार किलोमीटर चली गाड़ी का इंजन अचानक खराब हो गया। उन्होंने आरोप लगाया कि फ्यूल टैंक से निकाले गए पेट्रोल में 20 प्रतिशत से अधिक एथनॉल और अशुद्धियां मिलीं।

नीरज कुमार दुबे।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी पर इन दिनों चौतरफा हमले हो रहे हैं। कभी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में ई20 पेट्रोल को वाहनों की खराबी का कारण बताया जा रहा है, तो कभी सड़कों पर उतरने की चेतावनी देकर केंद्र सरकार की एथनॉल नीति के खिलाफ माहौल बनाया जा रहा है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, जो लंबे समय से एथनॉल मिश्रित ईंधन को भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता और किसानों की आय बढ़ाने का माध्यम बताते रहे हैं, अब उसी नीति को लेकर गंभीर सवालों के घेरे में हैं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में वह काफी भावुक नजर आए और बोले कि लाखों रुपये खर्च कर खरीदी गई गाड़ी इतनी जल्दी खराब हो जाना गंभीर चिंता का विषय है। देखा जाये तो मनीष कश्यप अकेले नहीं हैं। देशभर में हजारों वाहन मालिक माइलेज घटने, इंजन परफॉर्मेंस कम होने और वाहनों में तकनीकी समस्याओं की शिकायत कर रहे हैं। कई वीडियो में गुलाबी रंग का पेट्रोल, टंकी में पानी जैसी परत और अन्य अशुद्धियां दिखाकर दावा किया जा रहा है कि पेट्रोल में एथनॉल की मात्रा तय सीमा से अधिक है। हालांकि सरकार और पेट्रोलियम मंत्रालय इन दावों को खारिज कर रहे हैं। सार्वजनिकनीति इस विवाद ने अब राजनीतिक और सामाजिक रूप भी ले लिया है। राजनीतिक विश्लेषक तहसीन पूनावाला ने दिल्ली के जंतर मंतर पर ई20 नीति के खिलाफ प्रदर्शन का ऐलान किया है। 'टीम भारत अगेंस्ट द एथनॉल स्कैम' के बैनर तले प्रस्तावित इस प्रदर्शन को एथनॉल नीति के खिलाफ पहला बड़ा सार्वजनिक आंदोलन बताया जा रहा है। पूनावाला का कहना है कि लोग एथनॉल नीति के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि इसकी जल्दबाजी में की गई क्रियान्वयन प्रक्रिया और उपभोक्ताओं को विकल्प न दिए जाने का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने यहां तक कहा कि यदि प्रदर्शन की अनुमति नहीं मिली तो कुछ लोग नितिन गडकरी के आवास के बाहर धरने पर बैठ सकते हैं।

विवाद केवल वाहन खराबी तक सीमित नहीं है। एक उद्योगपति ने भी सरकार की ई20 नीति पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय में हुई सुनवाई का हवाला देते हुए कहा कि सरकार जनता के सामने इस योजना को पूरी तरह सफल बता रही है, लेकिन अदालत में इसे अभी भी 'चल रहा प्रयोग' बताया गया। हालांकि बाद में अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने इस दावे को गलत बताया। वहीं उक्त उद्योगपति का कहना है कि असली चिंता उन उद्योगों और निवेशकों की है जिन्होंने सरकार की नीति पर भरोसा करके एथनॉल संयंत्रों में अरबों रुपये का निवेश किया। यदि एथनॉल की खरीद और मांग ही निश्चित नहीं है, तो निवेशकों को किस भरोसे निवेश के लिए प्रेरित किया गया।

सर्वोच्च न्यायालय में यह मामला भारत पेट्रोलियम निगम लिमिटेड और कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेश से जुड़ा था, जिसमें एथनॉल आवंटन प्रक्रिया को दोबारा खोलने की बात कही गई थी। इस सुनवाई के दौरान यह भी सवाल उठा कि सरकार द्वारा एथनॉल खरीद की बाध्यता वास्तव में कितनी मजबूत है। आलोचकों का कहना है कि यदि खरीद केवल 'सर्वश्रेष्ठ प्रयास' के आधार पर होगी तो उद्योगों की वित्तीय स्थिरता पर खतरा पैदा हो सकता है। ऑटोऔर वाहन सोशल मीडिया पर कई लोगों ने एथनॉल नीति के आर्थिक और कृषि प्रभावों पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि ई20 कार्यक्रम भारत को विदेशी मक्के और उससे बने उत्पादों पर अधिक निर्भर बना सकता है। सोशल मीडिया यूजर्स ने यह भी आरोप लगाया है कि यह नीति अब किसान केंद्रित कम और आयात आधारित ढांचे जैसी अधिक दिखाई देने लगी है। उन्होंने सरकार से ई20 की अनिवार्यता पर पुनर्विचार कर ई5 या ई10 जैसे विकल्प फिर से उपलब्ध कराने की मांग की है।

वहीं देशी और विदेशी वाहन निर्माता कंपनियों ने ई20 पेट्रोल को लेकर मिश्रित लेकिन संतुलित रुख अपनाया है। मारुति सुजुकी, हुंडई, टाटा मोटर्स, महिंद्रा, टोयोटा, होंडा और किआ जैसी कंपनियों ने कहा है कि अप्रैल 2023 के बाद बने अधिकांश नए वाहन ई20 अनुकूल बनाए जा चुके हैं और उनमें इस ईंधन के इस्तेमाल से कोई बड़ा सुरक्षा खतरा नहीं है। वाहन उद्योग संगठन सियाम ने भी माना है कि ई20 से माइलेज में लगभग 2 से 4 प्रतिशत तक गिरावट आ सकती है, लेकिन इससे स्थायी इंजन क्षति का कोई प्रमाण नहीं मिला है। वहीं महिंद्रा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने स्वीकार किया कि ई20 सुरक्षित तो है, लेकिन इससे परफॉर्मेंस और माइलेज पर असर पड़ सकता है। टोयोटा सहित कई कंपनियों ने अपने नए पेट्रोल मॉडलों को ई20 अनुकूल घोषित किया है, जबकि कुछ विशेषज्ञों और कंपनियों ने पुराने वाहनों में सावधानी बरतने की सलाह दी है। दूसरी ओर केंद्र सरकार लगातार इस योजना का बचाव कर रही है। सरकार का दावा है कि भारत ने निर्धारित समय से पहले दिसंबर 2025 में पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रण का लक्ष्य हासिल कर लिया। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार इस कार्यक्रम से देश को 1.90 लाख करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी मुद्रा बचत हुई, किसानों को 1.60 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का भुगतान हुआ और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में भारी कमी आई। सरकार का कहना है कि इससे 310 लाख मीट्रिक टन से अधिक कच्चे तेल का विकल्प तैयार हुआ। सरकार का यह भी कहना है कि वाहन कंपनियों और सियाम के साथ व्यापक चर्चा के बाद ही ई20 लागू किया गया और कई निर्माता वर्ष 2009 से ही ई20 अनुकूल इंजन विकसित कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भी माइलेज घटने के दावों को मामूली बताया है। उनका कहना है कि एथनॉल मिश्रित ईंधन से इंजन की नॉकिंग कम होती है और वाहन की गति क्षमता बेहतर होती है। वहीं नितिन गडकरी ने एथनॉल विरोधी प्रचार को 'पेड कैंपेन' करार दिया है। उनका आरोप है कि पेट्रोलियम लॉबी भारत की जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम होने से परेशान है और इसलिए दुष्प्रचार कर रही है। गडकरी ने यह चुनौती भी दी कि दुनिया में कोई एक उदाहरण दिखाया जाए जहां ई20 पेट्रोल से वाहन स्थायी रूप से खराब हुए हों। बहरहाल, फिलहाल एथनॉल मिश्रित पेट्रोल पर विवाद थमता नजर नहीं आ रहा। एक ओर सरकार इसे किसानों, पर्यावरण और अर्थव्यवस्था के लिए क्रांतिकारी कदम बता रही है, तो दूसरी ओर उपभोक्ता, वाहन मालिक और कुछ उद्योग विशेषज्ञ इसके प्रभावों को लेकर गंभीर चिंता जता रहे हैं। आने वाले समय में यह बहस केवल सोशल मीडिया तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि सड़कों, अदालतों और राजनीतिक मंचों तक और तेज होती दिखाई दे सकती है।

इंडियाहैंडमेड : भारत की शिल्प विरासत के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म

इंडियाहैंडमेड एक समर्पित डिजिटल मार्केटप्लेस है जो भारत की हथकरघा और हस्तशिल्प परंपराओं को ऑनलाइन अर्थव्यवस्था में लाता है। यह मंच कारीगरों और बुनकरों को सीधे खरीदारों से जोड़ता है, आजीविका और सांस्कृतिक संरक्षण का समर्थन करते हुए बाजार तक पहुंच का विस्तार करता है। यह जीआई-टैग और ओडीओपी वस्तुओं सहित विविध हस्तनिर्मित उत्पादों को प्रदर्शित करता है, जिससे क्षेत्रीय शिल्प उत्पादों की विभिन्न स्थानों पर मौजूदगी बढ़ती है।

हस्तनिर्मित आजीविका के लिए एक डिजिटल इंडिया ब्रिज : भारत दुनिया की सबसे समृद्ध हथकरघा और हस्तशिल्प परंपराओं में से एक है। यह क्षेत्र न केवल भारत की सांस्कृतिक विरासत का प्रतिनिधित्व करता है, बल्कि समावेशी आजीविका का एक महत्वपूर्ण स्रोत भी है। भारत में वर्तमान में अनुमानित 64.66 लाख हथकरघा और हस्तशिल्प कारीगर हैं। इस कार्यबल में महिलाओं की काफी भागीदारी है। अगस्त 2025 के आंकड़ों के अनुसार महिलाएं हथकरघा बुनकरों में 71 प्रतिशत और कुल कारीगरों का 64 प्रतिशत हैं। यह मजबूत भागीदारी विशेष रूप से ग्रामीण समुदायों में रोजगार और सशक्तिकरण का समर्थन करने में इस क्षेत्र की भूमिका को दर्शाती है। बड़ी संख्या में कारीगरों और बुनकरों के बल पर यह क्षेत्र भारत के उभरते बाजार में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। जैसे-जैसे वाणिज्य तेजी से डिजिटल होता जा रहा है, ऑनलाइन पहुंच इन शिल्प समुदायों को बाजार में भागीदारी बढ़ाने में मदद कर रही है। डिजिटल इंडिया पहल के माध्यम से, पारंपरिक आजीविका तेजी से डिजिटल व्यापार के अवसरों तक पहुंच प्राप्त कर रही है। इंडियाहैंडमेड को 2023 में लॉन्च किया गया। यह इस विजन को एक समर्पित डिजिटल मार्केटप्लेस में बदल देता है। वस्त्र मंत्रालय के तहत डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन द्वारा विकसित, यह प्लेटफॉर्म हस्तनिर्मित उत्पादों की मौजूदगी को बढ़ाता है और विक्रेताओं के लिए बाजार के व्यापक अवसर के द्वार खोलता है।

भारत में इंडियाहैंडमेड प्लेटफॉर्म की मुख्य विशेषताएं : इंडियाहैंडमेड विक्रेताओं, खरीदारों और शिल्प विरासत का समर्थन करने के लिए डिजाइन की गई सुविधाओं के एक सेट के माध्यम से परंपराओं को ऑनलाइन बाजार में लाता है:-

विशेष ऑनलाइन मार्केटप्लेस : यह बुनकरों और कारीगरों को अपने हथकरघा और हस्तशिल्प उत्पादों को ऑनलाइन बेचने में सक्षम बनाता है।

खरीदारों की सीधी पहुंच : कारीगर और बुनकर सीधे खरीदारों से जुड़े हुए हैं, जिससे बिचौलियों को कम करने और उचित मुआवजे का समर्थन करने में मदद मिलती है।

अधिक मौजूदगी : प्लेटफ़ॉर्म इंडियाहैंडमेड उत्पादों को व्यापक ग्राहक आधार पर प्रदर्शित करता है, जिससे विक्रेताओं के लिए बाजार के अवसर बढ़ते हैं।

डिजिटल सशक्तिकरण : कारीगरों और बुनकरों को ऑनलाइन व्यापार में अधिक प्रभावी ढंग से भाग लेने के लिए डिजिटल उपकरण और मौजूदगी प्रदान की जाती है।

वित्तीय और सामाजिक सशक्तिकरण: व्यापक बाजार पहुंच आजीविका को मजबूत करती है और आय के अवसरों का समर्थन करती है।

सांस्कृतिक संरक्षण: शिल्प-आधारित उत्पादों की एक विविध श्रृंखला भारत की हस्तनिर्मित विरासत को दृश्यमान रखती है और भविष्य की पीढ़ियों के लिए पारंपरिक कौशल को संरक्षित करने में मदद करती है।

इंडियाहैंडमेड सबसे अलग कैसे : पोर्टल को विश्वास, पहुंच और विक्रेता सशक्तिकरण के आसपास डिजाइन किया गया है। यह एक सहज बाजार प्रदान करता है, जहां कारीगर और बुनकर खरीदारों तक पहुंच सकते हैं और खरीदार अधिक आत्मविश्वास के साथ हस्तनिर्मित उत्पादों की खोज कर सकते हैं।

यह प्लेटफॉर्म रोजमर्रा के हस्तनिर्मित उत्पादों और मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय शिल्प के लिए एक क्यूरेटेड डिजिटल स्पेस प्रदान करता है। यह परिधान, घर की सजावट, साज-सज्जा, पेंटिंग, फर्नीचर, धार्मिक वस्तुओं, स्टेशनरी, संगीत वाद्ययंत्र, आभूषण, बैग और जूते सहित उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। यह जीआई-टैग और ओडीओपी उत्पादों जैसी विशेष उत्पाद श्रेणियों पर भी प्रकाश डालता है। यह मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय शिल्प को अधिक मौजूदगी और एक विशिष्ट पहचान प्रदान करता है।

जीआई-टैग किए गए उत्पाद : जीआई-टैग किए गए उत्पादों में एक भौगोलिक संकेत होता है, जो उन्हें एक विशिष्ट क्षेत्र, गुणवत्ता और प्रतिष्ठा से जोड़ता है। यह प्लेटफॉर्म विभिन्न प्रकार के जीआई-टैग वाले उत्पाद जैसे ऐपन कला, शुद्ध पश्मीना शॉल, डोकरा सजावट और मुंडू उत्पाद प्रदान करता है।

ओडीओपी उत्पाद : एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) पहल संतुलित क्षेत्रीय विकास का समर्थन करने के लिए प्रत्येक जिले से एक अद्वितीय उत्पाद की पहचान करती है और उसे बढ़ावा देती है। इस प्लेटफॉर्म में तंगेल साड़ी, बनारसी सिल्क उत्पाद, इकत, तसर सिल्क साड़ी, चंदेरी सिल्क और टेराकोटा उत्पाद शामिल हैं।

बेहतर पहुंच, बेहतर आश्वासन : खरीदारों को मुफ्त शिपिंग, खरीद सुरक्षा, सुरक्षित भुगतान और खरीदार समर्थन प्रणाली के माध्यम से अधिक विश्वसनीय खरीदारी अनुभव से लाभ होता है। यह प्रतिस्पर्धी कीमतों पर दस्तकारी उत्पादों की पेशकश करके विश्वास को भी मजबूत करता है।

विक्रेताओं के लिए सरल ऑनबोर्डिंग: यह मंच कारीगरों, बुनकरों और उत्पादक संगठनों को बाजार तक पहुंचने के लिए एक निर्देशित ऑनबोर्डिंग मार्ग प्रदान करता है।

छोटे विक्रेताओं को डिजिटल व्यापार में लाना : जीएसटी पंजीकरण के बिना विक्रेता एक नामांकन आईडी का उपयोग करके पंजीकरण कर सकते हैं, जिसमें केवल अपने राज्य के भीतर बेचने का आदेश है। यह पोर्टल को छोटे कारीगरों और पहली बार डिजिटल विक्रेताओं के लिए अधिक समावेशी और सुलभ बनाता है।

बाजार के पीछे की सफलता की गाथाएं : इस प्लेटफॉर्म के पीछे कारीगर, बुनकर और उद्यम हैं जिनकी शिल्प परंपराएं डिजिटल व्यापार के माध्यम से फल-फूल रही हैं। सैंटर्म्स हस्तनिर्मित शिल्प की गर्मी को रोजमर्रा की जिंदगी में लाता है। लकड़ी की सजावट और सुगंधित मोमबत्तियों से लेकर टेराकोटा दीये, संगमरमर की मूर्तियों और हथकरघा साड़ियों तक, प्रत्येक उत्पाद पर्याप्त निगरानी, परंपरा और सुंदरता की सोच को दर्शाता है। दस्तकार क्राफ्ट बेंत और बांस उत्पादों के माध्यम से 500 से अधिक कारीगरों के कौशल को आधुनिक घरों में ले जाता है। वे उच्च-गुणवत्ता, निर्यात-योग्य उत्पाद बनाते हैं, जो समकालीन घरों में सहजता से फिट होते हुए भारत की विरासत का जश्न मनाते हैं। विलेज क्राफ्ट हथकरघा परंपराओं की सादगी और ताकत का जश्न मनाता है। इसके सूती तौलिए, गमछा और बेडशीट कुशल कारीगरों द्वारा देखभाल के साथ बनाए जाते हैं, जो रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं को आराम, गुणवत्ता और विरासत में निहित उत्पादों में बदल देते हैं। ये कहानियां हस्तनिर्मित उत्पादों को एक मानवीय चेहरा देती हैं, जो दिखाती हैं कि डिजिटल बाजार में परंपरा, कौशल और आजीविका एक साथ कैसे आती हैं।

भारत की विरासत को डिजिटल भविष्य में ले जाना

इंडियाहैंडमेड डिजिटल इंडिया की भावना को दर्शाता है, शिल्प को आजीविका के स्रोत और भारत की सांस्कृतिक पहचान के प्रतिबिंब दोनों के रूप में मान्यता देता है। 60 लाख से अधिक कारीगरों को शामिल करने की योजना के साथ, यह मंच आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण का समर्थन करता है। यह कारीगरों और बुनकरों को व्यापक बाजार पहुंच प्रदान करता है और खरीदारों को विश्वास और आसानी से हस्तनिर्मित उत्पादों की खोज करने में मदद करता है। प्रत्येक हस्तनिर्मित उत्पाद के साथ, यह सुनिश्चित करता है कि इंडियाहैंडमेड विरासत आने वाली पीढ़ियों के लिए आजीविका और अवसर को प्रेरित करती रहे।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की चिरस्थाई विरासत : संस्थाएं, विचार और राष्ट्र निर्माण

गजेन्द्र सिंह शेखावत
केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री

इतिहास अक्सर महान नेताओं को उनके राजनीतिक संघर्षों के जरिए याद करता है। लेकिन राजनेताओं के चिरस्मरणीय योगदान राजनीति के दायरे तक ही सीमित नहीं होते। उनकी वास्तविक विरासत उनके द्वारा सृजित संस्थाओं, परिपोषित विचारों और आने वाली पीढ़ियों के लिए छोड़े गए आदर्शों में होती है। राष्ट्र भारत केसरी डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का 125वां जन्म दिवस मना रहा है। इस अवसर पर उनके सार्वजनिक जीवन के एक ऐसे पहलू को स्मरण करना प्रासंगिक होगा जिसकी ओर व्यापक रूप से गौर करने की जरूरत है। यह पहलू है, राष्ट्र निर्माण की बुनियाद के रूप में संस्थाओं का सृजन करने की उनकी आजीवन प्रतिबद्धता। स्वतंत्र भारत का उदय सिर्फ एक राजनीतिक संघर्ष से नहीं हुआ। उसे विश्वविद्यालय बनाने थे जो नागरिकों को शिक्षित करने में सक्षम हों। ऐसी अनुसंधान संस्थाएं खड़ी करनी थीं जो वैज्ञानिक ज्ञान का प्रसार कर सकें। उसे ऐसे उद्योग तैयार करने थे जो आर्थिक आत्मनिर्भरता पैदा कर सकें। सभ्यता की विरासत की रक्षा करने वाले सांस्कृतिक संगठनों और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूती देने वाली लोक संस्थाओं को तैयार करना था। डॉ मुखर्जी ने जल्दी ही समझ लिया था कि राष्ट्र का भविष्य सिर्फ दूरद्रष्टा नेतृत्व पर ही निर्भर नहीं करता। यह उन मजबूत संस्थाओं पर भी निर्भर करता है जो नेताओं और सरकारों से ज्यादा टिकाऊ होंगी। उनका असाधारण शैक्षिक कॅरियर उनके विश्वास को प्रतिबिंबित करता है। वह कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे कम उम्र के कुलपति बने। उन्होंने वैसे समय में यह कार्यभार संभाला जब उच्चतर शिक्षा भारत के बौद्धिक जागरण का केंद्र बन रही थी। उनके लिए विश्वविद्यालय सिर्फ स्नातक तैयार करने के स्थल नहीं थे। वे वैसे सुविज्ञ नागरिकों को गढ़ने वाले संस्थान थे जो सार्वजनिक जीवन में जिम्मेदारी के साथ योगदान करने में सक्षम हों। उनकी राय थी कि शिक्षा को राष्ट्र निर्माण के वृहत्तर कार्य से अलग नहीं किया जा सकता। विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रगति के प्रति उनका समर्पण विश्वविद्यालयों के परिसर से कहीं आगे बढ़कर था। भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु की कोर्ट और काउंसिल के सदस्य के तौर पर, उन्होंने भारत के प्रमुख वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्रों में से एक को मजबूत बनाने में योगदान दिया। 1947 में, उन्होंने 'डिपार्टमेंट ऑफ़ पावर इंजीनियरिंग' की आधारशिला रखी क्योंकि वे भली-भांति समझते थे कि स्वतंत्र भारत की आर्थिक प्रगति के लिए इंजीनियरिंग की शिक्षा और प्रौद्योगिकी क्षमता बहुत जरूरी होगी। नवाचार को मुख्य नीतिगत लक्ष्य बनाए जाने से बहुत पहले ही, उन्होंने यह समझ लिया था कि वैज्ञानिक उत्कृष्टता और औद्योगिक विकास ही देश की दीर्घकालिक मजबूती तय करेंगे। स्वतंत्रता के बाद, जब डॉ. मुखर्जी भारत के पहले उद्योग और आपूर्ति मंत्री बने, तब इस दृष्टिकोण को व्यावहारिक रूप दिया गया। उन शुरुआती सालों में, नए नए आजाद देश के सामने एक औद्योगिक आधार तैयार करने की बड़ी चुनौती थी। चित्तरंजन लोकोमोटिव वर्क्स और सिंदरी फर्टिलाइजर फैक्ट्री जैसे संस्थान सिर्फ़ मैन्युफैक्चरिंग इकाइयों के तौर पर नहीं, बल्कि तकनीकी क्षमता और आर्थिक आत्मनिर्भरता हासिल करने के भारत के संकल्प के प्रतीक के तौर पर स्थापित किए गए थे।

डॉ. मुखर्जी के लिए, औद्योगीकरण कभी भी अपने आप में कोई अंतिम लक्ष्य नहीं था; यह राष्ट्रीय क्षमता और सामूहिक आत्मविश्वास में किया गया एक निवेश था। हालाँकि, किसी भी संस्थान के निर्माण के लिए केवल भौतिक अवसंरचना या प्रशासनिक कुशलता की ही जरूरत नहीं होती। इसके लिए सहानुभूति, जन-सेवा और नैतिक जिम्मेदारी की भावना की भी आवश्यकता होती है। डॉ. मुखर्जी में इन गुणों की झलक 1943 के बंगाल अकाल के दौरान ही साफ़ तौर पर दिखाई दी थी, जब उन्होंने बीसवीं सदी की सबसे बड़ी मानवीय त्रासदी से प्रभावित लोगों के लिए बड़े पैमाने पर राहत कार्य करने में खुद को समर्पित कर दिया था। विभाजन के बाद, उन्होंने विस्थापित लोगों के पुनर्वास के लिए बड़े पैमाने पर काम किया। वे समझते थे कि राष्ट्र के पुनर्निर्माण में संस्थानों को फिर से खड़ा करने के साथ-साथ लोगों के दुख दर्द को कम करना और उस पर मरहम लगाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उनका सार्वजनिक जीवन, भारत की सांस्कृतिक विरासत के प्रति गहरी समझ और सम्मान को भी दर्शाता था। 'महाबोधि सोसाइटी ऑफ़ इंडिया' के अध्यक्ष के तौर पर, उन्होंने बौद्ध देशों के साथ भारत के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई। सभ्यतागत कूटनीति के स्थायी महत्व को समझते हुए, बुद्ध के मुख्य शिष्यों अर्हत सारिपुत्र और अर्हत मौद्गल्यायन के पवित्र अवशेषों का भारत में स्वागत करने में उन्होंने सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। आज भी, मंगोलिया जैसे देशों के साथ इन पवित्र अवशेषों को साझा करने की भारत की कोशिशें यह दिखाती हैं कि किस तरह सांस्कृतिक विरासत अंतरराष्ट्रीय सद्भावना को मजबूत करती है और ऐतिहासिक संबंधों को और गहरा बनाती है। साहित्य और विद्वता के प्रति भी उनकी चिंता उतनी ही स्पष्ट थी। उनके पत्रों से पता चलता है कि उन्होंने प्रसिद्ध कवि काजी नजरुल इस्लाम की उनके व्यक्तिगत संकट के समय किस तरह मदद की थी। ऐसी घटनाएँ हमें याद दिलाती हैं कि सार्वजनिक नेतृत्व को केवल बड़े नीतिगत फैसलों से ही नहीं, बल्कि उदारता के उन शांत और मौन कार्यों से भी आंका जाता है, जिन पर शायद ही कभी लोगों का ध्यान जाता है। डॉ. मुखर्जी ने संस्थागत निर्माण के इसी दृष्टिकोण को संविधान सभा में भी आगे बढ़ाया।

संविधान के निर्माण को 'एक बड़ी जिम्मेदारी' और 'एक गंभीर और पवित्र विश्वास' के रूप में वर्णित करते हुए, उन्होंने संवैधानिक शासन के साथ जुड़ी नैतिक जिम्मेदारियों पर जोर दिया। उनके वे शब्द आज भी बेहद प्रासंगिक हैं। संविधान की ताकत अंततः न केवल उसके लिखित प्रावधानों पर, बल्कि संसद की शुचिता, सार्वजनिक संस्थानों की स्वतंत्रता, कानून के शासन और नागरिकों की जिम्मेदारी पर भी निर्भर करती है। संवैधानिक लोकतंत्र तभी फलता-फूलता है जब संस्थाओं पर जनता का भरोसा हो और वे ईमानदारी से काम करें। जैसे-जैसे भारत एक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर अग्रसर हो रहा है, डॉ. मुखर्जी की सोच हमें एक जरूरी बात याद दिलाती है। सिर्फ़ आर्थिक विकास से ही देश की तरक्की तय नहीं होती। संवहनीय विकास के लिए शिक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी नवाचार, सांस्कृतिक संरक्षण और लोगों का भरोसा जगाने वाले संस्थानों में लगातार निवेश की जरूरत होती है। सड़कें, हवाई अड्डे और कारखाने बेहद जरूरी हैं, लेकिन उतने ही जरूरी वे विश्वविद्यालय भी हैं जो जिज्ञासा को प्रोत्साहित करते हैं, वे प्रयोगशालाएँ जो ज्ञान का विस्तार करती हैं, वे संग्रहालय जो विरासत को संजोते हैं और वे सार्वजनिक संस्थान जो संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करते हैं, वे भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। संस्थाओं में एक अद्भुत गुण होता है: वे सरकारों, राजनीतिक आंदोलनों और यहाँ तक कि कई पीढ़ियों से भी ज़्यादा समय तक बनी रहती हैं। वे संचित ज्ञान को संजोकर रखती हैं, बदलाव के बीच निरंतरता बनाए रखती हैं और समाज को दीर्घकालिक राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में सक्षम बनाती हैं। नेता इतिहास को आकार दे सकते हैं, लेकिन संस्थाएं सभ्यता को जीवित रखती हैं। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सार्वजनिक जीवन का सबसे अहम सबक यही है। उनकी विरासत केवल उन पदों तक सीमित नहीं है जो उन्होंने संभाले या उन बहसों में भी नहीं है जिनमें उन्होंने हिस्सा लिया, बल्कि यह उनके उस अटूट विश्वास में निहित है कि मजबूत संस्थान ही किसी राष्ट्र की आकांक्षाओं के सच्चे संरक्षक होते हैं। जैसे-जैसे भारत अपनी विकास यात्रा पर आगे बढ़ रहा है, ज्ञान, वैज्ञानिक चेतना, सांस्कृतिक आत्मविश्वास और संवैधानिक मूल्यों को बढ़ावा देने वाले संस्थानों को मजबूत करना ही उनके प्रति सबसे सार्थक श्रद्धांजलि होगी।

कांग्रेस झूठ और भ्रम फैलाकर सरकार की छवि खराब करने का असफल प्रयास कर रही है : केदार कश्यप

सरकार की मंशा स्पष्ट–किसी गरीब के साथ अन्याय नहीं होगा, विधायक कॉलोनी का दावा पूरी तरह भ्रामक

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

वन एवं सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में आज सोमवार को आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि नकटी ग्राम प्रकरण को लेकर कांग्रेस द्वारा राज्य सरकार पर लगाए जा रहे आरोप पूरी तरह निराधार, भ्रामक और राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित हैं। कांग्रेस जनता के बीच भ्रम फैलाकर सरकार की छवि खराब करने का सुनियोजित प्रयास कर रही है, जबकि इस पूरे मामले की वास्तविकता इससे बिल्कुल अलग है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जनता को गुमराह कर राजनीतिक रोटियां सेंकना चाहती है, लेकिन प्रदेश की जनता सच्चाई को अच्छी तरह जानती है।

मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि जिस भूमि को लेकर आज कांग्रेस राजनीति कर रही है, उसके आबंटन की प्रक्रिया 1 सितंबर 2020 से तत्कालीन कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में प्रारंभ हुई थी। राजस्व अभिलेखों में स्पष्ट उल्लेख है कि यह भूमि हाउसिंग बोर्ड को आबंटित किए जाने के लिए प्रस्तावित थी। आबंटन के लिए भूमि चिन्हित होने के बाद वहां लगातार अवैध कब्जे बढ़ते गए और लगभग 3 हेक्टेयर से बढ़कर 15 हेक्टेयर तक अतिक्रमण फैल गया।

उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन ने इस पूरे प्रकरण में लगातार विधिसम्मत कार्रवाई करने का प्रयास किया। प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा कब्जाधारियों के पुनर्वास और व्यवस्थापन के लिए कई बार सहमति बनाने का प्रयास किया गया। कार्रवाई के दौरान भी संवेदनशीलता बरती गई और प्रभावित परिवारों के व्यवस्थापन का प्रयास किया गया।

मंत्री केदार कश्यप ने कांग्रेस के इस आरोप को पूरी तरह असत्य बताया कि नकटी गांव को पूरी तरह उजाड़ दिया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि नकटी गांव के 17 वार्डों में से केवल एक वार्ड में, जहां सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा था, वहीं कार्रवाई की गई। पूरे गांव को उजाड़े जाने का प्रचार कांग्रेस द्वारा जानबूझकर फैलाया जा रहा है ताकि लोगों में भ्रम और आक्रोश पैदा किया जा सके।

मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि कांग्रेस ने इस विधिसम्मत प्रशासनिक कार्रवाई को जन आंदोलन का स्वरूप देने का असफल प्रयास किया। कांग्रेस नेताओं ने प्रभावित लोगों को भड़काने, धरना–प्रदर्शन कराने और सरकार को बदनाम करने की राजनीति की, लेकिन कांग्रेस को जनता का समर्थन नहीं मिला। कांग्रेस आज भी इसी प्रकार की भड़काऊ राजनीति में लगी हुई है।

सीएम साय के नेतृत्व में भू-अभिलेखों के आधुनिकीकरण की दिशा में बड़ा कदम

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में राजस्व प्रशासन को अधिक पारदर्शी, आधुनिक और जनहितैषी बनाने की दिशा में लगातार पहल की जा रही है। इसी क्रम में जशपुर जिले में 15 जुलाई से 30 सितंबर 2026 तक व्यापक नक्शा नवीनीकरण अभियान संचालित किया जाएगा। कलेक्टर रोहित व्यास ने वर्ष 2026–27 के लिए नक्शा नवीनीकरण रोस्टर जारी करते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय–सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। अभियान के तहत जिले के 27 राजस्व निरीक्षक मंडलों में पुराने एवं जीर्ण–शीर्ण नक्शों का परीक्षण और नवीनीकरण किया जाएगा। कुल 766 राजस्व ग्रामों की 2456 नक्शा शीटों का परीक्षण किया जाएगा, किया जाएगा। प्रत्येक राजस्व निरीक्षक मंडल के लिए अलग–अलग समय–सीमा निर्धारित करते हुए चरणबद्ध कार्ययोजना तैयार की गई है। फरसाबहार, तपकरा, कोल्हेनझरिया, बगीचा, बिमड़ा, कुर्रोग, सरबकोम्बो, सन्ना, पंडरापाठ, कांसाबेल, दोकड़ा, पत्थलगांव, केराकछार, तमता, लुड़ेग, बागबहार और कोतबा सहित सभी चयनित राजस्व निरीक्षक मंडलों में 30 सितंबर तक अभियान पूरा किया जाएगा।

'मोर गांव मोर पानी महाअभियान' से भू-जल संवर्धन को मिली नई रफ्तार

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में जल संरक्षण और भू–जल संवर्धन को जनआंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से संचालित 'मोर गांव मोर पानी महाअभियान' के तहत सरगुजा जिले में व्यापक स्तर पर जल संरक्षण कार्य किए जा रहे हैं। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के माध्यम से जिले के सभी सात विकासखंडों में वर्षा जल को गांवों में ही रोककर भू–जल पुनर्भरण सुनिश्चित करने के लिए 587 लूज बोल्डर चेक डैम तथा 37 गैबियन संरचनाओं का निर्माण कराया गया है। अधिकांश कार्य पूर्ण हो चुके हैं, जबकि शेष कार्य अंतिम चरण में हैं, जिससे इस मानसून में वर्षा जल का अधिकतम संचयन सुनिश्चित किया जा सके।

जिले के अम्बिकापुर विकासखंड में 122, लुण्ड्रा में 107, सीतापुर में 16, बतौली में 34, मैनपाट में 136, उदयपुर में 46 तथा लखनपुर में 126 लूज बोल्डर चेक डैम

स्वीकृत किए गए हैं। इन संरचनाओं का निर्माण नालों एवं जल प्रवाह वाले क्षेत्रों में किया गया है, जहां वर्षा जल को रोककर धीरे–धीरे भूमि में समाहित होने का अवसर मिलता है। इससे भू–जल स्तर में वृद्धि होगी और कुएं, हैंडपंप तथा बोरवेल जैसे जल स्रोत लंबे समय तक जलयुक्त बने रहेंगे।

'तेज बहाव वाले क्षेत्रों में प्रभावी साबित हो रही गैबियन संरचनाएं'

गैबियन संरचनाएं लोहे की मजबूत जाली में भरे पत्थरों से तैयार की जाती हैं, जो तेज जल प्रवाह वाले नालों में भी मजबूती से टिके रहती हैं। सामान्य लूज बोल्डर चेक डैम की तुलना में ये अधिक टिकाऊ होती हैं तथा भूमि में हल्का धंसाव होने पर भी बिना क्षतिग्रस्त हुए स्वयं को परिस्थितियों के अनुरूप समायोजित कर लेती हैं। इन संरचनाओं में वर्षा जल दो से तीन दिनों तक ठहरने से अधिक मात्रा में पानी जमीन में समाहित होता है, जिससे भू–जल पुनर्भरण तेजी से होता है और मिट्टी के कटाव पर भी प्रभावी नियंत्रण मिलता है।

'कम लागत, टिकाऊ संरचनाएं और स्थानीय रोजगार'

स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पत्थरों एवं सीमित संसाधनों से निर्मित लूज बोल्डर चेक डैम और गैबियन संरचनाएं कम लागत में तैयार हो जाती हैं। इनमें सीमेंट और रेत का उपयोग अत्यंत कम होता है, जिससे निर्माण लागत भी कम रहती है। मनरेगा के माध्यम से इन कार्यों के संचालन से बड़ी संख्या में ग्रामीण श्रमिकों को गांव में ही रोजगार उपलब्ध हो रहा है। एक बार निर्माण के बाद इन संरचनाओं के रखरखाव की आवश्यकता भी बहुत कम होती है और ये वर्षों तक जल संरक्षण में प्रभावी भूमिका निभाती हैं।

'जल संरक्षण से कृषि और पेयजल व्यवस्था होगी मजबूत'

इन जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण से खरीफ के साथ–साथ रबी एवं ग्रीष्मकालीन फसलों के लिए भी सिंचाई जल की उपलब्धता बढ़ेगी। गर्मी के मौसम में सूखने वाले कुएं और हैंडपंपों में भी लंबे समय तक पानी उपलब्ध रहेगा, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट कम होगा। भू–जल संवर्धन, कृषि उत्पादकता में वृद्धि और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में 'मोर गांव मोर पानी महाअभियान' सरगुजा जिले में जल सुरक्षा का मजबूत आधार बनकर उभर रहा है।

जिला प्रशासन ने नागरिकों और किसानों से वर्षा जल संरक्षण के इस जनअभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने तथा जल स्रोतों के संरक्षण के प्रति जागरूक रहने की अपील की है, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों को सुरक्षित रखा जा सके।

बस्तर में बैंक सखियां बन रहीं ग्रामीणों की आर्थिक संबल

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

बस्तर जिले के दूरस्थ और वनांचल क्षेत्रों में बैंक सखियां ग्रामीणों के लिए भरोसेमंद बैंक मित्र बनकर उभरी हैं। उनकी सक्रिय सेवाओं से अब ग्रामीणों को बैंकिंग कार्यों के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ती। गांव में ही बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध होने से जहां समय और धन की बचत हो रही है, वहीं शासकीय योजनाओं की राशि भी हितग्राहियों तक समय पर और पारदर्शी तरीके से पहुंच रही है।

बस्तर में बैंक सखियां बन रहीं ग्रामीणों की आर्थिक संबल

बस्तर जिले में वर्तमान में 141 बैंक सखियां माइक्रो एटीएम एवं आधार आधारित भुगतान प्रणाली (एईपीएस) के माध्यम से नकद निकासी, नकद जमा, बैलेंस जांच, धन अंतरण सहित विभिन्न बैंकिंग सेवाएं ग्रामीणों तक पहुंचा रही हैं।

इसके साथ ही वे ग्रामीणों को डिजिटल भुगतान, सुरक्षित बैंकिंग और वित्तीय साक्षरता के प्रति भी जागरूक कर रही हैं, जिससे गांवों में डिजिटल वित्तीय लेन–देन को लगातार बढ़ावा मिल रहा है। जून माह के दौरान बैंक सखियों ने विभिन्न शासकीय योजनाओं के हजारों हितग्राहियों को घर के पास ही बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराईं। पेंशन योजनाओं के 3,166 हितग्राहियों को 28 लाख 67 हजार 565 रुपए, महतारी वंदन योजना के 4,097 हितग्राहियों को 38 लाख 82 हजार 470 रुपए, स्वयं सहायता समूहों के 22,367 हितग्राहियों को 2 करोड़ 31 लाख 87 हजार रुपए से अधिक, वीबी–जी रामजी (मनरेगा) के तहत 2,103 हितग्राहियों को 15 लाख 46 हजार 179 रुपए तथा अन्य 12,026 वित्तीय लेन–देन के माध्यम से 1 करोड़ 44 लाख 78 हजार रुपए से अधिक की राशि का सफलतापूर्वक भुगतान किया गया। बैंक सखियों की सेवाओं का सबसे अधिक लाभ बुजुर्गों, महिलाओं, दिव्यांगजनों तथा दूरस्थ ग्रामों में रहने वाले ग्रामीणों को मिल रहा है। अब उन्हें बैंक शाखाओं तक पहुंचने में समय और अतिरिक्त खर्च नहीं करना पड़ता। घर के निकट ही सम्मानपूर्वक बैंकिंग सेवाएं मिलने से उनकी दैनिक जिंदगी अधिक सरल और सुविधाजनक हुई है।

महतारी वंदन योजना से महिलाओं को मिल रहा आर्थिक संबल, आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे कदम

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना प्रदेश की महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का मजबूत आधार बनकर उभरी है। योजना के तहत मिलने वाली नियमित आर्थिक सहायता महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ–साथ परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियों में सहभागी बनने का अवसर प्रदान कर रही है। प्रदेशभर में लाखों महिलाएं इस योजना से लाभान्वित होकर अपने परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

इसी कड़ी में मनेन्द्रगढ़–चिरमिरी–भरतपुर जिले के ग्राम मसौरा की निवासी श्रीमती गीता यादव की कहानी महतारी वंदन योजना के सकारात्मक प्रभाव को दर्शाती है। योजना के अंतर्गत उन्हें अब तक 28 किश्तों के रूप में कुल 28 हजार रुपये की सहायता राशि प्राप्त हो चुकी है, जिससे उनके परिवार को आर्थिक संबल मिला है। श्रीमती गीता यादव बताती हैं कि महतारी वंदन योजना के तहत प्रतिमाह मिलने वाली एक हजार रुपये की सहायता राशि उनके परिवार के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हो रही है। इस राशि से वे घर की छोटी–मोटी आवश्यकताओं की पूर्ति करती हैं। पहले दैनिक जरूरतों को पूरा करने में आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब नियमित सहायता मिलने से घरेलू खर्चों का बेहतर प्रबंधन संभव हो पाया है और छोटी–छोटी जरूरतों के लिए किसी पर निर्भर रहने की आवश्यकता नहीं पड़ती।

वे कहती हैं कि महतारी वंदन योजना ने उन्हें केवल आर्थिक सहायता ही नहीं दी, बल्कि आत्मविश्वास भी प्रदान किया है। अब वे परिवार की जरूरतों को पूरा करने में अपनी सक्रिय और महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उनका मानना है कि यह योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ–साथ सम्मान और आत्मनिर्भरता का एहसास भी करा रही है।

श्रीमती गीता यादव मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहती हैं कि महतारी वंदन योजना उनके जैसी लाखों महिलाओं और परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है। नियमित आर्थिक सहायता से महिलाओं को अपने परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति में सहयोग मिल रहा है तथा वे आत्मविश्वास के साथ बेहतर भविष्य की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से खेती को मिली नई मजबूती

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना किसानों को आर्थिक संबल प्रदान कर खेती–किसानी को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। योजना के तहत मिलने वाली प्रत्यक्ष आर्थिक सहायता से किसानों को कृषि कार्यों के लिए आवश्यक संसाधनों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित हो रही है, जिससे खेती की लागत का बोझ कम होने के साथ उत्पादन बढ़ाने में भी मदद मिल रही है।

जांजगीर–चांपा जिले के बलौदा विकासखंड अंतर्गत ग्राम जर्वे निवासी किसान दिलेश कुमार कश्यप भी इस योजना से लाभान्वित किसानों में शामिल हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 23वीं किस्त प्राप्त होने के बाद उन्होंने खरीफ सीजन की तैयारियां समय पर पूरी कर ली हैं।

कश्यप ने बताया कि योजना के तहत प्राप्त राशि का उपयोग वे खेती–किसानी एवं बाड़ी की आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में करते हैं। इस सहायता से वे उन्नत किस्म के बीज, उर्वरक, कीटनाशक तथा अन्य कृषि आदानों की समय पर खरीदी कर पाते हैं। साथ ही बाड़ी में सब्जी उत्पादन के लिए आवश्यक सामग्री की व्यवस्था भी कर लेते हैं। समय पर कृषि सामग्री उपलब्ध होने से बुवाई एवं फसल प्रबंधन बेहतर ढंग से हो पाता है, जिससे उत्पादन बढ़ने और आय में वृद्धि की उम्मीद रहती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना किसानों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रही है।

इससे खेती–किसानी का आर्थिक बोझ कम हुआ है और कृषि कार्य बिना किसी आर्थिक बाधा के समय पर पूरे हो रहे हैं। दिलेश कुमार कश्यप ने किसानों के हित में संचालित इस जनकल्याणकारी योजना के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

अबूझमाड़ के जंगलों में महकेगी कॉफी

बस्तर में कृषि-क्रांति की तैयारी ओडिशा के कोरापुट में ट्रेनिंग लेंगे अधिकारी

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ के वन क्षेत्रों में आजीविका संवर्धन, पर्यावरण संरक्षण और किसानों की आय दोगुनी करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने एक बेहद अनूठी पहल की है। बस्तर के इस अंचल में अब बड़े पैमाने पर कॉफी की खेती प्रारंभ करने की तैयारी की जा रही है। इसी सिलसिले में कलेक्टर नारायणपुर ने भारत सरकार के कॉफी बोर्ड के विशेषज्ञों के साथ कुतुल, कच्चापाल, कोडलियार, ईरकभट्टी और तोके सहित आस–पास के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों का विस्तृत जमीनी निरीक्षण किया।

जलवायु और मिट्टी कॉफी के लिए बेहद अनुकूल

निरीक्षण के दौरान कॉफी बोर्ड के विशेषज्ञ दल ने क्षेत्र की जलवायु, वार्षिक वर्षा, तापमान, मिट्टी की प्रकृति और समुद्र तल से ऊंचाई का गहन वैज्ञानिक अध्ययन किया। बोर्ड के अधिकारियों ने पुष्टि की कि अबूझमाड़ का प्राकृतिक वातावरण कॉफी उत्पादन के लिए पूरी तरह अनुकूल है। यहाँ 'कॉफी आधारित कृषि वानिकी मॉडल' विकसित कर बड़े पैमाने पर स्थानीय ग्रामीणों को रोजगार से जोड़ा जा सकता है।

चार साल में शुरू होगा उत्पादन, ग्रामीणों को मिलेगी स्थायी आय विशेषज्ञों के अनुसार, कॉफी के पौधों का करीब चार वर्षों तक रख–रखाव करने के बाद व्यावसायिक उत्पादन शुरू हो जाता है। इसके बाद यह ग्रामीणों के लिए पीढ़ी–दर–पीढ़ी नियमित आय का जरिया बनेगा। इस पूरी परियोजना में स्थानीय स्व–सहायता समूहों (स.।ब्रह्य) और ग्रामीणों की सीधी भागीदारी तय की जाएगी, जिससे हर परिवार के कम से कम एक सदस्य को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रोजगार मिल सके। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य अबूझमाड़ के अनुकूल प्राकृतिक वातावरण का सही उपयोग करना, वनों का संरक्षण करना और स्थानीय ग्रामीणों को आय का एक स्थायी व मजबूत जरिया देना है। प्रारंभिक चरण में भूमि का चयन कर प्लांटेशन और स्थानीय स्तर पर नर्सरी की शुरुआत की जा रही है।

ओडिशा के कोरापुट में ट्रेनिंग लेंगे जिले के अधिकारी

कॉफी बोर्ड के अधिकारियों के सुझाव पर कलेक्टर ने जिले के कृषि अधिकारियों और कर्मचारियों को तकनीकी प्रशिक्षण के लिए ओडिशा के कोरापुट भेजने के निर्देश दिए हैं। वहाँ अधिकारी कॉफी उत्पादन, पौध प्रबंधन, पर्यावरणीय पहलुओं की मार्गदर्शन कर सकें।

विशेषज्ञ दल के साथ चर्चा के दौरान यह बात भी सामने आई कि अबूझमाड़ की वादियाँ चाय की खेती के लिए भी उपयुक्त हैं।

छत्तीसगढ़ में पिछले दो दिनों से हो रही झमाझम बारिश, अगले 24 घंटे के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ में पिछले दो दिनों से मूसलाधार बारिश जारी है। उफनती नदियां, जलमग्न बस्तियां, ध्वस्त होती सड़कें और टूटते पुल–पुलियों ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। कई गांवों का जिला मुख्यालयों से संपर्क टूट चुका है, जबकि नदी–नालों के तेज बहाव ने लोगों की मुश्किलें कई गुना बढ़ा दी हैं। राजधानी रायपुर में फाफाडीह अंडरब्रिज पूरी तरह पानी में डूब गया है, जिससे यातायात व्यवस्था चरमरा गई है। प्रदेश के कई शहरों

और कस्बों में सड़कों पर पानी भरने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं राजनांदगांव में रेलवे ओवरब्रिज की सड़क बीच से धंस गई।

मौसम विभाग के अनुसार, राजिम में 19 सेंटीमीटर और दुर्ग में 18 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई है। रायपुर, राजनांदगांव और पाटन में 15–15 सेंटीमीटर तथा गोबरा नवापारा और माना में 14–14 सेंटीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई। लगातार हो रही बारिश से बांधों और जलाशयों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। मौसम विभाग ने स्पष्ट किया है कि 8 जुलाई से पहले राहत मिलने की संभावना बेहद कम है। अगले 24 घंटे के लिए कई जिलों में ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया गया है। लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने, नदी–नालों से दूर रहने और प्रशासन की सलाह का पालन करने की अपील की गई है। बारिश ने सरकारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता हैं। राजनांदगांव में रेलवे ओवरब्रिज रायपुर रेलवे स्टेशन की छत से पानी टपकने का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

मुख्यमंत्री साय आज 112 करोड़ से अधिक के कार्यों का करेंगे लोकार्पण-भूमिपूजन

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज सोमवार को रायपुर जिले के समोदा में 112 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन करेंगे। इनमें 21 करोड़ 67 लाख रुपये के 67 कार्यों का लोकार्पण और 90 करोड़ 34 लाख रुपये लागत के 29 निर्माण कार्यों के भूमिपूजन शामिल हैं।

उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन व लोक निर्माण मंत्री अरुण साव कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। वन एवं पर्यावरण तथा रायपुर जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री गुरु खुशवंत साहेब और सांसद बृजमोहन अग्रवाल कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आरंग क्षेत्र के ग्रामीण एवं शहरी इलाकों में लोक निर्माण विभाग के 9 करोड़ 43 लाख रुपये के तीन कार्यों, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के 79 लाख रुपये के पांच कार्यों, नगर पंचायत समोदा के 6 करोड़ 67 लाख रुपये के 20 कार्यों तथा आरंग नगर पालिका में 4 करोड़ 78 लाख रुपये के 39 कार्यों का लोकार्पण करेंगे।

साय लोक निर्माण विभाग द्वारा किए जाने वाले 61 करोड़ 11 लाख रुपये लागत के 8 कार्यों, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के दो करोड़ 54 लाख रुपये के 11 कार्यों एवं समोदा नगर पंचायत के 8 करोड़ 70 लाख रुपये के 9 कार्यों का भूमिपूजन करेंगे। वे स्वास्थ्य विभाग द्वारा नवा रायपुर के सेक्टर–17, कोटरा भाठा में 18 करोड़ रुपये की लागत से बनाए जा रहे 100 बिस्तर अस्पताल का भी भूमिपूजन करेंगे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आरंग क्षेत्र के ग्रामीण एवं शहरी इलाकों में लोक निर्माण विभाग के 9 करोड़ 43 लाख रुपये के तीन कार्यों, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के 79 लाख रुपये के पांच कार्यों, नगर पंचायत समोदा के 6 करोड़ 67 लाख रुपये के 20 कार्यों तथा आरंग नगर पालिका में 4 करोड़ 78 लाख रुपये के साय लोक निर्माण विभाग द्वारा किए जाने वाले 61 करोड़ 11 लाख रुपये लागत के 8 कार्यों, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के दो करोड़ 54 लाख रुपये के 11 कार्यों एवं समोदा नगर पंचायत के 8 करोड़ 70 लाख रुपये के 9 कार्यों का भूमिपूजन करेंगे।

स्काउट एवं गाइड के माध्यम से बच्चों का सर्वांगीण विकास राष्ट्र निर्माण की मजबूत नींव- किरण सिंह

जगदलपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

भारत स्काउट एवं गाइड जिला बस्तर के जिला मुख्य आयुक्त सुरेश प्रसाद गुप्ता के नेतृत्व में स्काउट एवं गाइड परिवार ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव से सौजन्य भेंट कर जिले में संचालित स्काउट एवं गाइड की गतिविधियों, उपलब्धियों तथा भविष्य की योजनाओं से अवगत कराया। इस दौरान बस्तर जिले में स्काउट एवं गाइड को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाओं और संसाधनों की आवश्यकता पर भी विस्तार से चर्चा हुई।

इस अवसर पर रोशन झा, परमेश राजा, मनोज महापात्र जिला आयुक्त, लिलेश कुमार देवांगन जिला सचिव, दशरू राम यादव जिला संगठन आयुक्त, स्काउट मीरा हिरवानी, जिला संगठन आयुक्त गाइड राज किशोर तिवारी, जिला क्वाटर मास्टर गोपेंद्र सिंह शार्दुल, जिला कोषाध्यक्ष विजय चंद्राकर, जिला मीडिया प्रभारी गिरवर सिंह रावटे, तनुल गुप्ता, नीरज मरावी, दीप्ति बारले उपस्थित रहे।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि शिक्षा विभाग के सहयोग से जिले के शासकीय विद्यालयों में भारत स्काउट एवं गाइड का संचालन निरंतर किया जा रहा है। संस्था विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, चरित्र निर्माण, आत्मनिर्भरता, सेवा भावना, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं राष्ट्रप्रेम जैसे मूल्यों का विकास कर उन्हें आदर्श नागरिक बनाने का कार्य कर रही है। स्काउट एवं गाइड का ध्येय सदैव तत्पर की भावना के साथ सेवा, सहयोग और संस्कारों को जीवन का हिस्सा बनाना है।

जिला मुख्य आयुक्त सुरेश प्रसाद गुप्ता ने बताया कि बस्तर जिले में स्काउट एवं गाइड के माध्यम से विद्यार्थियों को आपदा प्रबंधन, प्राथमिक उपचार, पर्यावरण संरक्षण, सामुदायिक सेवा, स्वच्छता अभियान, नेतृत्व प्रशिक्षण एवं व्यक्तित्व विकास जैसी गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि आवश्यक संसाधन एवं सुविधाएं उपलब्ध हों तो जिले के हजारों विद्यार्थियों को इस अभियान से जोड़कर उनके व्यक्तित्व विकास के साथ साथ राष्ट्र निर्माण की दिशा में और अधिक प्रभावी कार्य किए जा सकते हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव ने स्काउट एवं गाइड परिवार के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि भारत स्काउट एवं गाइड केवल एक संगठन नहीं बल्कि संस्कार, अनुशासन, सेवा और नेतृत्व की पाठशाला है। उन्होंने कहा कि ऐसे संगठन नई पीढ़ी को जिम्मेदार, राष्ट्रभक्त एवं समाज के प्रति संवेदनशील नागरिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने सुरेश गुप्ता सहित स्काउट एवं गाइड से जुड़े सभी शिक्षकों, पदाधिकारियों एवं स्वयंसेवकों को शुभकामनाएं देते हुए संगठन के विकास और आवश्यक बुनियादी सुविधाओं के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। भेंट के दौरान स्काउट एवं गाइड परिवार ने विश्वास व्यक्त किया कि जनप्रतिनिधियों एवं समाज के सहयोग से बस्तर जिले में स्काउट एवं गाइड का दायरा और अधिक विस्तृत होगा तथा अधिकाधिक को इससे जोड़कर उनके उज्ज्वल भविष्य एवं सशक्त राष्ट्र निर्माण की दिशा में सार्थक कार्य किए जाएंगे।

उप अंकेक्षक भर्ती परीक्षा, 662 परीक्षार्थी हुए शामिल

जगदलपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा आयोजित उप अंकेक्षक भर्ती परीक्षा रविवार जुलाई को बस्तर जिला मुख्यालय जगदलपुर में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। परीक्षा का आयोजन सुबह 10 से दोपहर 12.15 बजे तक निर्धारित समय पर किया गया, जिसमें शामिल होने के लिए सुबह से ही परीक्षार्थियों में भारी उत्साह देखा गया। इस भर्ती परीक्षा में शामिल होने के लिए कुल 1,064 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 662 आवेदकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और 402 उम्मीदवार अनुपस्थित रहे। इस प्रकार कुल उपस्थिति का ग्राफ 62.2 प्रतिशत से अधिक रहा।

अगर केंद्रवार आंकड़ों पर नजर डालें तो शासकीय काकतीय स्नातकोत्तर कॉलेज में पंजीकृत 360 छात्रों में से 226 उपस्थित और 134 अनुपस्थित पाए गए। इसी तरह झाड़ा सिरहा शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में भी 360 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जहाँ सबसे ज्यादा 233 छात्रों ने परीक्षा दी और 127 अनुपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त शासकीय दंतेश्वरी स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय में पंजीकृत कुल 344 परीक्षार्थियों में से 203 उपस्थित दर्ज किए गए, जबकि 141 छात्र परीक्षा में शामिल नहीं हो सके।

कलेक्टर श्री आकाश छिकारा के नेतृत्व में सभी निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर शासन के दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन किया गया, जिसके चलते पूरी परीक्षा बिना किसी बाधा के निष्पक्ष, पारदर्शी और अत्यंत शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई।

शाला प्रवेशोत्सव, बच्चों में उत्साह

कोण्डागांव, (प्रतिदिन राजधानी)

कोण्डागांव जिले के विकासखंड माकड़ी के कांटागांव में विकासखंड स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जुगबती पोयाम, अध्यक्ष, जनपद पंचायत माकड़ी रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता बैसाखू कोर्राम, उपाध्यक्ष, जनपद पंचायत माकड़ी ने की। विशिष्ट अतिथियों के रूप में रदमा सुदर बघेल, सदस्य, जिला पंचायत कोंडागांव, जनपद सदस्य मेशलाल पोयाम, अंगद पटेल, रामलाल नेताम, पन्नालाल नेताम, जुगबती नेताम एवं पूजा शर्मा, मोतीराम मरकाम, सरपंच, ग्राम पंचायत काँटागांव तथा सोना राम शोरी, सरपंच, ग्राम पंचायत उदेंगा उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान कक्षा 1वीं के 56 एवं कक्षा 6वीं के 52 विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तक, गणवेश, स्कूल बैग, जूता-मोजा एवं छाता वितरित किए गए। वहीं कक्षा 9वीं के 30 विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तक, स्कूल बैग, जूता-मोजा एवं छाता प्रदान किए गए। इस अवसर पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना शिक्षा विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित विद्यालय आने, मन लगाकर पढ़ाई करने तथा अपने जीवन में अनुशासन एवं नैतिक मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया। साथ ही पालकों से बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने की अपील की। मुख्य अतिथि एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को शिक्षा का महत्व बताते हुए मेहनत, अनुशासन एवं संस्कारों के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि आज के विद्यार्थी ही देश का भविष्य हैं और शासन द्वारा संचालित विभिन्न शैक्षणिक योजनाओं का लाभ उठाकर उन्हें अपने सपनों को साकार करना चाहिए।

3 चोरी का खुलासा, एक नाबालिग समेत 5 आरोपी पकड़ाए

कांकेर, (प्रतिदिन राजधानी)

चारामा पुलिस और जिला साइबर सेल की संयुक्त टीम ने नगर में हुई तीन चोरी की वारदातों का खुलासा करते हुए चार आरोपियों और एक नाबालिग को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 84 हजार रुपये मूल्य का चोरी का सामान तथा 11,200 रुपये नकद बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार आरोपियों ने 30 जून की रात चारामा नगर के दुकानों एवं सूने मकानों के ताले तोड़कर गैस सिलेंडर, ड्रिल मशीन, हेमर मशीन, कांसे के गिलास, चांदी की मूर्तियां तथा नकदी की चोरी की थी। मामले में थाना चारामा में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई।

जांच के दौरान पुलिस ने करीब 250 सीसीटीवी फुटेज खंगाले और 2,000 से अधिक मोबाइल नंबरों का तकनीकी विश्लेषण किया। संदेह के आधार पर सूरज देवांगन उर्फ टोटो और संजू सोनकर को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में दोनों ने प्रमोद गंगाधर, प्रीतम सिंह और एक नाबालिग के साथ मिलकर चोरी करना स्वीकार किया।

आरोपियों ने बताया कि चोरी की गई नगदी और सामान का आपस में बंटवारा कर लिया गया था तथा कुछ रकम खर्च कर दी गई थी। पुलिस ने आरोपियों से दो गैस सिलेंडर, एक ड्रिल मशीन, एक हेमर मशीन, दो लोहे के रॉड, दो कांसे के गिलास, दो चांदी की मूर्तियां, दो मोबाइल फोन, बिना नंबर की एक स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल और 11,200 रुपये नकद बरामद किए हैं। आरोपियों ने फरसगांव क्षेत्र में भी चोरी की वारदात करना स्वीकार किया है, जिसकी जांच जारी है।

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश कर दिया है। मुख्य आरोपी सूरज देवांगन उर्फ टोटो थाना चारामा का निगरानी बदमाश है, जिसके विरुद्ध चोरी सहित कई गंभीर अपराध दर्ज हैं तथा उसके विरुद्ध जिला बदर की कार्रवाई भी प्रक्रियाधीन है। अन्य आरोपियों के विरुद्ध भी पूर्व से चोरी के मामले दर्ज पाए गए हैं।

परिवार के7 सदस्यों ने की घर वापसी

जगदलपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

बस्तर जिले के नानगुर क्षेत्र के कुलगाँव में आज एक परिवार के सात सदस्यों ने ईसाई पंथ छोड़कर पुनः सनातन धर्म को स्वीकार किया।

समाज के अध्यक्ष धनुर्जय कश्यप ने बताया कि परिवार लगभग सात माह पूर्व ईसाई पंथ में मतांतरित हुआ था। धार्मिक रीति रिवाजों एवं वैदिक परंपराओं के अनुसार आयोजित कार्यक्रम में सभी सातों सदस्यों ने पुनः सनातन धर्म को अपनाने का संकल्प लिया द्य कार्यक्रम के दौरान उपस्थित समाज के लोगो ने परिवार का स्वागत किया और माहारा समाज के उन परिवारों से भी आग्रह करता हूं पुनः अपने सनातन धर्म की ओर लौटे, समाज आपका ससम्मान स्वागत हेतु तैयार है।प्रेम चालकी ने कहा- हम किसी भी व्यक्ति के धर्म या आस्था का अनादर नहीं करते। जो लोग अपनी स्वेच्छा और बिना किसी दबाव के अपनी पूर्वजों की परंपरा एवं सनातन धर्म में वापस लौटने का निर्णय लेते हैं, उनका समाज सम्मानपूर्वक स्वागत करता है। आज एक ही परिवार के सात सदस्यों ने अपनी इच्छा से घर वापसी की है।

इस अवसर पर कचरा पाठी परगना माहारा समाज के संरक्षक प्रेम चालकी, अध्यक्ष धनुर्जय कश्यप, सम्पत कश्यप, सोमारु कुमार, लूदर बघेल, जीवनदास पाइक, सचिव प्रकाश नागेश, सुरेंद्र सोनी, सदानंद कश्यप, डमरू, गोजुराम, नारायण, भुरलु राम, रमेश कश्यप, भागीरथी,सदा तथा मोतीराम सहित समाज के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

खेत में गाय का शिकार, पंजों के निशान मिले, वन विभाग अलर्ट

जगदलपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

नानगुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत कैका चेरबहार में शुक्रवार रात एक हिंसक वन्यजीव ने खेत में बंधी गाय का शिकार कर दिया। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

ग्रामीण हमलावर को बड़ा मांसाहारी वन्यजीव बता रहे हैं, जबकि वन विभाग ने किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले जांच शुरू कर दी है और क्षेत्र में ट्रैप कैमरे लगाकर निगरानी बढ़ा दी है।

जानकारी के अनुसार जिला मुख्यालय से करीब 20 किलोमीटर दूर स्थित कैका चेरबहार गांव में शुक्रवार रात लगभग 9 बजे किसी जंगली जानवर ने एक गाय पर हमला कर उसे मार डाला। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

जांच के दौरान खेत के आसपास पंजों के निशान मिले हैं। ग्रामीणों का दावा है कि हमला किसी बड़े हिंसक वन्यजीव ने किया है।

वहीं, वन विभाग का कहना है कि केवल पदचिह्नों के आधार पर किसी वन्यजीव की पहचान की पुष्टि नहीं की जा सकती। इसके लिए ट्रैप कैमरे लगाए गए हैं और पदचिह्नों का विशेषज्ञों द्वारा अध्ययन कराया जा रहा है। बताया जा रहा है कि हमलावर वन्यजीव गाय को मारने के बाद उसके शव को करीब 20 मीटर तक घसीटकर खेत की मेड़ के पास ले गया था। इस घटना के बाद कैका चेरबहार सहित आसपास के गांवों के ग्रामीणों में भय का माहौल है।

वन विभाग ने लोगों से रात के समय अकेले खेतों और जंगल से लगे क्षेत्रों में नहीं जाने तथा किसी भी संदिग्ध वन्यजीव की गतिविधि दिखने पर तत्काल विभाग को सूचना देने की अपील की है।-

अतिक्रमण से प्रभावित 7 परिवारों को मिला अस्थायी आवास

भिलाई नगर, (प्रतिदिन राजधानी)

नगर पालिक निगम भिलाई ने अवैध कब्जों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के साथ मानवीय संवेदनाओं का भी परिचय दिया है। शुक्रवार को निगम सभागार में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत प्रभावित 7 परिवारों को लॉटरी प्रक्रिया के माध्यम से अस्थायी आवास आबंटित किए गए, ताकि स्थायी आवास बनने तक उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

हाल ही में उच्च न्यायालय, बिलासपुर के आदेश के पालन में निगम ने अवैध कब्जों के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की थी। जिस भूमि से अतिक्रमण हटाया गया, उसी स्थान पर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास निर्माण के लिए शासन से स्वीकृति मिल चुकी है। निर्माण कार्य पूर्ण होने तक प्रभावित परिवारों के पुनर्वास की जिम्मेदारी निभाते हुए निगम ने उन्हें अस्थायी आवास उपलब्ध कराया। कार्यक्रम में विधायक रिकेश सेन ने कहा कि सरकार और निगम का उद्देश्य केवल अवैध कब्जे हटाना नहीं, बल्कि पात्र जरूरतमंद परिवारों को सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराना भी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जल्द ही इन परिवारों को स्थायी आवास मिलेंगे।

निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने बताया कि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी रहे, इसके लिए लॉटरी प्रणाली से अस्थायी आवास आबंटित किए गए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य तेजी से पूरा कराया जाएगा ताकि परिवार जल्द अपने स्थायी घरों में प्रवेश कर सकें। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा, उपायुक्त दिनेश कोसरिया, अधीक्षण अभियंता अजीत तिग्गा, जोन आयुक्त कुलदीप गुप्ता, उप अभियंता दीपक देवांगन, पार्षद गिरजा बंछोर, सरिता देवी तथा आवास प्रभारी विद्याधर देवांगन उपस्थित रहे।

महिला संचालक से पेटीएम एजेंट ने की लाखों की धोखाधड़ी

दुर्ग, (प्रतिदिन राजधानी)

शर्मा कृषि केंद्र के नाम से दुकान का संचालन कर रही महिला के साथ पेटीएम एजेंट अभियुक्त संत कुमार पात्रे ने बिना परिवादिनी को किसी जानकारी दिए उसके मोबाइल फोन पर लाखों रुपए का लोन लेकर धोखाधड़ी किया। इसको लेकर पीड़िता ने न्यायालय में आवेदन लगाया था। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी कुमारी एंजल वामिको तिग्गा की कोर्ट ने आरोपी के खिलाफ धारा 318 (4) के तहत अपराध दर्ज करने का आदेश दिया है। कोतवाली पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस ने बताया कि परिवादिनी मधु शर्मा गंजपारा निवासी है और उसका शर्मा कृषि केंद्र के नाम से दुकान है। 25 नवंबर 2025 को पेटीएम एजेंट अभियुक्त संत कुमार पात्रे निवासी सेक्टर 2 जामा मस्जिद के सामने भिलाई उसकी दुकान में साउंड बॉक्स लगाने आया हुआ था। उसने परिवादिनी के मोबाइल में पेटीएम के माध्यम से 2,16,000 रुपए का लोन लिया जिसकी जानकारी महिला को नहीं थी। 27 नवंबर को पुनः पेटीएम अभियुक्त संत कुमार पात्रे परिवादिनी के दुकान में आकर मोबाइल मांगा और मोबाइल पर पेटीएम से 100000 रुपए की राशि अपने अकाउंट में डालकर ट्रांसफर कर लिया। इसके बाद पुनः 1 दिसंबर को एक लाख रुपए की राशि अपने अकाउंट में ट्रांसफर कर लिया था। पेटीएम बिजनेस ऐप के द्वारा परिवादिनी को फोन आया और उन्होंने परिवादिनी को बताया कि उनके नाम पर लाखों रुपए का लोन लिया गया है। इसके बाद परिवादिनी को जानकारी हुई कि संत कुमार पात्रे ने उसके साथ फ्रॉड किया है। आरोपी ने परिवादिनी के साथ छल पूर्वक एवं कपट पूर्वक धोखाधड़ी की घटना को अंजाम दिया था।

नेहरू नगर में अवैध प्रीकास्ट बाउंड्रीवाल पर चला बुलडोजर, 4 अवैध कब्जे हटाए

भिलाईनगर, (प्रतिदिन राजधानी)

भिलाई नगर, 4 जुलाई। नगर पालिक निगम भिलाई ने अवैध अतिक्रमण और कब्जों के खिलाफ एक बार फिर सख्त कार्रवाई करते हुए नेहरू नगर क्षेत्र में शुक्रवार को चार अलग-अलग अवैध प्रीकास्ट बाउंड्रीवाल को ध्वस्त कर दिया। निगम और पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम ने जेसीबी की मदद से कार्रवाई करते हुए सरकारी भूमि पर किए गए अवैध कब्जे को हटाया।

नगर निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार सभी जोन क्षेत्रों में अवैध अतिक्रमण, कब्जे और बिना अनुमति किए गए निर्माणों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जोन-1 क्षेत्र के नेहरू नगर स्थित हाईटेक हॉस्पिटल के समीप मॉडल टाउन में अवैध रूप से प्रीकास्ट बाउंड्रीवाल बनाकर दुकानें संचालित किए जाने की शिकायत निगम को मिली थी।

वार्ड प्रभारी की जांच रिपोर्ट में शिकायत सही पाए जाने के बाद निगम प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई का निर्णय लिया। राजस्व विभाग, बेदखली दस्ता और पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और जेसीबी मशीन से चारों अवैध प्रीकास्ट बाउंड्रीवाल को हटाकर कब्जा मुक्त कराया। निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शहर में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा, बिना अनुमति निर्माण और अतिक्रमण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में शिकायत मिलने पर तत्काल जांच कर नियमानुसार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

दीवार फांद स्क्रैप चोरी, दो बंदी

दुर्ग, (प्रतिदिन राजधानी)

भिलाई स्टील प्लांट में दीवार फांदकर स्क्रैप लोहा चोरी करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। भिलाई भट्ठी पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी का 220 किलोग्राम स्क्रैप आयरन एवं घटना में प्रयुक्त स्कूटी जब्त की है।

पुलिस ने प्रकरण में एक आरोपी को घटना के समय मौके पर तथा दूसरे आरोपी को विवेचना के दौरान गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा है। इस मामले में अन्य फरार आरोपी की तलाश की जा रही है। पुलिस ने बताया कि 30 जून की रात 8 बजे भिलाई स्टील प्लांट के केनाल गेट के पास बिना नंबर की स्कूटी में दो व्यक्ति लगभग 220 किलोग्राम स्क्रैप आयरन चोरी कर ले जा रहे थे। सीआईएसएफ की टीम द्वारा रोकने का प्रयास करने पर स्कूटी में पीछे बैठा एक व्यक्ति अंधेरे का लाभ उठाकर फरार हो गया जबकि चालक को पुलिस ने सामान सहित मौके पर पकड़ लिया था।

पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम सोनू नायक निवासी सेक्टर 5 भिलाई बताया तथा अपने अन्य साथियों के साथ भिलाई स्टील प्लांट की दीवार फांदकर परिसर में प्रवेश कर स्क्रैप लोहा चोरी करना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा है। दूसरे आरोपी पुष्पेंद्र दीप उर्फ पुष्पा निवासी सड़क 17 सेक्टर 5 को भी गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है। अन्य की तलाश टीम कर रही है।

खेल समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशित हेतु संपर्क करे : 9806044444
प्रतिदिन राजधानी
रायपुर, मंगलवार, 07 जुलाई 2026
https://epaper.pratidinrajdhani.in

ब्राजील फुटबॉल वर्ल्ड कप से बाहर, नॉर्वे ने 2-1 से हराया

नेमार ने लिया सन्यास , नॉर्वे पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचा, इंग्लैंड भी जीता...

ईस्ट रदरफोर्ड । 5 बार का चैंपियन ब्राजील फुटबॉल वर्ल्ड कप से बाहर हो गया। नॉर्वे ने सोमवार को प्री क्वार्टर फाइनल में ब्राजील को 2-1 से हराया। नॉर्वे पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचा है। अब उसका मुकाबला इंग्लैंड से होगा। इंग्लिश टीम ने मेजबान मैक्सिको को 3-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। ब्राजील के स्टार फुटबॉलर नेमार ने इस हार के बाद संन्यास ले लिया। उन्होंने अमेरिका के न्यू जर्सी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में ब्राजील की ओर से एकमात्र गोल किया। नॉर्वे की ओर से दोनों गोल एरलिंग हालैंड ने दागे। 34 साल नेमार ने कहा, 'मैंने पूरी कोशिश की। मेरा सफर यहीं से शुरू हुआ था और अब यहीं खत्म हो गया। ब्राजील के लिए मेरा अध्याय अब खत्म हो चुका है।' उन्होंने 2010 में इसी मैदान (तत्कालीन मेटलाइफ स्टेडियम) पर अमेरिका के खिलाफ ब्राजील के लिए डेब्यू किया था।

पेनल्टी पर गोल नहीं कर सका ब्राजील : ब्राजील के पास पहले हाफ में 15वें मिनट के करीब बढ़त लेने का मौका मिला। वीडियो असिस्ट रीव्यू यानी वीएआर के बाद टीम को पेनल्टी मिली, लेकिन ब्रूनो गुइमारेस का शॉट नॉर्वे के गोलकीपर ऑर्जन नीलैंड ने डाइव लगाकर रोक दिया। नीलैंड ने गेब्रियल मार्टिनेली और विनीसियस जूनियर की कोशिशें नाकाम कीं और पहले हाफ में स्कोर 0-0 बनाए रखा।

हालैंड ने 72वें मिनट में पहला गोल किया : दूसरे हाफ में ब्राजील के युवा स्ट्राइकर एंड्रिक ने आसान मौका गंवाया। इसके बाद नॉर्वे ने जवाबी हमला बोला। 72वें मिनट में एंड्रियास शेल्डरप ने बाएं छोर से बेहतरीन क्रॉस दिया, जिस पर हालैंड ने जोरदार हेडर लगाकर नॉर्वे को 1-0 की बढ़त दिलाई। इंजरी टाइम से ठीक पहले हालैंड ने दूसरा गोल करते हुए डिफेंडर डेनिलो के पैरों के बीच से गेंद निकालकर गोल दागा और स्कोर 2-0 कर दिया। यह इस टूर्नामेंट में उनका छठा और सातवां गोल रहा। इसके साथ ही वह गोल्डन बूट की दौड़ में लियोनेल मेसी और किलियन एमबाप्पे की बराबरी पर पहुंच गए।

नेमार ने एक गोल किए

इंजरी टाइम के 10वें मिनट में नेमार ने पेनल्टी पर गोल कर स्कोर 2-1 जरूर किया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। यह गोल सिर्फ हार का अंतर कम कर सका। ब्राजील 1990 के बाद पहली बार वर्ल्ड कप से इतने शुरुआती चरण में बाहर हुआ।

नेमार का इंटरनेशनल करियर खत्म

लगातार चोटों से जूझ रहे नेमार इस वर्ल्ड कप में सिर्फ दो मैच खेल सके। नॉर्वे के खिलाफ वे दूसरे हाफ में उतरे और पेनल्टी पर गोल किया। ब्राजील के कप्तान मार्किन्योस ने कहा, 'अब नई पीढ़ी के खिलाड़ियों का समय है। हमें उम्मीद है कि ब्राजील के फैंस उन्हें धैर्य और पूरा समर्थन देंगे।'

4 वर्ल्ड कप में गोल करने की पेले की बराबरी की : नेमार ने 130 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। ब्राजील के लिए उनसे ज्यादा मैच सिर्फ काफू (142) ने खेले। अपने अंतिम मैच में गोल कर नेमार ने दिग्गज पेले के एक रिकॉर्ड की बराबरी भी कर ली है। दोनों खिलाड़ियों ने 4-4 फीफा वर्ल्ड कप में गोल किए हैं। नेमार अंतरराष्ट्रीय गोल करने के मामले में पेले से तीन गोल आगे हैं। पेले के नाम 77 गोल हैं। जबकि नेमान के नाम 80 गोल हैं।

ब्राजील लगातार छठे वर्ल्ड कप में यूरोपीय टीम से हारा

लगातार छठा फीफा वर्ल्ड कप है, जब ब्राजील किसी यूरोपीय टीम से हारा। 2006 में वह फ्रांस, 2010 में नीदरलैंड, 2014 में जर्मनी, 2018 में बेल्जियम, 2022 में क्रोशिया और 2026 में नॉर्वे से हारकर बाहर हुआ।

इंग्लैंड लगातार तीसरी बार क्वार्टरफाइनल में

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के प्री-क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड ने मेजबान मेक्सिको को 3-2 से हराकर लगातार तीसरी बार क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। दूसरे हाफ में जरेल क्वांसा के रेड कार्ड के बाद इंग्लैंड ने करीब 35 मिनट 10 खिलाड़ियों के साथ खेला, लेकिन बढ़त बरकरार रखी। जूड बेलिंगहैम ने 36वें और 38वें मिनट में लगातार दो गोल कर इंग्लैंड को 2-0 की बढ़त दिलाई। हाफ टाइम से पहले जूलियन क्विनोनेस ने मेक्सिको के लिए एक गोल कर स्कोर 2-1 कर दिया। 54वें मिनट में क्वांसा को रेड कार्ड मिला। इसके बावजूद 60वें मिनट में हैरी केन ने पेनल्टी पर गोल कर इंग्लैंड की बढ़त 3-1 कर दी। 69वें मिनट में राउल जिमेनेज ने पेनल्टी पर गोल कर अंतर 3-2 किया, लेकिन मेक्सिको बराबरी नहीं कर सका। क्वांसा वर्ल्ड कप में रेड कार्ड पाने वाले इंग्लैंड के चौथे खिलाड़ी बने। उनसे पहले 1986 में रे विल्किंस, 1998 में डेविड बेकहम और 2006 में वेन रूनी को वर्ल्ड कप में रेड कार्ड मिला था। 2006 के बाद यह पहला मौका है जब किसी इंग्लैंड खिलाड़ी को टूर्नामेंट में बाहर भेजा गया। वहीं, मैक्सिको 1986 के बाद आठवीं बार प्री-क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाया।

महिला टी20 विश्व कप 2026 में सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज रहीं श्री चरणी

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम भले ही महिला टी20 विश्व कप 2026 के ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ सकी, लेकिन बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी ने अपने शानदार प्रदर्शन से पूरे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने का गौरव हासिल किया। उन्होंने पांच मैचों में 14 विकेट लेकर इस विश्व कप की शीर्ष विकेट लेने वाली गेंदबाज के रूप में अभियान समाप्त किया। श्री चरणी ने पूरे टूर्नामेंट में लगातार प्रभावशाली गेंदबाजी की। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नीदरलैंड के खिलाफ रहा, जहां उन्होंने मात्र 19 रन देकर चार विकेट झटके। इसके अलावा पाकिस्तान के खिलाफ 21 रन देकर तीन, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 24 रन देकर तीन, बांग्लादेश के खिलाफ 21 रन देकर दो और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 32 रन देकर दो विकेट हासिल किए। विश्व कप में श्री

चरणी ने ऑस्ट्रेलिया की सोफी मोलिन्यू, पाकिस्तान की फातिमा सना और उपविजेता इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन जैसी दिग्गज गेंदबाजों को पीछे छोड़ दिया। ऑस्ट्रेलिया की सोफी मोलिन्यू ने सात मैचों में 11 विकेट लिए, जबकि पाकिस्तान की फातिमा सना ने पांच मैचों में 11 विकेट अपने नाम किए। इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन ने सात मुकाबलों में 10 विकेट हासिल किए। वहीं वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज भी छह मैचों में 10 विकेट लेने में सफल रहीं।

हालांकि भारत का विश्व कप अभियान उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा, लेकिन श्री चरणी का प्रदर्शन टीम के लिए सबसे बड़ी सकारात्मक उपलब्धियों में से एक रहा। उनकी लगातार प्रभावी गेंदबाजी ने भविष्य के बड़े टूर्नामेंटों के लिए भारतीय टीम को नई उम्मीद दी है।

जोकोविच ने फेडरर का रिकॉर्ड तोड़ा...विंबलडन में सबसे ज्यादा 106 मैच जीतने वाले खिलाड़ी बने, ओसाका ने वर्ल्ड नंबर-1 सबालेंका को हराया

नई दिल्ली। नोवाक जोकोविच विंबलडन के इतिहास में सबसे ज्यादा मैच जीतने वाले पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। चौथे दौर में 39 साल के जोकोविच ने रूस के क्वालिफायर रोमान सफीउलिन को 7-6 (8-6), 6-3, 3-6, 6-3 से हराकर अपनी 106वीं जीत दर्ज की। इसके साथ ही उन्होंने रोजर फेडरर (105 जीत) का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया। अब पूरे विंबलडन इतिहास में उनसे आगे केवल मार्टिना नवरातिलोवा हैं, जिनके नाम 120 जीत हैं।

17वीं बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचे : इस जीत के साथ जोकोविच ने रिकॉर्ड 17वीं बार विंबलडन के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। अब उनका मुकाबला कनाडा के फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे से होगा।

मैच के दौरान गुस्से में गेंद मार दी : 132वीं रैंकिंग के रोमान सफीउलिन ने जोकोविच को कड़ी टक्कर दी। मैच की शुरुआत में जोकोविच को आंखों में परेशानी हुई। तीसरे सेट में सफीउलिन ने उनकी सर्विस ब्रेक की तो जोकोविच गुस्से में गेंद को दूसरी ओर मार बैठे। अंपायर ने उन्हें चेतावनी दी, जबकि दर्शकों ने भी हूटिंग की।

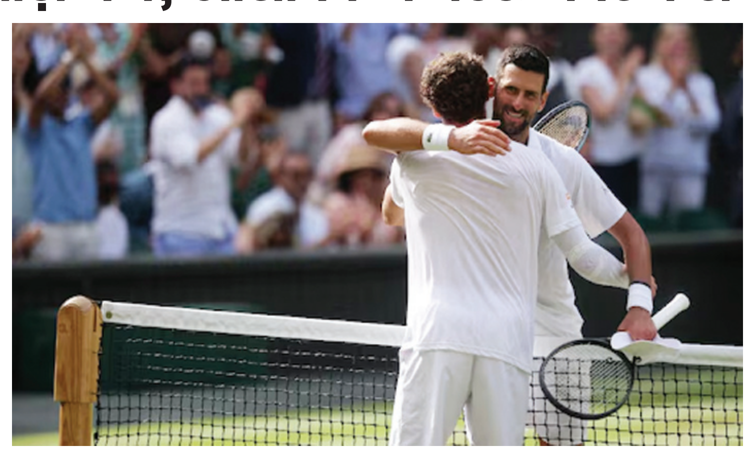

मैच के बाद बोले- गुस्से के लिए माफी चाहता हूं : मैच के बाद जोकोविच ने अपनी हरकत पर माफी मांगी। उन्होंने कहा, 'मैं अपने गुस्से और चिड़चिड़ेपन के लिए जाना जाता हूं। आज भी ऐसा ही हुआ, जिसके लिए माफी चाहता हूं। हमारा दिमाग बार-बार भटकता है। उसे वर्तमान में बनाए रखना आसान नहीं होता। जो ऐसा कर पाता है, वही आखिर में जीतता है।'

चोट से लौटे सफीउलिन ने किया परेशान : 28 साल के सफीउलिन छह महीने पहले गंभीर चोट से जूझ रहे थे, लेकिन उन्होंने जोकोविच को तीन घंटे से ज्यादा समय तक कोर्ट पर संघर्ष करने के लिए मजबूर किया। पहले सेट में उन्होंने 5-3 की बढ़त भी बना ली थी, हालांकि जोकोविच ने वापसी कर टाई-ब्रेकर में सेट जीत लिया। तीसरे सेट में सफीउलिन ने मेडिकल टाइमआउट लिया, फिर भी 6-3 से सेट जीतकर मुकाबला चौथे सेट तक पहुंचाया। आखिर में अनुभव के दम पर जोकोविच ने मैच अपने नाम कर लिया।

सिनर भी क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

दूसरी ओर, मौजूदा चैंपियन और दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी जैनिक सिनर ने जापान के क्वालिफायर शिंतारो मोचिजुकी को 6-3, 7-6 (7-0), 6-3 से हराकर लगातार पांचवीं बार विंबलडन के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। अब उनका मुकाबला जर्मनी के जान-लेनार्ड स्ट्रफ से होगा। यदि सिनर और जोकोविच अपने-अपने क्वार्टर फाइनल जीतते हैं तो सेमीफाइनल में दोनों आमने-सामने हो सकते हैं।

फेडरर के 8 खिताब की बराबरी पर नजर

जोकोविच इस बार खिताब जीतकर रोजर फेडरर के आठ विंबलडन खिताब के रिकॉर्ड की बराबरी करना चाहेंगे। साथ ही वह अपने करियर का 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के भी करीब हैं। हालांकि इस बार खेले गए चार मैचों में से तीन में उन्हें जीत के लिए चार सेट तक खेलना पड़ा है।

विराट अभी भी टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने में सक्षम : कपिल

चंडीगढ़। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव का मानना है कि विराट कोहली को टेस्ट क्रिकेट खेलते रहना था। कपिल के अनुसार विराट का समय से पहले इस प्रारुप से संन्यास का फैसला सही नहीं था। उन्होंने कहा कि वह विराट के इस कदम से बिल्कुल भी खुश नहीं थे। साथ ही कहा कि कोहली अभी भी टेस्ट क्रिकेट खेलने और भारतीय टीम में वापसी करने की पूरी क्षमता मौजूद थी। कपिल ने इस बात पर जोर दिया कि उनके लिए यह मायने नहीं रखता कि विराट 10 हजार टेस्ट रन पूरे करते या नहीं। उनका मानना है कि अगर विराट कुछ समय तक धैर्य दिखाते और अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखते, तो वह निश्चित रूप से दोबारा भारतीय टेस्ट टीम में जगह बना सकते थे। कपिल देव ने कहा, मैं विराट के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के फैसले से सहमत नहीं था। यह 10 हजार रन या किसी रिकॉर्ड की बात नहीं थी। मुझे लगता है कि अगर वह छह महीने तक धैर्य रखते और गुस्से में प्रतिक्रिया नहीं देते तो उनके पास टीम इंडिया में वापसी का

पूरा अवसर था। कपिल ने साथ ही कहा कि किसी भी खिलाड़ी के करियर में उतार-चढ़ाव आना स्वाभाविक है। उनका मानना था कि अगर चयनकर्ता या कप्तान उन्हें मौका नहीं दे रहे थे, तो उन्हें हार मानकर संन्यास लेने की जगह पर घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर रन बनाकर अपनी जगह दोबारा हासिल करनी चाहिए थी। उन्होंने विश्वास जताया, अगर सेलेक्टर उन्हें नहीं चुनते तो भी कोई बात नहीं थी। अगर कप्तान टीम में जगह नहीं देता तो भी कोई समस्या नहीं थी। उन्हें घरेलू क्रिकेट खेलकर रन बनाने चाहिए थे। उनमें टेस्ट क्रिकेट खेलने की क्षमता आज भी थी और मुझे पूरा भरोसा है कि वह वापसी कर सकते थे। कपिल ने विराट के आक्रामक स्वभाव की तुलना टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी जॉन मैकेनरो से की। उन्होंने बताया कि कुछ खिलाड़ी ऐसे होते हैं जो चुनौती और टकराव के बीच ही अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर पाते हैं। उन्होंने कहा, विराट को देखकर मुझे जॉन मैकेनरो की याद आती है।

वह जब तक लड़ते नहीं थे, तब तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाते थे। इसके विपरीत, उन्होंने राहुल द्रविड़, सुनील गावस्कर और सचिन तेंदुलकर जैसे शांत स्वभाव के खिलाड़ियों का उदाहरण दिया, जो अपने बल्ले से जवाब देते थे। हालांकि, कपिल ने यह भी माना कि कुछ खिलाड़ियों का खेलने का तरीका अलग होता है और विराट उन्हीं में से एक हैं। कपिल देव ने स्वीकार किया कि कई बार विराट का आक्रामक रवैया जरूरत से ज्यादा नजर आता था, लेकिन संभव है कि यही उनकी सफलता की सबसे बड़ी वजह भी रही हो।

यूथ हॉकी 5-एस एशियन चैंपियनशिप से पहले सब-जूनियर पुरुष राष्ट्रीय कैंप के लिए खिलाड़ियों की घोषणा

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने यूथ हॉकी 5-एस एशियन चैंपियनशिप 2026 की तैयारी के लिए सब-जूनियर पुरुष राष्ट्रीय कैंप में हिस्सा लेने जा रहे 15 खिलाड़ियों के नामों का ऐलान कर दिया है। यह प्रतियोगिता ओमान की राजधानी मस्कट में 20 से 25 जुलाई के बीच आयोजित होगी, जिससे पहले नेशनल कैंप 7 से 18 जुलाई तक चंडीगढ़ के सेक्टर 14 स्थित पंजाब यूनिवर्सिटी में आयोजित किया जाएगा। देश के होनहार युवा खिलाड़ी कोच और भारत के पूर्व कप्तान सरदार सिंह की देखरेख में ट्रेनिंग करेंगे। इस ग्रुप के सभी 15 खिलाड़ी उस भारतीय टीम का भी हिस्सा रहे हैं, जिसने हाल ही में संपन्न अंडर-18 पुरुष एशिया कप 2026 के फाइनल में मेजबान जापान को 4-1 से हराकर गोल्ड मेडल जीता

था। दो सप्ताह के इस कैंप का मकसद खिलाड़ियों को हॉकी 5-एस की रणनीतिक और तकनीकी जरूरतों से परिचित कराना और साथ ही व्यवस्थित ट्रेनिंग सेशन के जरिए उनके खेल को बेहतर बनाना है। सब-जूनियर पुरुष नेशनल कैंप को लेकर टीम के कोच सरदार सिंह ने कहा, 'इन युवा खिलाड़ियों के लिए इतने ऊंचे स्तर पर खेल के नए फॉर्मेट में भारत का प्रतिनिधित्व करने का यह एक अनोखा मौका है। अगले दो हफ्तों में हमारा मकसद खिलाड़ियों को हॉकी 5-एस की जरूरतों को समझने में मदद करना है और साथ ही उन बुनियादी बातों को मजबूत करना है जो पूरे करियर में उनके काम आएंगी।' उन्होंने कहा, 'मैं इस कैंप की मेजबानी में बेहतरीन सहयोग के लिए पंजाब यूनिवर्सिटी का भी धन्यवाद करना चाहता हूं।

तीन तेज गेंदबाजों के साथ उतरे भारतीय टीम : दीप दास गुप्ता

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर दीप दासगुप्ता का कहना है कि भारतीय टीम को अपने गेंदबाजी संयोजन पर फिर से विचार करना चाहिये। दीप दास ने ये बात इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में भारतीय टीम की हार के बाद कही। उनका कहना है कि भारतीय गेंदबाज लक्ष्य का बचाव नहीं कर पा रहे हैं। इस पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा कि टीम प्रबंधन को सीरीज के बचे हुए मैचों के लिए एक और तेज गेंदबाज को शामिल करना चाहिये। अभी भारतीय टीम दो तेज गेंदबाजों और एक ऑलराउंडर के साथ उतर रही है जबकि उसे तीन तेज गेंदबाजों और एक ऑलरांडर के साथा उतरना चाहिये। दासगुप्ता ने कहा कि एक तेज गेंदबाज को शामिल करना इसलिए जरुरी है जिससे कि अगर मुख्य तेज गेंदबाजों में से कोई एक असफल रहता है तो दूसरा कमान संभाल सकता है।

अभी के हालात ऐसे हैं कि गेंदबाजी कमजोर साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि जब टीम दो विशेषज्ञ तेज गेंदबाजों और एक ऑलराउंडर शिवम दुबे पर ही निर्भर रहती है तो उन पर दबाव बढ़ जाता है। दासगुप्ता ने कहा, भारतीय टीम के लिए चिंता का सबसे बड़ा कारण उनका गेंदबाजी संयोजन है। साथ ही कहा कि जब आप केवल दो तेज गेंदबाजों और एक ऑलराउंडर के साथ उतरते हैं तो अगर उनमें से एक भी असफल होता है तो आपके विकल्प समाप्त हो जाते हैं। उन्होंने बताया कि तेज गेंदबाजी विभाग में वैसा विकल्प न होने से इंग्लैंड टीम के लिए बीच के ओवरों में मैच पर पकड़ बनाना कठिन हो जाता है। उन्होंने कहा, बीच के ओवरों में आपके पास वैसा ही विकल्प नहीं होता है और विरोधी टीम कमजोर कड़ियों को निशाना बना सकती है। मुझे लगता है कि टीम को इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

आगामी एकदिवसीय और टेस्ट सीरीज की तैयारी में लगे बुमराह

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह मैदान पर लौट आये हैं। बुमराह को इंग्लैंड दौर पर टी20 सीरीज के लिए शामिल नहीं करते हुए ब्रेक दिया गया है। जिससे वह आने वाली टेस्ट सीरीज और एकदिवसीय विश्वकप के लिए अपनी तैयारी कर सकें। बुमराह का एक वीडियो सोशल मीडिया में आया है जिसमें वह लाल गेंद से अभ्यास करते हुए नजर आ रहे हैं। उनकी मैदान पर वापसी से प्रशंसक भी उत्साहित हैं। उनकी यह वापसी टीम इंडिया के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है,

खासकर जब टीम का ध्यान आगामी एकदिवीसीय और टेस्ट सीरीज को देखते हुए रणनीति बना रही है। गौरतलब है कि टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के बाद बुमराह आईपीएल में प्रभावित नहीं कर पाये। उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में भी आराम दिया गया था। अब उनका पूरा ध्यान 14 जुलाई से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज और उसके बाद श्रीलंका दौरे पर होने वाली टेस्ट श्रृंखला की तैयारियों पर है। इसके अलावा, उन्हें एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में भी शामिल किया गया है। बुमराह के लिए इस बार आईपीएल सत्र अच्छा नहीं रहा और वह मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए 13 मैचों में केवल 4 विकेट ले पाये। इसमें उनका औसत 102.50 और इकोनॉमी 8.36 रही। इस दौरान उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1/15 का रहा। यह उनके आईपीएल करियर का अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन रहाजिसने उनकी फॉर्म पर सवाल खड़े किए थे। बुमराह ने टी20 विश्व कप 2026 में शानदार वापसी की थी। वह आठ पारियों में 14 विकेट लेकर संयुक्त रूप से टूर्नामेंट के सबसे सफल गेंदबाज रहे थे। इस दौरान उनका औसत 12.42 और इकोनॉमी 6.21 रही। अब लाल गेंद के साथ उनकी वापसी भारत के आगामी व्यस्त टेस्ट कैलेंडर के लिए महत्वपूर्ण है। भारत की दो मैचों की टेस्ट सीरीज 15 अगस्त से श्रीलंका के खिलाफ शुरू होगी, जिसमें पहला टेस्ट गॉल में और दूसरा मुकाबला कोलंबो के एसएससी मैदान पर खेला जाएगा।

व्यापार समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशित हेतु संपर्क करें : 9806044444

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, मंगलवार, 07 जुलाई 2026

https://epaper.pratidinrajdhani.in

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने Q1FY27 में शानदार परफॉर्मेंस दिया, 16.11 लाख यूनिट्स बेचीं

रायपुर। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एचएमएसआई) ने Q1FY27 (अप्रैल-जून 2026) में लगातार अच्छा परफॉर्मेंस दिया, जिसमें कुल 16.11 लाख यूनिट्स की बिक्री हुई, जबकि Q1FY26 (अप्रैल-जून 2025) में यह 13.75 लाख यूनिट्स थी, जिससे YoY में 17% की ग्रोथ हुई। Q1FY27 के दौरान, घरेलू बिक्री 14.13 लाख यूनिट्स रही, जबकि Q1FY26 की इसी अवधि में यह 12.28 लाख यूनिट्स थी, जिससे YoY में 15% की ग्रोथ हुई। Q1FY27 में एक्सपोर्ट 1.98 लाख यूनिट रहा, जबकि Q1FY26 में यह 1.46 लाख यूनिट था, जिससे YoY में 36% की बढ़ोतरी हुई। एचएमएसआई के परफॉर्मेंस पर कमेंट करते हुए, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया के प्रेसिडेंट और सीईओ, त्सुत्सुमु ओटानी ने कहा, 'हमने पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में FY2027 की पहली तिमाही में अच्छी ग्रोथ देखी है, जिसे स्थिर डिमांड की स्थिति से सपोर्ट मिला है। यह डिसिप्लिन्ड एग्जीक्यूशन पर हमारे लगातार फोकस और कस्टमर और मार्केट की बदलती जरूरतों के साथ बने रहने की हमारी कोशिशों को दिखाता है।

अमेजन इंडिया का 10वां प्राइम डे सेलिब्रेशन

बेंगलुरु। अमेजन इंडिया प्राइम डे के 10वें एडिशन के लिए पूरी तरह तैयार है, जो 04 जुलाई से शुरू होकर 06 जुलाई की रात 11:59 बजे तक जारी रहा । ग्राहक स्मार्टफोन, इलेक्ट्रॉनिक्स, फैशन और ब्यूटी, होम एंड किचन, ग्रॉसरी और अन्य कैटेगरी में 72 घंटों तक बेहतरीन डील्स, ब्लॉकबस्टर लॉन्चेज और अब तक की सबसे तेज डिलीवरी स्पीड का आनंदलिया गया इस मील के पत्थर को चिह्नित करने के लिए, अमेजन नए सदस्यों को सालाना प्राइम मेंबरशिप पर फ्लैट 500 रुपये की छूट दे रहा है, जो मात्र 999 रुपये में मिलेगी। इसके अलावा अन्य प्लान्स 299 रुपये/वर्ष (शॉपिंग एडिशन पर 100 रुपये की छूट) और 599 रुपये/वर्ष (प्राइम लाइट पर 200 रुपये की छूट) से शुरू हो रहे हैं। सदस्यों को 10वीं एनिवर्सरी की डील्स के साथ एसबीआई डेबिट और क्रेडिट कार्ड, एक्सिस बैंक क्रेडिट कार्ड, ईएमआई ट्रांजेक्शन पर 10% तक की अतिरिक्त बचत और अमेजन पे आईसीआईसीआई बैंक क्रेडिट कार्ड के साथ अनलिमिटेड 5% कैशबैक मिलेगा, साथ ही अमेजन पे लेटर का 'पे इन 3' इंस्टॉलमेंट विकल्प उपलब्ध होगा जो 1,500 रुपये से अधिक के कार्ट पर ब्याज-मुक्त ईएमआई की सुविधा देता है। इस प्राइम डे पर, प्राइम सदस्य 500 से अधिक एक्सक्लूसिव नए प्रोडक्ट लॉन्चेज तक पहुंच सकते हैं, जिनमें वनप्लस 15आर, क्युबो कार डैशकैम प्रो 2के, एलजी 139 सेमी एनयू सीरीज (2026), वंडरशेफ नियो डिजिटल एयर फ्रायर और बहुत कुछ शामिल हैं। ग्राहक अमेजन नाउ के जरिए कुछ ही मिनटों में टॉप डील्स और नए लॉन्चेज की शॉपिंग भी कर सकते हैं। इसके अलावा, प्राइम सदस्य स्मार्टफोन, लैपटॉप, होम अप्लायंसेज, फैशन, ब्यूटी और रोजमर्रा की जरूरतों के सामान में 300 से अधिक प्रमुख ब्रांडों के 15,000 से अधिक प्रोडक्ट्स पर सबसे कम कीमतों का आनंद ले सकते हैं।

सेंसेक्स 521 अंक चढ़कर 78,285 पर बंद...निफ्टी में भी 160 अंकों की तेजी रही, मेटल और ऑटो शेयर्स में ज्यादा खरीदारी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में नरमी आने, विदेशी निवेशकों की जमकर खरीदारी और कई बैंकों के मजबूत तिमाही परिणामों के कारण घरेलू शेयर बाजार सप्ताह के पहले दिन मजबूती के साथ बंद हुआ। सोमवार को कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के कुछ देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने रफ्तार पकड़ ली। हालांकि, दोपहर 1:30 के बाद मुनाफा वसूली के चक्कर में बाजार में थोड़ी गिरावट भी आई, लेकिन कुछ देर बाद ही दोबारा खरीदारी शुरू हो जाने पर इनकी चाल में तेजी आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.67 प्रतिशत और निफ्टी 0.66 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। सोमवार को दिन भर के कारोबार के दौरान रियल्टी, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में जम कर खरीदारी होती रही। इसी तरह एनर्जी, बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, मेटल और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, मीडिया और आईटी सेक्टर के शेयरों में बिकवाली होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी सोमवार को आमतौर पर

खरीदारी होती रही, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 0.45 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉल कैप इंडेक्स ने 0.75 प्रतिशत की तेजी के साथ सोमवार को कारोबार का अंत किया। सोमवार को शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में ढाई लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन सोमवार को कारोबार के बाद बढ़ कर 482.33 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 479.69 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को सोमवार को कारोबार से करीब 2.64 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। सोमवार को दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,544 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,054 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,286 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 204 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में सोमवार को 3,016 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,371 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,645 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 17 शेयर बढ़त के साथ और 13 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 26 शेयर हरे निशान में और 24 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स सोमवार को 176.99 अंक की मजबूती के साथ 77,940.90 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के तुरंत बाद लिवाली का दबाव बनने पर यह सूचकांक मामूली गिरावट के साथ 77,879.70 अंक तक आ गया। इसके बाद खरीदारों में लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से दोपहर 1:30 बजे के करीब सेंसेक्स 634.15 अंक की छलांग लगा कर 78,398.06 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से इस सूचकांक की चाल में थोड़ी गिरावट भी आई। हालांकि, शाम तीन बजे के थोड़ी देर पहले खरीदारों एक बार फिर लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक ने दोबारा रफ्तार हासिल कर ली। बाजार में पूरे दिन हुई खरीद बिक्री के बाद सेंसेक्स 521.16 अंक की बढ़त के साथ 78,285.07 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने सोमवार को 36 अंक उछल कर 24,306.85 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बनने पर यह सूचकांक ओपनिंग लेवल से करीब 20 अंक टूट कर 24,287.10 अंक तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे निफ्टी की चाल में तेजी आ गई। बाजार में लगातार जारी खरीदारी के सपोर्ट से दोपहर 1:30 बजे के करीब यह सूचकांक 187.80 अंक की तेजी के साथ 24,458.65 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से इस सूचकांक की चाल में मामूली गिरावट भी आई। पूरे दिन के कारोबार के बाद निफ्टी 159.50 अंक की मजबूती के साथ 24,430.35 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

दिन भर हुई खरीद-बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से एचडीएफसी बैंक 3.60 प्रतिशत, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज 2.85 प्रतिशत, बजाज ऑटो 2.57 प्रतिशत, ओएनजीसी 2.55 प्रतिशत और महिंद्रा एंड महिंद्रा 2.05 प्रतिशत की मजबूती के साथ सोमवार को टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, कोटक महिंद्रा 3.89 प्रतिशत, मैक्स हेल्थकेयर 1.81 प्रतिशत, टीसीएस 1.71 प्रतिशत, कोल इंडिया 1.45 प्रतिशत और बजाज फिनसर्व 1.31 प्रतिशत की कमजोरी के साथ सोमवार को टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

आस्था स्पिनटेक्स ने निवेशकों को किया निराश, कमजोर लिस्टिंग के बाद मामूली बढ़त के साथ बंद हुए शेयर

नई दिल्ली। कॉटन यार्न का प्रोडक्शन करने वाली कंपनी आस्था स्पिनटेक्स के शेयरों ने सोमवार को स्टॉक मार्केट में गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 136 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। सोमवार को बीएसई और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 4.41 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 130 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद इस शेयर की चाल में लगातार उतार चढ़ाव होता रहा। लिवाली का सपोर्ट मिलने पर कुछ देर के लिए ये शेयर उछल कर 136.50 के अपर सर्किट लेवल तक भी पहुंचा। हालांकि बाद में बिकवाली शुरू हो जाने पर इसका अपर सर्किट ब्रेक हो गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद आस्था स्पिनटेक्स के शेयर 136.49 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह डिस्काउंट लिस्टिंग होने के बावजूद पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशक प्रति शेयर 49 पैसे यानी 0.36 प्रतिशत के मामूली मुनाफे में रहे। आस्था स्पिनटेक्स का 170 करोड़ रुपये

का आईपीओ 29 जून से एक जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 5.05 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 3.59 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 8.29 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.54 गुना और एंप्लॉयीज के लिए रिजर्व पोर्शन 5.43 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 1.25 करोड़ नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ से जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी फाल्कन यार्न्स प्राइवेट लिमिटेड का अधिग्रहण करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 1.06 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 16.29 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 22.92 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

रणवीर सिंह ने कभी अमेरिका में वेटर का काम किया, आज हैं भारत के सबसे महंगे एक्टर

एक लड़का, जो बचपन से ही फिल्मों का दीवाना था और जब उसने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा, तो उसे शुरुआत में कई रिजेक्शन झेलने पड़े। कास्टिंग काउच जैसे कड़वे अनुभवों का भी सामना करना पड़ा। यहां तक कि एक दिन जब वह काम की तलाश में अपना पोर्टफोलियो लेकर एक प्रोड्यूसर के घर पहुंचा, तो प्रोड्यूसर ने उसके पीछे कुत्ता छोड़ दिया। वही लड़का आज बॉलीवुड के सबसे बड़े सुपरस्टार्स में से एक है। उसने अपने करियर में 'धुरंधर', 'धुरंधर 2', 'पद्मावत' और 'बाजीराव मस्तानी' जैसी कई सुपरहिट फिल्में दीं।

क्रिकेटर बनना चाहते थे, अमरनाथ ने कर दिया था रिजेक्ट

सातवीं क्लास में रणवीर ने एक स्कूल मैच में सिर्फ 46 गेंदों पर 71 रन बना दिए। इस शानदार पारी के बाद उन्होंने क्रिकेटर बनने का फैसला किया। अपने दोस्तों के साथ उन्होंने पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहिंदर अमरनाथ की क्रिकेट अकादमी में ट्रायल देने का मन बनाया। रणवीर ने साल 2017 में फिल्म '83' के एक इवेंट में यह किस्सा सुनाया था। उन्होंने कहा, 'मेरे दोस्त क्रिकेट को लेकर काफी सीरियस थे और समय पर पहुंच गए, लेकिन मैं देर से पहुंचा। अमरनाथ सर पिच के पास खड़े थे। उन्होंने मुझे देर से आने और मेरा खेल देखने के बाद रिजेक्ट कर दिया। उस दिन उन्होंने मुझे रिजेक्ट करके बिल्कुल सही फैसला किया, वरना आज मैं यहां एक एक्टर के रूप में नहीं बैठा होता।'

दादी ने एक्टर बनने का सपना दिखाया था

रणवीर की दादी चांद बर्क 1950 और 1960 के दशक की मशहूर एक्ट्रेस थीं। उन्होंने राज कपूर की फिल्म 'बूट पॉलिश' से हिंदी सिनेमा में अपनी पहचान बनाई और नरगिस, राज कपूर समेत कई बड़े सितारों के साथ काम किया। वह 'बसंत बहार', 'सोहनी महिवाल', 'लाजवंती', 'अदालत' और 'दुश्मन' जैसी फिल्मों में भी नजर आईं। सिमी ग्रेवाल को दिए एक इंटरव्यू में रणवीर ने बताया था कि उनके अंदर एक्टर बनने का कीड़ा सबसे पहले उनकी दादी ने ही डाला था।

शाहरुख की फिल्म के गाने की वजह से सस्पेंड हुए थे

साल 1998 में फिल्म 'दिल से' रिलीज हुई थी और उसका सुपरहिट गाना 'छैंया-छैंया' हर किसी की जुबान पर था। उस समय रणवीर करीब 13 साल के थे और स्कूल में पढ़ते थे। शाहरुख के जबरदस्त फैन रहे रणवीर पर इस गाने का ऐसा जादू चला कि वह खुद को इसे सुनने से रोक नहीं पाए। एक दिन रणवीर क्लासरूम में चुपके से वॉकमैन पर गाना 'छैंया-छैंया' सुन रहे थे और पूरी तरह गाने में खोए हुए थे, लेकिन उनकी यह हरकत ज्यादा देर तक छिप नहीं सकी और उनकी टीचर ने उन्हें रंगे हाथों पकड़ लिया। क्लास में पढ़ाई के दौरान गाना सुनना स्कूल के नियमों के खिलाफ था। अनुशासन तोड़ने पर स्कूल प्रशासन ने सख्त कदम उठाया और रणवीर को कुछ दिनों के लिए सस्पेंड कर दिया।

'धुरंधर 2' में 48 डिग्री की गर्मी में लेदर जैकेट और विग पहन की थी शूटिंग

रणवीर की ब्लॉकबस्टर फिल्में 'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच दिया। दोनों फिल्मों ने दुनिया भर में ?3000 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर नया रिकॉर्ड बनाया। लेकिन पर्दे पर दिखने वाले इन दमदार दृश्यों के पीछे रणवीर की कड़ी मेहनत और समर्पण छिपा था। 'धुरंधर 2' के क्लाइमेक्स की शूटिंग किसी चुनौती से कम नहीं थी। 47-48 डिग्री की झुलसाती गर्मी, चारों ओर तपते मेटल कंटेनर, भारी पठानी सूट, लेदर जैकेट और सिर पर विग पहनकर रणवीर ने लगातार शूटिंग की। मेकअप और प्रोस्थेटिक आर्टिस्ट करनदीप सिंह ने बताया था कि सिर्फ इस क्लाइमेक्स सीन की तैयारी में, रिहर्सल समेत, 15 से 20 दिन लगे। लुधियाना के बाहरी इलाके में फिल्माए गए इस एक्शन सीक्वेंस में रणवीर को जलते कंटेनरों पर छलांग भी लगानी पड़ी। हालात इतने मुश्किल थे कि पूरी टीम के लिए खाना खाना तक आसान नहीं था। इसके बावजूद रणवीर ने बिना किसी शिकायत के हर सीन पूरे डेडिकेशन और भरपूर एनर्जी के साथ पूरा किया।

'धुरंधर' की सफलता के बाद भारत के सबसे महंगे एक्टर बने

फिल्म 'धुरंधर' की सफलता के बाद रणवीर सिंह सबसे ज्यादा फीस लेने वाले एक्टर बन गए। दरअसल, फिल्म 'धुरंधर' के लिए उन्होंने मेकर्स से फिक्स फीस नहीं मांगी। इसके बजाय उन्होंने कहा कि अगर फिल्म सफल होगी, तो वह उसके मुनाफे में हिस्सेदारी लेंगे। जब 'धुरंधर' और इसकी फ्रेंचाइजी ने रिकॉर्ड कारोबार किया, तो रणवीर को थिएटर कमाई के साथ डिजिटल, सैटेलाइट, म्यूजिक राइट्स और परफॉर्मेंस बोनस से भी बड़ा हिस्सा मिला। इन सभी सोर्स से रणवीर की कुल कमाई 325 करोड़ रुपए तक पहुंच गई। इसी के साथ वह भारत के सबसे ज्यादा कमाई करने वाले अभिनेता बन गए। इस मामले में उन्होंने शाहरुख खान, रजनीकांत, प्रभास और अल्लू अर्जुन जैसे बड़े सितारों को भी पीछे छोड़ दिया।

अमेरिका में स्टारबक्स में वेटर का काम किया था

रणवीर सिंह अमेरिका में पढ़ाई के दौरान पार्ट-टाइम नौकरी करते थे। इंडियाना यूनिवर्सिटी ब्लूमिंगटन में टेलीकम्युनिकेशन की पढ़ाई करते समय उन्होंने अपने खर्च पूरे करने के लिए स्टारबक्स कॉफी हाउस में वेटर और सर्वर का काम किया। रणवीर ने इस बात का खुलासा खुद 'कॉफी विद करण' शो में किया था। उन्होंने बताया कि नौकरी के दौरान वह वहां आने वाली लड़कियों को इम्प्रेस करने की पूरी कोशिश करते थे। इसके लिए उन्होंने अपने बाल लंबे रखे थे। इतना ही नहीं, वह मशहूर एनिमेटेड शो 'द सिम्पसन्स' के किरदार 'अपू' की तरह जानबूझकर भारतीय लहजे में अंग्रेजी बोलते थे, ताकि लोग उन्हें अलग और दिलचस्प समझें। अमेरिका में रहते हुए रणवीर ने एक्स्ट्रा पैसे कमाने के लिए बटर चिकन बेचने का काम भी किया था।

सगाई को तीन साल तक सीक्रेट रखा

साल 2015 में रणवीर ने दीपिका पादुकोण को शादी के लिए प्रपोज किया था। उस वक्त दोनों ने अपनी सगाई की बात दुनिया से छिपाकर रखी और करीब तीन साल तक यह राज सिर्फ परिवार के कुछ लोगों तक ही सीमित रहा। करण जौहर के शो में रणवीर ने बताया था कि उस समय उन्होंने अपनी मां और बहन की मदद से एक शानदार डायमंड रिंग खरीदी थी। वह रिंग उनकी हैसियत से कहीं ज्यादा महंगी थी, लेकिन उनके लिए दीपिका की खुशी सबसे बढ़कर थी। हॉलिडे के दौरान रणवीर ने तय किया कि प्रपोज करने का यही सही मौका होगा। मालदीव में समुद्र के बीचों-बीच एक छोटी-सी रेतीली जगह थी। चारों तरफ सिर्फ नीला पानी था और दूर-दूर तक कोई नहीं था। नाव उन्हें वहां छोड़कर चली गई। रणवीर को लगा कि इससे बेहतर पल शायद कभी नहीं मिलेगा। उन्होंने बाद में मजाक में यह भी स्वीकार किया था कि उन्होंने जानबूझकर इतना परफेक्ट माहौल चुना था, ताकि दीपिका के लिए उन्हें 'न' कहना लगभग नामुमकिन हो जाए। रणवीर घुटनों के बल बैठे, दीपिका को अंगूठी पहनाई और अपने दिल की बात कह दी। दीपिका इस सरप्राइज के लिए बिल्कुल तैयार नहीं थीं। उनकी आंखें नम हो गईं और उन्होंने मुस्कुराते हुए 'हां' कह दिया। उस एक जवाब ने रणवीर को ऐसा एहसास कराया, मानो उन्होंने पूरी दुनिया जीत ली हो। तीन साल बाद, नवंबर 2018 में इटली के लेक कोमो में दोनों ने शादी की। सितंबर 2024 में उनकी बेटी दुआ का जन्म हुआ।

प्रोड्यूसर ने रणवीर के पीछे कुत्ता छोड़ दिया था

आज रणवीर सिंह सुपरस्टार हैं, लेकिन संघर्ष के दिनों में उन्हें कई कड़वे अनुभवों से भी गुजरना पड़ा। 19वें माराकेश फिल्म फेस्टिवल में उन्होंने एक ऐसा ही किस्सा शेयर किया था। रणवीर ने बताया था कि एक बार वह काम की तलाश में अपना पोर्टफोलियो लेकर एक प्रोड्यूसर से मिलने उनके घर पहुंचे थे। वह बरामदे में बैठकर घंटों इस उम्मीद में इंतजार करते रहे कि शायद उनसे मिलने का मौका मिल जाए, लेकिन अंदर वह अपने दोस्तों के साथ बीयर पी रहे थे और मौज-मस्ती कर रहे थे। रणवीर के मुताबिक, उस व्यक्ति ने मजा करने के लिए अपने पालतू कुत्ते को उनके पीछे छोड़ दिया। अचानक बड़ा सा कुत्ता उनकी तरफ दौड़ पड़ा और वह डर के मारे पूरे बरामदे में भागने लगे। रणवीर ने कहा, 'मैं बुरी तरह डर गया था। सोचिए, एक संघर्ष कर रहे कलाकार के साथ ऐसा मजाक किया गया।' हालांकि, उन्होंने उस प्रोड्यूसर का नाम नहीं बताया था।

किसी भी महिला की खूबसूरती उसके चेहरे तक सीमित नहीं होती: ईशा कोप्पिकर

बॉलीवुड अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर का कहना है कि मनोरंजन जगत में पुरुष कलाकारों की बढ़ती उम्र को अनुभव और परिपक्वता का प्रतीक माना जाता है, जबकि महिलाओं की उम्र बढ़ने को अक्सर नकारात्मक नजरिए से देखा जाता है। अभिनेत्री ने आगे कहा कि इस सोच में बदलाव की जरूरत है और महिलाओं का सम्मान उनकी उम्र नहीं, बल्कि उनके व्यक्तित्व और जीवन के अनुभवों के आधार पर होना चाहिए। अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर ईशा कोप्पिकर ने साझा किए एक वीडियो में कहा कि फिल्मों में अक्सर बड़े उम्र के अभिनेता अपने से काफी कम उम्र की अभिनेत्रियों के साथ रोमांटिक भूमिका निभाते हैं और इसे पूरी तरह सामान्य माना जाता है। लेकिन यदि कोई महिला आत्मविश्वास के साथ अपनी पहचान जीती है, स्टाइलिश रहती है और खुलकर अपनी बात रखती है, तो उसे यह कहकर टोक दिया जाता है कि अब उसकी उम्र हो गई है और उसे उसी के अनुसार व्यवहार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि समय के साथ महिला कमजोर नहीं होती, बल्कि उसका

आत्मविश्वास, अनुभव और समझ पहले से अधिक मजबूत हो जाती है। उनके अनुसार किसी महिला की खूबसूरती केवल उसके चेहरे तक सीमित नहीं होती, बल्कि उसके जीवन के अनुभव, संघर्ष और उपलब्धियां भी उसकी वास्तविक पहचान होती हैं। चेहरे पर आने वाली झुर्रियां केवल उम्र का संकेत नहीं देतीं, बल्कि जीवन के लंबे सफर और संघर्षों की कहानी भी बयां करती हैं। अभिनेत्री ने कहा कि हर व्यक्ति की तरह महिलाओं का भी उम्र बढ़ना स्वाभाविक प्रक्रिया है।

मुंबई की लोकल ट्रेनों में सफर को याद किया रिद्धि डोगरा ने

छोटे परदे की अभिनेत्री रिद्धि डोगरा ने टेलीविजन इंडस्ट्री में अपने अभिनय का लोहा मनवाया। अभिनेत्री को अपनी प्रतिभा के दम पर शाहरुख खान जैसे बड़े सितारों के साथ काम करने का मौका भी पाया। रिद्धि ने अपने संघर्ष के दिनों और उन मुश्किलों को भूलाया नहीं है, जिन्होंने उन्हें आकार दिया। हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक भावुक पोस्ट साझा करते हुए अभिनेत्री ने भीड़-भाड़ वाली मुंबई की लोकल ट्रेनों में सफर करने के दिनों को याद किया। उन्होंने उन चुनौतियों का जिक्र किया जिनका उन्होंने सामना किया और उस दृढ़ संकल्प के बारे में बताया जिसने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में उनके रास्ते को आकार दिया। रिद्धि ने अपने पोस्ट में लिखा, मुझे हमेशा से

जुलाई का महीना पसंद रहा है। इन तस्वीरों ने जुलाई के पुराने दिनों की यादें ताजा कर दीं। जुलाई 2005 में मेरी मुंबई की कहानी शुरू हुई थी। कॉलेज से नई-नई निकली थी और बड़ी दुनिया में पढ़ने, घूमने-फिरने, जीने और सीखने के लिए उत्सुक थी। इसीलिए, मैंने मुंबई को चुना। यह एक ऐसा शहर है, जो अनजाने में मुझे लंबे समय से बुला रहा था। मुझे इस शहर की हलचल भरी जिंदगी और आकर्षण में सुकून मिलता है। उनके ये शब्द मुंबई शहर के प्रति उनके गहरे लगाव और सपनों की नगरी में अपने भविष्य को संवारने की उनकी आकांक्षा को दर्शाते हैं। रिद्धि डोगरा ने आगे लिखा कि मुंबई की लोकल ट्रेनें उनकी सबसे पसंदीदा जगह बन गई थीं। उन्होंने बताया, 2005 से 2007 के बीच मैं एक ही दिन में कई तरह के वाहनों से सफर करती थी। पहले कॉलेज जाती, फिर अपनी सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक की नौकरी पर जाती। मैं पूरा समय ट्रेन की खिड़की से बाहर देखते हुए और अपने भविष्य के सपनों के बारे में सोचते हुए मुस्कुराती रहती थी। मुझे पूरा यकीन था कि मेरा भविष्य बहुत शानदार होने वाला है। यह उनकी अटूट आशा और दृढ़ इच्छाशक्ति को दर्शाता है। उन्होंने यह भी कहा, सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि मैं अपनी किस्मत की खुद मालिक थी। आज जिसे हम विजुअलाइजेशन और मैनिफेस्टेशन कहते हैं, वह मैं उन दिनों रोज करती थी। लोग उसे 'दिन में सपना देखना' कहते थे। इस दौरान उनके आईपॉड पर एक गाना सबसे ज्यादा चलता था, जो उनके सपनों को उड़ान देता था। रिद्धि डोगरा ने टेलीविजन पर अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराई है। उन्हें असुर में नुसरत, ऑल्ट बालाजी की द मैरिड वुमन में आस्था, स्टार प्लस की मर्यादा: लेकिन कब तक? में प्रिया और वो अपना सा में निशा का किरदार निभाने के लिए विशेष पहचान मिली। उनके ये किरदार दर्शकों के दिलों में बस गए। वह नच बलिए 6 और फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी 6 जैसे लोकप्रिय रियलिटी शो में भी नजर आ चुकी हैं, जहां उन्होंने अपनी हिम्मत और प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, मंगलवार, 7 जुलाई 2026

https://epaper.pratidinrajdhani.in

परचम लहराया – जेसीआई रायपुर वामा कैपिटल ने ‘नारी संगम सीज़न 3’ के भव्य आयोजन से रचा इतिहास

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

जेसीआई रायपुर वामा कैपिटल द्वारा आयोजित ßनारी संगम – सीज़न 3 – लव यू जिंदगीß का भव्य, ऐतिहासिक एवं प्रेरणादायक आयोजन आज पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, रायपुर में अत्यंत सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। महिलाओं के नेतृत्व, सीखने, संवाद और उत्साह से परिपूर्ण इस महासम्मेलन ने एक नई पहचान स्थापित की।

कार्यक्रम में लगभग 300 संस्थाओं से 2000 से अधिक महिलाओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी महिलाओं को मेडल पहनकर उनका सम्मान किया गया । इनमें केवल रायपुर ही नहीं बल्कि बेमेतरा, राजनांदगांव, कोरबा, बिलासपुर, भिलाई, दुर्ग, कुम्हारी सहित अनेक शहरों से संस्थाएं एवं प्रतिभागी शामिल हुए। पूरा सभागार महिलाओं की उत्साहपूर्ण उपस्थिति से खचाखच भरा रहा तथा पूरे आयोजन के दौरान तालियों की गूंज लगातार सुनाई देती रही। आयोजन का वातावरण पूरे समय उत्साह, अनुशासन और सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ सायं 4:30 बजे हुआ। इसके पश्चात सायं 5:00 बजे से 7:00 बजे तक विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। प्रशिक्षण सत्र का संचालन इंटरनेशनल प्राइम ट्रेनर पीपीपी जेएफआर राजेश अग्रवाल द्वारा किया गया। ßलव यू जिंदगीß विषय पर आधारित अपने प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षक राजेश अग्रवाल ने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से बताया कि ईश्वर ने हमें इतना अच्छा जीवन दिया है जो कि पूरे ब्रह्मांड में और किसी को नहीं मिला है। उसके बावजूद हम लोग छोटी–छोटी बातों को लेकर और परिस्थितियों को दोष देते हुए परेशान रहते हैं, गुस्सा करते हैं, इरिटेट, ईर्ष्या यह सब हमारी मूलभूत स्वभाव बनते जा रहा है जिसके कारण बीमारियां होती हैं। जबकि हम लोगों को हर एक परिस्थिति का सामना शांत रहकर पॉजिटिव सोच के साथ डील करना चाहिए। अपने में बदलाव के लिए प्रेक्टिस करके आनंद और खुशी हर क्षण महसूस की जा सकती है। जिंदगी से प्यार करने के तरीकों पर उन्होंने फोकस डाला। उपस्थित महिलाओं ने पूरे अनुशासन और उत्साह के साथ प्रशिक्षण का आनंद लिया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में प्रतिभागियों से फीडबैक प्राप्त किए गए, जिनमें महिलाओं ने आयोजन को अत्यंत उपयोगी, प्रेरणादायक एवं यादगार बताया।

कार्यक्रम के समापन समारोह संस्था के वरिष्ठ पदाधिकारियों की उपस्थिति में जेसीआई रायपुर वामा कैपिटल की विशेष मैगजीन वामिका का विमोचन किया गया। संस्था की अध्यक्ष धृति वैभव शर्मा जी ने आयोजन की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे प्रशिक्षण एवं महिला सशक्तिकरण कार्यक्रमों के निरंतर आयोजन की जाएगी

इस अवसर पर विभिन्न संस्थाओं को विशेष सम्मान भी प्रदान किए गए– ओल्डेस्ट ऑर्गनाइजेशन सम्मान – गुजराती महिला मंडल बेस्ट ड्रेसअप अवॉर्ड – BGS महिला मंडल बेस्ट थीम अवॉर्ड – द्वराधे राधे ग्रुप इसके साथ ही कार्यक्रम में 10 भाग्यशाली प्रतिभागियों का लकी ड्रॉ निकाला गया तथा दस लकी विनर्स की घोषणा कर उन्हें आकर्षक उपहार प्रदान किए गए। कार्यक्रम पूर्णतः निःशुल्क रखा गया, जिससे अधिक से अधिक महिलाओं को सीखने, जुड़ने और प्रेरित होने का अवसर प्राप्त हुआ। सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किए गए।

इस सफल आयोजन का नेतृत्व जेसीआई अध्यक्ष डॉ. धृति वैभव शर्मा द्वारा किया गया। आयोजन को सफल बनाने में फाउंडर प्रेसिडेंट लीना वर्धर, चैप्टर कन्वीनर रुपाली दुबे, चैप्टर इंचार्ज आंचल पंजवानी, कार्यक्रम समन्वयक जया अरोड़ा, सचिव प्रीति अग्रवाल, समस्त पूर्व अध्यक्षों की टीम, कार्यक्रम निदेशकों एवं संपूर्ण वामा टीम का विशेष योगदान रहा। सभी के मार्गदर्शन एवं सामूहिक प्रयासों से यह आयोजन एक ऐतिहासिक उपलब्धि बन सका।

मीडिया प्रभारी सुमन दीवान एवं दीया मूलचंदानी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों ने जेसीआई रायपुर वामा कैपिटल को भविष्य में भी इसी प्रकार के प्रेरणादायक, प्रशिक्षण आधारित एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े आयोजनों के लिए शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद प्रदान किए। नारी संगम सीज़न 3 केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि महिलाओं के उत्साह, सहभागिता, सीखने और सशक्त नेतृत्व का एक अविस्मरणीय उत्सव बन गया।

दंतेवाड़ा में विधि महाविद्यालय एलएलबी संचालित करने की मांग

दंतेवाड़ा, (प्रतिदिन राजधानी)

भाजपा सोशल मीडिया प्रभारी राजेंद्र सिंह ठाकुर ने आज दंतेवाड़ा विधायक चैतराम अटामी को ज्ञापन सौंपकर दंतेवाड़ा जिले में विधि महाविद्यालय (एलएलबी) का संचालन प्रारंभ कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि दंतेवाड़ा जिला बस्तर संभाग में शिक्षा का एक महत्वपूर्ण केंद्र है, जहां दंतेवाड़ा सहित सुकमा एवं बीजापुर जिले के बड़ी संख्या में विद्यार्थी उच्च शिक्षा प्राप्त करने आते हैं। इसके बावजूद जिले में विधि शिक्षा की सुविधा उपलब्ध नहीं होना क्षेत्र के युवाओं के लिए चिंता का विषय है।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि पूर्व में दंतेवाड़ा में विधि शिक्षा प्रारंभ करने की पहल की गई थी। शिक्षकों की नियुक्ति एवं प्रवेश प्रक्रिया जैसी आवश्यक तैयारियां भी की गई थीं, लेकिन आवश्यक मान्यताओं एवं औपचारिकताओं के अभाव में यह प्रयास आगे नहीं बढ़ सका। इसके बाद से आज तक जिले में विधि महाविद्यालय के संचालन को लेकर कोई ठोस पहल दिखाई नहीं दी है, जिससे कानून की पढ़ाई करने के इच्छुक विद्यार्थियों को अन्य जिलों एवं बड़े शहरों का रुख करना पड़ रहा है।राजेंद्र सिंह ठाकुर ने कहा कि दंतेवाड़ा को शैक्षणिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र माना जाता है। यहां दक्षिण बस्तर के दूरस्थ अंचलों से विद्यार्थी बेहतर शिक्षा की उम्मीद लेकर आते हैं। सुकमा एवं बीजापुर जैसे जिलों के अनेक छात्र–छात्राएं भी दंतेवाड़ा में रहकर अपनी पढ़ाई पूरी करते हैं। ऐसे में विधि महाविद्यालय का अभाव हजारों विद्यार्थियों के भविष्य को प्रभावित कर रहा है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के विद्यार्थियों के लिए बाहर जाकर कानून की पढ़ाई करना आसान नहीं होता, जिसके कारण अनेक प्रतिभाशाली युवा अपनी इच्छा के बावजूद विधि शिक्षा से वंचित रह जाते हैं।

उन्होंने कहा कि यदि बार काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा निर्धारित मानकों एवं आवश्यक अधोसंरचना की पूर्ति सुनिश्चित की जाए तो दंतेवाड़ा में विधि महाविद्यालय का संचालन संभव है। इससे न केवल स्थानीय विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा, बल्कि पूरे दक्षिण बस्तर क्षेत्र में विधिक शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा और युवाओं के लिए नए अवसर भी सृजित होंगे।

ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि दंतेवाड़ा जैसे महत्वपूर्ण जिले में विधि शिक्षा की सुविधा उपलब्ध कराना समय की मांग है, किंतु प्रशासनिक स्तर पर अपेक्षित गंभीरता एवं जनप्रतिनिधियों के सतत प्रयासों के अभाव में यह विषय लंबे समय से उपेक्षित बना हुआ है। क्षेत्र के विद्यार्थियों और अभिभावकों की ओर से लगातार इस मांग को उठाया जाता रहा है, लेकिन अब तक कोई सकारात्मक परिणाम सामने नहीं आया है।

राजेंद्र सिंह ठाकुर ने विधायक चैतराम अटामी से आग्रह किया कि वे इस महत्वपूर्ण छात्रहितैषी विषय को राज्य शासन एवं संबंधित विभागों के समक्ष प्रमुखता से उठाएं तथा दंतेवाड़ा में विधि महाविद्यालय के संचालन हेतु आवश्यक पहल करें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस दिशा में सकारात्मक प्रयास होने पर दंतेवाड़ा, सुकमा और बीजापुर सहित पूरे दक्षिण बस्तर के विद्यार्थियों को इसका लाभ मिलेगा और क्षेत्र में उच्च शिक्षा के नए आयाम स्थापित होंगे।

दैनिक
प्रतिदिन राजधानी
आम आदमी का खास अखबार
के 25 वर्ष पूर्ण होने पर
आकर्षक ऑफर कम दर में
क्लासीफाईड विज्ञापन
प्रकाशित करें
✓ पब्लिक नोटिस
✓ आम सूचना
✓ कोर्ट नोटिस
✓ खरीदी बिक्री
✓ आवश्यकता
अखबार पढ़ने के लिए स्केन करे :-
VISIT US ON SCAN
संपर्क करें:-
शारदा चौक, रायपुर (छ.ग.)
9806044444
pratidincg@gmail.com
https://epaper.pratidinrajdhani.in

विज्ञापन एजेंसियां

मीतनिशा एडवरटाइजिंग
23, तीसरा माला रियो काम्पलेक्स, फ्रुट मार्केट के सामने
लालपुर, रायपुर (छ.ग.) मो. 98271-46567,93298-46567

ए.के. एडवरटाइजर्स
चिमन प्लाजा, लिबाज टेलर के बाजू तात्यापारा, रायपुर
मो. 9826145558, 07714028271

माहेश्वरी पब्लिसिटी सर्विस
डॉ. नायडू कॉम्पलेक्स, जेल रोड, बेबीलॉन इन के बाजू में, रायपुर
फोन नं. 4034113, 2234113, मो. 98269-06113

एम्बेसी कारपोरेट प्रमोशन
13-14 तीसरा माला अशोका मिलेनियम, राजेन्द्र नगर रिंग नं.1,
रायपुर, मो. 99811-30300

खन्ना एडवरटाइजर्स
ए-5/2, शंकरनगर सेक्टर-1, केनरा बैंक वाली गली, रायपुर
मो. 98271-44343, 93001-60001 2524032

शिवम् पब्लिसिटी
नत्थानी बिल्डिंग बूढ़ापारा, रायपुर
फोन नं. 2539968, मो.-93291-00263

राजेश पब्लिसिटी
समता कॉलोनी, कृष्णा टॉकीज के पास, रायपुर
फोन नं. 4043063, मो-94252-08899, 99263-08899

प्रयास एडवरटाइजर्स
ग्राउंड फ्लोर 13, सत्य सांई प्लाजा, मेडिकल हॉस्पिटल,
पुराना बस स्टैंड के पास, शिव टाकीज रोड बिलासपुर,
रायपुर, द्वितीय तल श्याम प्लाजा, पंडरी शाप
मो. 98267-01269, 62642-74844

माँ एड एजेंसी
ग्राउण्ड फ्लोर, मंजीत टॉवर, रायपुरा चौक के पास, रायपुर
Website: www.maaadagency.com
मो. 78691-87165

अतुल पब्लिसिटी
हलवाई लेन, सदर बाजार, रायपुर
फोन- 2223699, 2539578, मो. 94252-11222

अजय एडवरटाइजर्स, पब्लिसिटी
समवेद शिखर कॉम्पलेक्स, रजबंधा मैदान
फोन- 2224371, 2537569, मो. 94242-01700

ए.एस. एसोसिएट्स
अवंति विहार एटीएम चौक रायपुर (छ.ग.)
मो. 98271-62101, 93020-77741

सुमीत एडवरटाइजर्स
शहीद स्मारक भवन, रजबंधा, रायपुर
फोन- 4031319, मो- 98261-61116, 98267-08989

चित्रांश पब्लिसिटी
24, प्रथम तल, विजेता कॉम्पलेक्स शास्त्री बाजार रायपुर
मो. 94252-04920, फोन- 2234944, 2582595

झमाझम बारिश, किसानों को राहत

बलौदा बाजार, (प्रतिदिन राजधानी)

बलौदाबाजार–भाटापारा जिले में मानसून ने आखिरकार रफ्तार पकड़ ली है।

देर रात से शुरू हुई झमाझम बारिश का सिलसिला रविवार 5 जुलाई सुबह भी जारी रहा। जिले के वनांचल और मैदानी दोनों क्षेत्रों में अच्छी बारिश दर्ज की गई, जिससे मौसम सुहावना हो गया और किसानों के चेहरों पर खुशी लौट आई।

सोनाखान, बार, नयापारा, कसडोल समेत वनांचल क्षेत्रों में अच्छी वर्षा हुई है। वहीं लवन, पलारी, सुहेला, सिमगा और बलौदा बाजार शहर सहित आसपास के इलाकों में भी लगातार बारिश होने से जनजीवन के साथ खेती–किसानी को बड़ी राहत मिली है।

लंबे समय से बारिश का इंतजार कर रहे किसानों का कहना है कि खेतों में पर्याप्त नमी आने से अब धान की रोपाई का कार्य तेजी से शुरू किया जा सकेगा।

कृषि विशेषज्ञों का भी मानना है कि यदि आने वाले दिनों में इसी तरह नियमित बारिश होती रही तो खरीफ सीजन की फसलों के लिए यह बेहद फायदेमंद साबित होगी।लंबे समय से बारिश का इंतजार कर रहे किसानों का कहना है कि खेतों में पर्याप्त नमी आने से अब धान की रोपाई का कार्य तेजी से शुरू किया जा सकेगा। कृषि विशेषज्ञों का भी मानना है कि यदि आने वाले दिनों में इसी तरह नियमित बारिश होती रही तो खरीफ सीजन की फसलों के लिए यह बेहद फायदेमंद साबित होगी।लंबे समय से किसानों का कहना है कि अब शुरू किया जा सकेगा। कृषि विशेषज्ञों का भी मानना है कि यदि आने वाले दिनों में इसी तरह नियमित बारिश होती रही तो खरीफ सीजन की फसलों के लिए यह बेहद फायदेमंद साबित होगी।

बरसात में लापरवाही बर्दाश्त नहीं-महापौर

रायगढ़, (प्रतिदिन राजधानी)

शहर में बारिश और मानसून के मद्देनजर नगर निगम कार्यालय में महापौर जीवर्धन चौहान ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों, सफाई दरोगा एवं सफाई ठेकेदारों की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक ली। बैठक में शहर के सभी वार्डों में साफ–सफाई व्यवस्था, नालियों की नियमित सफाई, कचरा एवं कूड़ा उठाव, जलभराव की स्थिति तथा स्वच्छता संबंधी कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई।

महापौर ने कहा कि बरसात के मौसम में स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखना नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी वार्डों में नालियों की समय पर सफाई कराई जाए, कहीं भी कचरे का ढेर न लगे, नियमित रूप से कूड़ा उठाव किया जाए तथा जल निकासी की व्यवस्था सुचारु रखी जाए, ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। बैठक में महापौर ने स्वास्थ्य विभाग, सफाई दरोगाओं और सफाई ठेकेदारों को स्पष्ट शब्दों में कहा कि साफ–सफाई के कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही, उदासीनता या अनियमितता बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी अधिकारी और कर्मचारी अपने–अपने क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण करें तथा समस्याओं का तत्काल समाधान सुनिश्चित करें।

महापौर ने कहा कि स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ रायगढ़ का निर्माण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसके लिए प्रत्येक अधिकारी, कर्मचारी और सफाई ठेकेदार पूरी जिम्मेदारी, ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें।

300 से अधिक विद्यार्थी बने युवान कार्यक्रम का हिस्सा

बलौदाबाजार,(प्रतिदिन राजधानी)

वनमण्डलाधिकारी के निर्देशानुसार बलौदाबाजार वनमण्डल अंतर्गत प्रत्येक शनिवार संचालित किए जा रहे युवान कार्यक्रम के तहत शनिवार को विभिन्न वन परिक्षेत्रों में विद्यार्थियों के लिए वन भ्रमण, प्रकृति शिक्षा एवं पर्यावरण संरक्षण से संबंधित विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने युवान कार्यक्रम से जुड़कर वन, वन्यजीव, जल, मृदा एवं जैव विविधता संरक्षण के प्रति व्यवहारिक जानकारी प्राप्त किया और प्रकृति संरक्षण का सन्देश दिया। कार्यक्रमों के अंतर्गत सोनाखान, देवपुर, अर्जुनी, बल्दाकछार एवं बलौदाबाजार वन परिक्षेत्रों के विभिन्न परिसरों एवं विद्यालयों में विद्यार्थियों को वन भ्रमण कराया गया। इस दौरान उन्हें वनों एवं वन्यजीवों का मानव जीवन में महत्व, जैव विविधता संरक्षण, पर्यावरण संतुलन, जल एवं मृदा संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग तथा मानव–वन्यजीव सहअस्तित्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को यह भी बताया गया कि प्रकृति संरक्षण में युवा पीढ़ी की सक्रिय भागीदारी भविष्य के सुरक्षित पर्यावरण के लिए अत्यंत आवश्यक है।कार्यक्रमों में 300 से अधिक विद्यार्थियों ने सीड बॉल रोपण, बीज रोपण, पौधारोपण तथा वन महोत्सव जैसी गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

फलदार एवं स्थानीय प्रजातियों जैसे आम, कोसम, चार, बहेड़ा, जामुन, नीम, आँवला एवं अन्य उपयोगी प्रजातियों के संरक्षण एवं प्राकृतिक पुनर्जनन के महत्व की जानकारी दी गई। साथ ही जल एवं मृदा संरक्षण के लिए किए जा रहे विभागीय कार्यों तथा वन प्रबंधन समितियों की भूमिका से भी विद्यार्थियों को अवगत कराया गया। युवान कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों में विद्यार्थियों को 'एक पेड़ माँ के नाम ' अभियान से जोड़ते हुए पौधारोपण किया गया तथा पर्यावरण संरक्षण में व्यक्तिगत योगदान देने के लिए प्रेरित किया गया।

भाटापारा में 10 लाख से बनेगा मुक्तिधाम शेड

भाटापारा, (प्रतिदिन राजधानी)

नगर के शहीद वीर नारायण सिंह वार्ड एवं लाल बहादुर शास्त्री वार्ड स्थित मुक्ति धाम में लगभग 10 लाख की लागत से बनने वाले मुक्तिधाम शेड निर्माण कार्य का भूमिपूजन एवं शुभारंभ किया।

नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों की उपस्थिति में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमिपूजन कर निर्माण कार्य की आधारशिला रखी।

लंबे समय से क्षेत्रवासियों द्वारा मुक्तिधाम में शेड निर्माण की मांग की जा रही थी। अंतिम संस्कार के दौरान तेज धूप, वर्षा एवं प्रतिकूल मौसम में लोगों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ता था। अब इस निर्माण कार्य के पूर्ण होने के बाद नागरिकों को अंतिम संस्कार जैसे अत्यंत संवेदनशील अवसरों पर सुरक्षित, व्यवस्थित एवं सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध हो सकेगा। श्री शर्मा ने कहा विकास का वास्तविक अर्थ केवल सड़क, नाली और भवन निर्माण नहीं है, बल्कि समाज की प्रत्येक आवश्यक सुविधा को संवेदनशीलता के साथ उपलब्ध कराना भी है। मुक्ति धाम ऐसा स्थान है जहाँ हर परिवार कभी न कभी पहुँचता है। ऐसे समय में लोगों को असुविधा नहीं, बल्कि सम्मान और सुविधा मिले, यही हमारी प्राथमिकता है। नगर पालिका जनभावनाओं के अनुरूप प्रत्येक वार्ड में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार कर रही है और विकास की यह यात्रा निरंतर जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि भाटापारा नगर का प्रत्येक वार्ड मूलभूत सुविधाओं से सुसज्जित हो। जनहित के प्रत्येक कार्य को गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ पूरा करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। आने वाले समय में भी नागरिकों की आवश्यकताओं के अनुरूप अनेक विकास कार्यों को गति दी जाएगी। कार्यक्रम में विकास कार्यों के प्रति नागरिकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए नगर पालिका परिषद के जनहितकारी प्रयासों की सराहना की।

सरगुजा पुलिस ने चलाया साइबर जागरूकता अभियान

अंबिकापुर, (प्रतिदिन राजधानी)

क्रेडिट एक्सेस इंडिया फाउंडेशन की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) गतिविधियों के तहत आयोजित सामाजिक–आर्थिक विकास कार्यक्रम में सरगुजा पुलिस की साइबर सेल ने साइबर जागरूकता अभियान चलाकर 250 से अधिक हितग्राहियों को ऑनलाइन ठगी से बचाव और सुरक्षित डिजिटल लेनदेन के प्रति जागरूक किया।

कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को साइबर अपराधियों द्वारा अपनाए जाने वाले नए–नए तरीकों की जानकारी देकर डिजिटल माध्यमों का सुरक्षित उपयोग करने के लिए प्रेरित करना था। साइबर सेल की टीम ने उपस्थित हितग्राहियों को बैंक खाते, पासवर्ड, ओटीपी और अन्य व्यक्तिगत जानकारी किसी से साझा नहीं करने की सलाह दी। साथ ही किसी भी संदिग्ध गतिविधि या ऑनलाइन ठगी की स्थिति में तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की अपील की, ताकि समय रहते ठगी गई राशि को फीज कर आवश्यक कार्रवाई की जा सके। कार्यक्रम में साइबर सेल प्रभारी सहायक उपनिरीक्षक अजीत मिश्रा, साइबर विशेषज्ञ आरक्षक अनुज जायसवाल सहित पुलिस टीम ने साइबर सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान क्रेडिट एक्सेस साहू, एरिया मैनेजर शबलवीर ब्रांच मैनेजर ओम प्रकाश पटेल, ब्रांच मैनेजर राकेश कुमार सहित बड़ी संख्या में हितग्राही उपस्थित रहे।

शराब पीकर कार चलाना पड़ा महंगा, 10 हजार जुर्माना

अंबिकापुर, (प्रतिदिन राजधानी)

सरगुजा यातायात पुलिस ने शराब के नशे में वाहन चला रहे एक कार चालक के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय में पेश किया, जहां चालक पर 10 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया गया।

पुलिस के अनुसार, डीआईजी एवं एसएसपी राजेश अग्रवाल के निर्देश पर सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए जिले में लगातार विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान यातायात शाखा की टीम ने जांच के दौरान कार क्रमांक सीजी–04–क्यूजे–9516 को रोककर चालक की जांच की।

पूछताछ में चालक ने अपना नाम सोमेश कुमार मिश्रा कोरबा बताया। मौके पर चालक के शराब के नशे में होने की आशंका पर उसका ब्रेथ एनालाइजर से परीक्षण कराया गया, जिसमें शराब पीकर वाहन चलाने की पुष्टि हुई।

इसके बाद चालक के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। न्यायालय ने मामले की सुनवाई के बाद चालक पर 10 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया।

इस कार्रवाई में यातायात शाखा प्रभारी उपनिरीक्षक विजय कैवर्त एवं उनकी टीम की सक्रिय भूमिका रही।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर सरगुजा पुलिस का वृहद वृक्षारोपण अभियान

अंबिकापुर, (प्रतिदिन राजधानी)

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर सरगुजा पुलिस ने जिलेभर में 'एकता वृक्ष अभियान' के तहत वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। अभियान के तहत सभी थाना–चौकी परिसरों और पुलिस लाइन में पुलिस अधिकारियों एवं जवानों ने विभिन्न प्रजातियों के फलदार और छायादार पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण तथा सामाजिक एकता का संदेश दिया।

पुलिस के अनुसार, डीआईजी एवं एसएसपी राजेश अग्रवाल के निर्देशन में जिले के सभी थाना एवं चौकी प्रभारियों को अपने–अपने परिसर में वृक्षारोपण अभियान चलाने के निर्देश दिए गए थे। इसके तहत रविवार को एक साथ जिलेभर में व्यापक स्तर पर पौधरोपण किया गया।

अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना, प्रदूषण नियंत्रण में जनभागीदारी बढ़ाना तथा पुलिस और जनता के बीच विश्वास एवं एकता के संबंधों को और मजबूत करना रहा।

इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने आम नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण और पौधों का संरक्षण जलवायु परिवर्तन तथा ग्लोबल वार्मिंग जैसी चुनौतियों से निपटने का प्रभावी माध्यम है।

कार्यक्रम में जिले के सभी थाना एवं चौकी प्रभारियों सहित बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी और जवान शामिल हुए। सभी ने लगाए गए पौधों की देखभाल और संरक्षण का संकल्प भी लिया।

सड़क हादसे में युवक की मौत

लखनपुर,(प्रतिदिन राजधानी)

सरगुजा जिले के लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत अंबिकापुर–बिलासपुर नेशनल हाईवे–130 पर रेणुका नदी स्थित राजवाड़े ढाबा के समीप शनिवार रात हुए भीषण सड़क हादसे में एक बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मार्शल वाहन का चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शनिवार रात करीब 10 बजे तेज रफ्तार मार्शल वाहन ने सामने से आ रही अपाचे बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में बाइक सवार युवक के सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही डायल–112 की टीम मौके पर पहुंची और शव को लखनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया, जहां उसे शवगृह में रखवाया गया। रविवार सुबह मृतक की पहचान मनोज गोंड (पिता–भीम गोंड), निवासी ग्राम रनहत, प्रतापपुर के रूप में हुई। सूचना मिलने पर परिजन लखनपुर थाना पहुंचे और रिपोर्ट दर्ज कराई। प्रत्यक्षदर्शियों का दावा है कि मार्शल वाहन में सवार लोग शराब के नशे में थे। हालांकि, इस संबंध में पुलिस की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। पुलिस ने मार्शल और क्षतिग्रस्त बाइक को जब्त कर मामला दर्ज कर लिया है तथा फरार चालक की तलाश के साथ दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

छग टीचर्स एसो. की बैठक में शिक्षक समस्याओं पर बनी रणनीति, 10 को सौंपेंगे ज्ञापन

अंबिकापुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन, जिला सरगुजा की बैठक शनिवार को रघुनाथपुर (लुंड्रा) में जिलाध्यक्ष कमलेश सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में संगठन की सक्रियता बढ़ाने, शिक्षक हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों तथा आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा कर रणनीति तैयार की गई।

बैठक में जिला एवं विकासखंड स्तर पर संगठन के विस्तार, आवश्यकतानुसार पदाधिकारियों की संख्या बढ़ाने और नए पदाधिकारियों के समायोजन पर विचार किया गया। इसके साथ ही पूर्व सेवा की गणना, प्रथम नियुक्ति तिथि से पेंशन, पदोन्नति, क्रमोन्नति, टीईटी, बीएड योग्यता, वीएसके ऐप तथा अन्य विभागीय समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई। संगठन की सदस्यता बढ़ाने और सोशल मीडिया, वेब पोर्टल तथा समाचार पत्रों के माध्यम से संगठन के प्रभावी प्रचार–प्रसार की रणनीति भी बनाई गई।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि संयुक्त संचालक कार्यालय द्वारा जारी वर्तमान वरिष्ठता सूची में पाई गई विसंगतियों एवं शिक्षकों की स्थानीय समस्याओं को लेकर 7 जुलाई को सभी विकासखंडों में तथा 10 जुलाई को संयुक्त संचालक और जिला शिक्षा अधिकारी, सरगुजा के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा।

बैठक में जिलाध्यक्ष कमलेश सिंह, जिला उपाध्यक्ष आर.बी. गुप्ता, काजेश घोष, अनिल तिग्गा, रमेश याज्ञिक, सीतापुर ब्लॉक अध्यक्ष सुशील मिश्रा, लुंड्रा ब्लॉक अध्यक्ष रणबीर सिंह चौहान, राकेश दुबे, प्रशांत चतुर्वेदी, विनोद यादव, केश्वर यादव, बुंदलेश्वर सिंह मरकाम, सुरेंद्र केशर, सोनू नाग, जगमोहन सारोठिया, पुनीत कुजूर, मथुरा यादव, रवीश चंद्र पटेल, कलस्तुष केरकेट्टा सहित जिला एवं विकासखंड पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

राष्ट्रपति भवन में समारोह संपन्न, छह देशों के नए दूतों ने सौंपे परिचय पत्र

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 6 जुलाई, 2026 को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक गरिमामय समारोह के दौरान छह देशों के नवनियुक्त राजदूतों और उच्चायुक्तों के परिचय पत्र स्वीकार किए। इस कूटनीतिक प्रक्रिया के तहत मोजाम्बिक, निकारागुआ, सूरीनाम, गैबोन, मंगोलिया और बहामास के प्रतिनिधियों ने भारत में अपने आधिकारिक कार्यकाल की औपचारिक शुरुआत की है।

छह देशों के कूटनीतिक प्रतिनिधियों ने दी दस्तक

परिचय पत्र प्रस्तुत करने वाले विशिष्ट राजनयिकों में मोजाम्बिक गणराज्य के उच्चायुक्त अरमांडो पेड्रो मुइउआने जूनियर और निकारागुआ गणराज्य की राजदूत नाडेस्का इमारा कथबर्ट कार्लसन प्रमुख रूप से शामिल रहीं। इनके साथ ही सूरीनाम गणराज्य की राजदूत हनीशा जयराम ने भी राष्ट्रपति को अपने आधिकारिक कूटनीतिक दस्तावेज सौंपकर पदभार ग्रहण किया।

मंगोलिया और बहामास के दूतों ने संभाला कार्यभार

समारोह के अगले चरण में गैबोनीज गणराज्य के उच्चायुक्त ऑरेलियन-मार्सेल मिंटसा न्गुएमा, मंगोलिया के राजदूत डॉ. उल्जीत लुवसंजाव और बहामास राष्ट्रमंडल के उच्चायुक्त पीटर निकोलस साइमोनेट ने राष्ट्रपति को अपने परिचय पत्र प्रस्तुत किए।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर उपराष्ट्रपति ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली । उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने आज उप-राष्ट्रपति भवन में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित कर नमन किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि डॉ. मुखर्जी ने देश की अखंडता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उपराष्ट्रपति के अनुसार, उनके ऐसे महान बलिदानों को राष्ट्र कभी विस्मृत नहीं कर सकता है। राधाकृष्णन ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने एक ऐसे भारत की परिकल्पना की थी, जहां समस्त नागरिक एक ही संवैधानिक ढांचे के अधीन समान हों। उन्होंने स्पष्ट किया कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 का निरस्त होना, राष्ट्रीय एकता के प्रति डॉ. मुखर्जी की आजीवन प्रतिबद्धता और उन आदर्शों के प्रति एक सच्ची श्रद्धांजलि है, जिनके लिए उन्होंने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। सोशल मीडिया संदेश के माध्यम से उपराष्ट्रपति ने डॉ. मुखर्जी को प्रखर शिक्षाविद, दूरदर्शी राजनेता और राष्ट्र-निर्माता के रूप में परिभाषित किया। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने भारत की शैक्षिक, राजनीतिक और लोकतांत्रिक यात्रा पर अमिट छाप छोड़ी है। उनके बहुआयामी व्यक्तित्व ने राष्ट्र की नींव को मजबूती प्रदान की है।

उपराष्ट्रपति ने डॉ. मुखर्जी के सार्वजनिक जीवन का स्मरण करते हुए बताया कि वे कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे युवा उप-कुलपतियों में से एक, संविधान सभा के सदस्य और भारतीय जनसंघ के संस्थापक रहे। उन्होंने अखिल भारतीय हिंदू महासभा के अध्यक्ष और स्वतंत्र भारत के पहले उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री के रूप में देश की असाधारण सेवा की। डॉ. मुखर्जी के आदर्श पीढ़ियों को आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए प्रेरित करते रहेंगे।

2047 तक 'समृद्ध भारत' की मजबूत नींव बनेगा सहकारिता आंदोलन: अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में सहकारिता मंत्रालय के 5वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए इसे देश का 'स्वर्णिम काल' करार दिया। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 5 वर्षों में सहकारिता से जुड़े 30 करोड़ लोगों को नई ऊर्जा मिली है। मंत्रालय ने सहकारी क्षेत्र की पुरानी समस्याओं की पहचान कर उनके समाधान और विकास का एक व्यापक रोडमैप तैयार किया है, जिससे पूरी व्यवस्था आधुनिक, पारदर्शी और तकनीक-सक्षम बनी है।

शाह ने कहा कि जब देश 2047 में आजादी की शताब्दी मनाएगा, तब 'समृद्ध भारत' की सबसे मजबूत नींव सहकारिता आंदोलन ही होगा। कृषि, डेयरी और बैंकिंग जैसे क्षेत्रों को जोड़ने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर नई संस्थाओं का नेटवर्क तैयार किया गया है। अब तक 32 करोड़ से अधिक सदस्यों का डिजिटल डेटाबेस तैयार हो चुका है। 9 राष्ट्रीय स्तर की नई सहकारी समितियाँ बनाकर ग्राम स्तर तक सहकारिता को एक सूत्र में पिरोया गया है, जो आने वाले 10 वर्षों में अंतरराष्ट्रीय स्तर की सबसे बड़ी कोऑपरेटिव बनेंगी।

बीज उत्पादन में भारत बनेगा अग्रणी

सहकारिता मंत्री ने घोषणा की कि भारत बीज सहकारी समिति अगले 3 वर्षों में देश की सबसे बड़ी बीज उत्पादन कंपनी बनेगी। हर राज्य में नई यूनिट स्थापित होने से किसानों को शुद्ध और उन्नत बीज प्राप्त होंगे। इसके साथ ही जैविक खेती, गोबर प्रबंधन और ऊर्जा उत्पादन को सहकारिता मॉडल से जोड़कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति दी जा रही है। किसानों के उत्पाद को गांव से वैश्विक बाजार तक पहुंचाने के लिए बाजार लिंकेज को अभूतपूर्व तरीके से सुदृढ़ किया गया है।

भ्रष्टाचार मुक्त होगी पूरी सहकारी व्यवस्था

पारदर्शिता लाने के लिए त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी की स्थापना की गई है, जहाँ से प्रशिक्षित प्रोफेशनल तैयार होंगे। इससे पैक्स से लेकर एपेक्स तक प्रोफेशनल मैनेजमेंट लागू होगा और नियुक्तियों में भ्रष्टाचार पूरी तरह समाप्त होगा। सरकार ने 3,000 करोड़ रुपये की लागत से PACS के कंप्यूटरीकरण का कार्य पूरा किया है। वर्तमान में 55,000 PACS के माध्यम से CSC सेवाएं, 39,000 किसान समृद्धि केंद्र और 639 जन औषधि केंद्र सफलतापूर्वक संचालित हो रहे हैं।

बैंकिंग क्षेत्र में आया रिकॉर्ड उछाल

सहकारी बैंकों में डिजिटल बैंकिंग और ई-केवाईसी लागू होने से जिला सहकारी बैंकों का कारोबार 19.6 लाख करोड़ से बढ़कर 25 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। एनसीडीसी ने सहकारिता क्षेत्र में 70,000 करोड़ रुपये का नया निवेश झोंका है। शाह ने बताया कि पिछले पांच वर्षों में अर्बन कोऑपरेटिव बैंकों का नेट प्रॉफिट दोगुना हुआ है और इनका शुद्ध एनपीए 5.1 प्रतिशत से घटकर महज 0.7 प्रतिशत रह गया है, जो जनता के बढ़ते भरोसे का प्रतीक है।

तीन देशों की यात्रा पर रवाना हुए पीएम मोदी, रक्षा और व्यापार समझौतों पर रहेगी नजर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री 6 से 11 जुलाई 2026 तक तीन देशों— इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की महत्वपूर्ण यात्रा पर रवाना हुए। दिल्ली से जारी वक्तव्य में उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के निमंत्रण पर वह पहले जकार्ता पहुंचेंगे। वर्ष 2018 के बाद यह उनकी पहली द्विपक्षीय इंडोनेशिया यात्रा है, जो व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नया आयाम देगी। वह यहाँ भारतीय प्रवासियों से संवाद करेंगे और योग्याकार्ता स्थित प्रम्बनन मंदिर परिसर का दौरा कर घनिष्ठ सांस्कृतिक संबंधों को और सुदृढ़ करेंगे।

यात्रा के दूसरे चरण में प्रधानमंत्री मेलबर्न पहुंचेंगे, जहाँ ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीज के साथ रक्षा, सुरक्षा, व्यापार, निवेश और उभरती प्रौद्योगिकियों पर गहन चर्चा होगी। ऑस्ट्रेलिया में भारतीय समुदाय को रणनीतिक साझेदारी का प्रमुख स्तंभ बताते हुए प्रधानमंत्री ने खेल विज्ञान और जन-संपर्क क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। इसके उपरांत, वह ऑकलैंड (न्यूजीलैंड) जाएंगे जहां प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के साथ मुक्त व्यापार समझौते और आर्थिक सहयोग को लेकर रणनीतिक रोडमैप पर वार्ता संपन्न होगी। हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' और 'सागर विजन' (SAGAR Vision) को सशक्त बनाने के उद्देश्य से यह दौरा अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि इंडोनेशिया और ऑस्ट्रेलिया की यह यात्रा स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के प्रति भारत के दृष्टिकोण को और अधिक प्रभावी बनाएगी। यह दौरा मार्च 2025 में न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा के बाद द्विपक्षीय रिश्तों में आई गर्मजोशी को और मजबूती प्रदान करेगा।

माउंट आबू में विधि मंत्रालय का दो दिवसीय सुधार उत्सव संपन्न

माउंट आबू। विधि एवं न्याय मंत्रालय के विधायी और विधि विभाग द्वारा राजस्थान के माउंट आबू स्थित शांत ज्ञान सरोवर में दो दिवसीय 'सुधार उत्सव एवं चिंतन शिविर 2026' का सफल समापन हुआ। 4 और 5 जुलाई को आयोजित इस महत्वपूर्ण शिविर का उद्घाटन केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने किया। इस दौरान मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने आधुनिक, प्रौद्योगिकी-आधारित और नागरिक-केंद्रित कानूनी व्यवस्था विकसित करने की रणनीति पर गहन मंथन किया।

आधुनिक प्रौद्योगिकी और कानूनी सुधार

केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने विभागों को हालिया उपलब्धियों की समीक्षा करने और भारत के विधायी ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए दूरदर्शी कार्यसूची तैयार करने के निर्देश दिए। विधायी और विधि विभाग के सचिव डॉ. राजीव मणि ने सुशासन को मजबूत करने और 2047 तक विकसित भारत के राष्ट्रीय दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। विधायी विभाग के अपर सचिव डॉ. मनोज कुमार ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत कर सत्रों के लक्ष्यों से परिचित कराया।

डिजिटल परिवर्तन और एआई पर मंथन

शिविर के विभिन्न सत्रों में विधिक शासन, विधायी सुधार, डिजिटल परिवर्तन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को अपनाने जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। अधिकारियों ने कानूनी सेवाओं की बेहतरी और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए व्यावहारिक सुधार साझा किए। इस मंथन के बाद एक व्यापक दृष्टिकोण दस्तावेज तैयार किया गया, जिसमें ठोस सुधार प्रस्ताव और संस्थागत सुदृढ़ीकरण की सिफारिशें शामिल की गई हैं।

संकल्प पत्र से न्याय प्रणाली सुदृढ़

समापन सत्र में सचिव डॉ. राजीव मणि ने एक 'संकल्प पत्र' जारी किया। इसमें संविधान और कानून के शासन को बनाए रखने, विधायी प्रक्रियाओं को सरल व सुलभ बनाने और प्रौद्योगिकी का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करने का संकल्प लिया गया। अधिकारियों ने ईमानदारी और समर्पण के साथ राष्ट्र सेवा की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। केंद्रीय मंत्री ने मंत्रालय के नवाचार और पारदर्शिता के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए इसे विकसित भारत की दिशा में बड़ा कदम बताया।

समय पर पूरे हों सभी प्रोजेक्ट्स, केंद्रीय मंत्री गडकरी ने अधिकारियों को दी चेतावनी

नई दिल्ली । केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय राजमार्ग लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट लिमिटेड (एनएचएलएमएल) की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने देश भर में विकसित किए जा रहे मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क, रोपवे, इंटरमॉडल स्टेशन और सड़क मार्ग किनारे विकसित की जा रही सुविधाओं की प्रगति का गहन आकलन किया। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी एनएचएलएमएल वर्तमान में राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर यात्रा सुगम बनाने के मिशन में जुटी है।

एकीकृत परिवहन प्रणाली पर जोर

बैठक के दौरान गडकरी ने भविष्य के अनुरूप एकीकृत परिवहन प्रणाली निर्मित करने वाली इन परिवर्तनकारी पहलों के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि ये परियोजनाएं बहुआयामी संपर्क मजबूत बनाएंगी और नए आर्थिक अवसर खोलने के साथ-साथ संतुलित क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देंगी। मंत्री के अनुसार, इन योजनाओं से भारत की समग्र प्रचालन प्रतिस्पर्धात्मकता में भारी इजाफा होगा।

बाधाएं दूर कर बढ़ाएं गति

गडकरी ने परियोजना कार्यान्वयन में बाधक बन रही प्रमुख चुनौतियों का मूल्यांकन किया और सभी पक्षधारकों को इन्हें प्राथमिकता के आधार पर दूर करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समय पर परियोजना निष्पादन से प्रचालन दक्षता में सुधार होगा और परिवहन लागत में कमी आएगी।

इससे यात्रियों को विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा मिलेगा, जो विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत की दृष्टि को साकार करने में सहायक होगा।

किम जोंग ने किया नए 'कांग कोन' विध्वंसक पोत का परीक्षण

- **दुश्मन देशों की बढ़ गई चिंता**
- **उत्तर कोरिया कम खर्च में अपनी मिसाइल क्षमता का तेजी से कर रहा विस्तार**

प्योंग यांग। उत्तर कोरिया ने अपनी बढ़ती नौसैनिक ताकत का प्रदर्शन करते हुए एक नया रिकॉर्ड बनाने का दावा किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जारी फुटेज में कोरियन पीपुल्स आर्मी नेवी के नए 'कांग कोन' विध्वंसक पोत को एक सैन्य अभ्यास के दौरान लगातार 12 क्रूज मिसाइलें दागते हुए दिखाया गया है। कांग कोन' ने अपने परीक्षणों में जबरदस्त मारक क्षमता का प्रदर्शन किया है, लेकिन यह युद्धपोत अभी औपचारिक रूप से नौसेना में शामिल नहीं हुआ है। परीक्षणों का निरीक्षण स्वयं किम जोंग उन ने किया। इसे शांतिकालीन नौसैनिक अभ्यास में किसी युद्धपोत से एक साथ दागी गई क्रूज मिसाइलों की अब तक की सबसे बड़ी संख्या है। बता दें उत्तर कोरिया अमेरिका के विरोधी गुटों में शामिल है। उत्तर कोरिया का यह कदम खासकर साउथ कोरिया और जापान जैसे देशों के लिए चिंता की बात है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह परीक्षण उत्तर कोरिया के नए 'चोए ह्योन' कैटेगरी के डिस्ट्रॉयर की व्यापक युद्धक क्षमता के आकलन का हिस्सा था। इस दौरान युद्धपोत के वर्टिकल लॉन्च सिस्टम से मिसाइल दागने के अलावा मुख्य डेक गन, ऑटोमैटिक तोप और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम का भी लाइव फायर ट्रायल किया गया। 'कांग कोन' इस श्रेणी का दूसरा विध्वंसक पोत है, जिसे जून 2025 में लॉन्च किया गया था। इससे पहले इसी श्रेणी का पहला पोत 'चोए ह्योन' दो महीने पहले समुद्र में उतारा गया था।

एक अन्य रिपोर्ट के मुताबिक इस सैन्य अभ्यास से साफ संकेत मिलता है कि उत्तर कोरिया अपने नए विध्वंसक पोतों को केवल एयर डिफेंस या पनडुब्बी रोधी अभियानों तक सीमित नहीं रखना चाहता, बल्कि उन्हें लंबी दूरी तक सटीक हमला करने वाले प्लेटफॉर्म के रूप में विकसित कर रहा है। बीते कुछ सालों में प्योंगयांग ने रणनीतिक क्रूज मिसाइलों का बड़ा बेड़ा तैयार किया है, जो पारंपरिक और परमाणु दोनों प्रकार के वारहेड ले जाने में सक्षम हैं। इन मिसाइलों को जमीन, समुद्री जहाजों और पनडुब्बियों से दागा जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक यदि अमेरिकी नौसेना इसी तरह 12 लंबी दूरी की क्रूज़ मिसाइलें दागे तो इसकी अनुमानित लागत करीब 4 करोड़ डॉलर होगी। वहीं उत्तर कोरिया के रक्षा उत्पादन तंत्र की कम लागत के कारण 'कांग कोन' द्वारा दागी गई मिसाइलों की कुल लागत लगभग 1 करोड़ डॉलर या उससे भी कम आंकी जा रही है। यही कारण है कि उत्तर कोरिया अपेक्षाकृत कम खर्च में अपनी मिसाइल क्षमता का तेजी से विस्तार कर रहा है। चोए ह्योन कैटेगरी के पहले दो विध्वंसक पोतों में 74 वर्टिकल लॉन्च सेल लगाए गए हैं, जिनमें से करीब आधे क्रूज मिसाइलों के लिए तय माने जा रहे हैं। भविष्य में बनने वाले इसी श्रेणी के युद्धपोतों में यह संख्या करीब 90 लॉन्च सेल तक पहुंच सकती है। इसके अलावा उत्तर कोरिया ने मार्च 2026 में 8,000 टन और जून 2026 में 10,000 टन क्षमता वाले नए विध्वंसक पोत विकसित करने की भी घोषणा की है, जिनमें और ज्यादा मिसाइलें तैनात की जा सकेंगी।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, मंगलवार 07 जुलाई 2026

https://epaper.pratidinrajdhani.in

टैलेंट शाला की स्पीडक्यूबिंग प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाई अद्भुत प्रतिभा

11.57 सेकंड के औसत समय के साथ देव कुमार साहू बने आकर्षण का केंद्र, विजेताओं को किया गया सम्मानित

जतिन नचरानी (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर। शहर के पंडरी स्थित सिटी सेंटर मॉल में टैलेंट शाला द्वारा आयोजित स्पीडक्यूबिंग प्रतियोगिता उत्साह और रोमांच के बीच संपन्न हुई। प्रतियोगिता में 5 से 16 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों ने स्पीडक्यूबिंग में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। आयोजन को बच्चों, अभिभावकों और दर्शकों का भरपूर उत्साहजनक प्रतिसाद मिला। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने 3़3, 2़2, पिरामिन्क्स और स्क्यूब जैसी विभिन्न रूबिक्स क्यूब श्रेणियों में कम से कम समय में पजल हल करने की चुनौती स्वीकार की। पूरे आयोजन के दौरान रोमांचक मुकाबले देखने को मिले और प्रतिभागियों ने अपनी गति व सटीकता से सभी को प्रभावित किया। प्रतियोगिता का मुख्य आकर्षण देव कुमार साहू रहे, जिन्होंने 3़3 क्यूब को 11.57 सेकंड के औसत समय में हल कर शानदार प्रदर्शन किया। उनकी तेज गति और सटीक तकनीक ने उपस्थित दशर्कों की खूब सराहना बटोरी। टैलेंट शाला के संस्थापक जय कुमार रेलवानी ने कहा कि स्पीडक्यूबिंग केवल एक खेल नहीं, बल्कि बच्चों के मानसिक विकास का प्रभावी माध्यम है। इससे एकाग्रता, तार्किक सोच, संज्ञानात्मक क्षमता, रिफ्लेक्स तथा हैंड-आई कोऑर्डिनेशन का विकास होता है। उन्होंने बताया कि भारत में भी स्पीडक्यूबिंग तेजी से लोकप्रिय हो रही है और बड़ी संख्या में बच्चे इसमें रुचि ले रहे हैं। सह-संस्थापक विधि रेलवानी ने कहा कि यह गतिविधि बच्चों की याददाश्त, समस्या समाधान क्षमता, धैर्य और निर्णय लेने की दक्षता को मजबूत बनाती है। उन्होंने बताया कि उचित प्रशिक्षण के साथ चार वर्ष की आयु से भी बच्चे इस कला को सीख सकते हैं और नियमित अभ्यास से राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं।

ये रहे विजेता

प्रतियोगिता के समापन पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। यंगेस्ट क्यूबर का पुरस्कार वियान बराड़िया (4 वर्ष 11 माह) को मिला। एबव 13 वर्ग में देव कुमार साहू, अंडर-13 में गॉडसन, अंडर-10 में अनाया जयसिंघानी तथा अंडर-7 वर्ग में सार्या निमानी विजेता रहे। आयोजकों ने बताया कि टैलेंट शाला का उद्देश्य बच्चों को ऐसी बौद्धिक और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ना है, जो उनकी तार्किक क्षमता, आत्मविश्वास और रचनात्मक सोच को नई दिशा दें। संस्था भविष्य में भी स्पीडक्यूबिंग सहित विभिन्न बौद्धिक प्रतियोगिताओं का आयोजन करती रहेगी।

भारतीय जनता पार्टी सिविल लाइन मंडल ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी कि 125 वीं जयंती पर,पुष्पांजलि अर्पित की गई। मंडल के प्रभारी वरिष्ठ नेता सुभाष तिवारी ने डॉप्त श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के बारे संक्षिप्त में उनकी जीवन का परिचय,और संघर्ष के बारे में जानकारी दी ।

ललित जैसिंघ भारतीय जनसंघ जो की वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी है,उसकी स्थापना डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने की थी उसके बारे में विस्तार से बताया, सुनील कुमार कुकरेजा ने बंगाल एवं कश्मीर आज भारत देश के प्रदेश है तो उनके लिए डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की महत्वपूर्ण भूमिका कैसे रही उसकी जानकारी दी।

कार्यक्रम बूथ नंबर 28, नेताजी चौक, महाराष्ट्र बैंक के बाजू ,पार्षद, अमर गिदवानी का कार्यालय, पंडित भगवती चरण शुक्ल वार्ड में सम्पन्न हुआ। महामंत्री शैलेन्द्र सोमवंशी जी, पदमा साहू , प्रेम गवली, इला दुबे, कमल रंधावा , धनेश मटलानी, कुंदन सिंह ठाकुर, नीरज मनवानी, मनीष थौरानी, राजेंद्र डडसेना,विजय गोवानी, अनीता बोए,महेश राम वर्मा, सौरभ शुक्ला, लीला धनगर, मैरी फ्रांसीस स्वामी , सुशीला सोना, सुजाता यादव,

सिविल लाइन मंडल युवा मोर्चा अध्यक्ष शुभम सिंह ठाकुर (लवी),विशाल पटले ,अंकित निमाणी ,अनुराग जैन, प्रवीण महानंद, विक्रम गौतम, अभय गौतम सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने पुष्पांजलि अर्पित की ।

मुंबई एयरपोर्ट पर 10 करोड़ 65 लाख रुपये की कोकीन बरामद, विदेशी महिला गिरफ्तार

एजेंसी, मुंबई

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने मुंबई एयरपोर्ट पर सोमवार को 10.65 करोड़ रुपये की 2.128 किलोग्राम कोकीन के साथ एक विदेशी महिला को गिरफ्तार किया है। इस मामले की गहन छानबीन डीआरआई की टीम कर रही है।

इस घटना की छानबीन कर रहे डीआरआई के अधिकारी ने सोमवार को बताया कि उनकी टीम को विदेशी महिला के संदर्भ में गोपनीय जानकारी मिली थी। इसी जानकारी के आधार पर डीआरआई की टीम ने मुंबई एयरपोर्ट पर निगरानी रखा था।

सी.सी. वेलफेयर फोरम रायपुर द्वारा दिवंगत साथियों की स्मृति में भजन संध्या का आयोजन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

हमारी फोरम द्वारा दिवंगत साथियों की स्मृति में 2 जुलाई संध्या 5बजे से वृन्दावन हॉल में भजन संध्या आयोजित की गयी थी,

कार्यक्रम के मुख्य अतिथी प्रदीप श्रीवास्तव (से.निवृत्त उप संचालक दूर दर्शन), विशिष्ट अतिथि मनमथ शर्मा तथा अजय काले अध्यक्ष महाराष्ट्र मंडल उपस्थित हुये, कार्यक्रम की अध्यक्षता फोरम के डॉ. चितरंजन कर ने की ,हल्की बारिश के कारण कार्यक्रम की शुरूवात में थोड़ा विलम्ब हुआ।

मां सरस्वती पूजन अतिथियों ,फोरम सदस्यों द्वारा किया गया ,सरस्वती वंदना सुरिली मधुर आवाज में मैडम किरण पिल्लै जी ने गाया।

कार्यक्रम के अतिथियों ने श्रद्धांजली भाषण दिया, फोरम अध्यक्ष प्रकाश सुरावधनीवार ने दिवंगत साथियों के द्वारा फोरम के लिये किये गये योगदान की याद दिलाई प्रशंसा की।

भजन संध्या कार्यक्रम की शुरुवात डॉ. चितरंजन कर द्वारा गाये सुमधुर गीतों से हुई , सुभाष वर्मा , मनोहर ठाकुर घनश्याम शर्मा, राजकुमार शुक्ला सचिव के अलावा शीलू पटनायक , किरण पिल्लै , राजेन्द्र शर्मा ने बहुत सुन्दर कर्ण प्रिय भजनों की प्रस्तुती से सभागार में उपस्थित श्रोताओं को भक्तिभाव में बांधकर वाह वाही की तालियां बटोरी, दिवंगत सदसयों के परिवार जनों ने भी फोरम का आभार व्यक्त किया। कार्यक्र का संचालन राजकुमार शुक्ला फोरम सचिव ने किया।

दिवंगत साथियों को दो मिनट मौन श्रद्धांजली पश्चात, सचिव राजकुमार शुक्ला ने सभी लोगों को भोजन हेतु भोजन कक्ष में आमंत्रित किया।

सरोज सैफी उपाध्यक्ष, एच.एन.राणा जी, कोषाध्यक्ष पी.के.चटर्जी , नितीश श्रीवास्तव , राकेश खरे , कामले , आप सभी कार्यकारिणी के साथियों ने एक जुटता के साथ भजन संध्या के कार्यक्रम को सौहार्द्रपूर्ण, शान्तिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने में भरपूर योगदान किया धन्यवाद

आपका साथी प्रकाश सुरावधनीवार अध्यक्ष सी.सि.वेलफेयर फोरम रायपुर।

पद्म विभूषण स्व. तीजन बाई को कल मुक्ताकाशी मंच से छत्तीसगढ़ के लोक कलाकार देंगे श्रद्धांजलि

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं मंत्रीगण, सांसद व विधायकगण होंगे शामिल

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

पंडवानी की अप्रतिम साधिका, पद्मविभूषण एवं डी.लिट. से सम्मानित डॉ. श्रीमती स्व. तीजन बाई को 8 जुलाई को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। संस्कृति विभाग द्वारा स्व. तीजन बाई को संगीतमय श्रद्धांजलि अर्पण का यह कार्यक्रम दोपहर 2 बजे महंत घासीदास संग्रहालय परिसर, स्थित मुक्ताकाशी मंच से आयोजित होगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल सहित मंत्रीगण, सांसद, विधायक एवं जनप्रतिनिधियों के साथ छत्तीसगढ़ के पद्मश्री एवं राज्य अलंकरण से सम्मानित कलाकार, साहित्यकार, संस्कृति कर्मी तथा बड़ी संख्या में कला प्रेमी उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के प्रतिष्ठित लोक कलाकार अपनी-अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से उस महान विभूति को श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे, जिन्होंने पंडवानी जैसी लोकवाचिक परंपरा को गांव के चौपाल से उठाकर विश्व के प्रतिष्ठित सांस्कृतिक मंचों तक पहुंचाया। गीत, संगीत, पंडवानी, लोकगायन और अन्य लोककलाओं की प्रस्तुतियों के माध्यम से उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व का स्मरण किया जाएगा। यह आयोजन केवल एक श्रद्धांजलि समारोह नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक चेतना के उस स्वर्णिम अध्याय को नमन है, जिसे डॉ. श्रीमती तीजन बाई ने अपने संपूर्ण जीवन की साधना से रचा।

पद्मविभूषण तीजन बाई का निधन 5 जुलाई 2026 को हुआ। उनके निधन से न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश और विश्व के कला जगत में शोक की लहर दौड़ गई। उनके साथ भारतीय लोककला का एक ऐसा स्वर्णिम अध्याय समाप्त हुआ, जिसने पंडवानी को नई प्रतिष्ठा, नई पहचान और वैश्विक सम्मान दिलाया।

सहकारिता बनेगी किसानों की समृद्धि का नया आधार : उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

कबीरधाम (प्रतिदिन राजधानी)

भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के पाँच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 29 जून से 6 जुलाई 2026 तक आयोजित सहकारिता सप्ताह का समापन कबीरधाम जिले के पीजी कॉलेज डोम, कवर्धा में जिला स्तरीय कृषक संगोष्ठी के साथ हुआ। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

कार्यक्रम में राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के सांसद संतोष पाण्डेय, पंडरिया विधायक भावना बोहरा भी उपस्थित रहीं। संगोष्ठी के माध्यम से किसानों को सहकारिता आंदोलन को और अधिक सशक्त बनाने, आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने तथा सहकारी संस्थाओं के माध्यम से आर्थिक समृद्धि की दिशा में

आगे बढ़ने का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि सहकारिता सप्ताह का समापन किसी अभियान का अंत नहीं, बल्कि नए संकल्प और नई शुरुआत का अवसर है। उन्होंने कहा कि आज हमें सहकारिता को नई दिशा देने का संकल्प लेना होगा और इसे केवल पारंपरिक गतिविधियों तक सीमित न रखकर बहुआयामी विकास का मजबूत माध्यम बनाना होगा। उन्होंने कहा कि सहकारिता का वास्तविक अर्थ है, सभी लोगों का एकजुट होकर साझा उद्देश्य के लिए कार्य करना। आज सहकारिता के माध्यम से धान उपार्जन और बैंकिंग जैसी व्यवस्थाएं सफलतापूर्वक संचालित हो रही हैं, लेकिन अब समय आ गया है कि इसे कोल्ड स्टोरेज, दुग्ध उत्पादन, मत्स्य पालन, पशुपालन, गैस एजेंसी संचालन तथा अन्य रोजगारमूलक गतिविधियों तक भी विस्तारित किया जाए। इससे किसानों और ग्रामीणों की आय बढ़ेगी तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

उप मुख्यमंत्री ने बताया कि जिले में पहले 90 सहकारी समितियां थीं, लेकिन अब 40 नई समितियों के गठन के बाद उनकी संख्या बढ़कर 138 हो गई है।

स्वामी एवं प्रकाशक शांतिदेवी नचरानी प्रतिदिन राजधानी, प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक रायपुर छत्तीसगढ़ के लिए मुद्रक हरीश कुमार नचरानी प्रतिदिन प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स कचहरी चौक जेल रोड रायपुर (छ.ग.) द्वारा मुद्रित एवं स्वामी शांतिदेवी नचरानी (रामचंद नचरानी एण्ड संस की कर्ता) द्वारा प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक से प्रकाशित। संपादक-शांतिदेवी नचरानी * कार्यकारी संपादक-हरीश नचरानी, मो.-9617598000। (किसी भी विवाद के लिए न्यायलयीन क्षेत्र रायपुर होगा।) RNI NO. CHH HIN/2001/05596 फोन नं.- 0771-2223399, मो.-6262904444